बैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 22 मई 2024
वर्ष 2, अंक 271, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

निहारिका ओरियन ग्रह नक्षत्रों को देगी नई दिशा 16

मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना अगर हो तुम रिलीज 2

एक नजर

के. कविता मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के एक मामले में बीआरएस की नेता के. कविता के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने को लेकर 31 मई को अपना फैसला सुना सकती है। ईडी और सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने ईडी के इस दावे पर संज्ञान लेने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि उसके पास कविता पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत है।

कुकी उग्रवादी समूह के खिलाफ प्राथमिकी

इंफाल। मणिपुर भूमि संसाधन विभाग ने उग्रवादी संगठन ''कुकी नेशनल फ्रंट'' के खिलाफ राज्य में दो समूहों के बीच शत्रुता बढ़ाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। भूमि संसाधन विभाग के अवर सचिव मंगोलजाओ कामेई ने इंफाल थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में जिक्र किया गया कि थैंटिंग के रूप में उल्लेखित जगह पर ''कुकी नेशनल फ्रंट मिलिट्री काउंसिल'' शब्दों वाला गेट लगाना थांगजिंग के नाम को अनधिकृत रूप से बदलने का संकेत देता है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित शराब घोटाले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज किए गए धनशोधन और भ्रष्टाचार के मामलों में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने शाम 6:28 बजे आदेश सुनाना शुरू किया जिसमें 22 मिनट लगे। उन्होंने कहा कि सिसोदिया कथित तौर पर इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सहित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने में शामिल थे।

हथियारों के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के बिजौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक तस्कर को हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस की टीम ने परसेन के निवासी भोला उर्फ भोलू गुर्जर को गिरफ्तार कर उसके पास से 32 बोर की एक पिस्टल, 315 बोर के दो कट्टे और 16 कारतूस बरामद किए।

मंत्री के साथ सेल्फी लेने में मतदान अधिकारी निलंबित

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- बीएसए ने कहा, कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन किया

अमृत विचार : विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सोमवार को मतदान के दौरान वोट डालने के बाद केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ सेल्फी लेने के मामले में मतदान अधिकारी प्रथम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बीएसए का कहना है कि यह कार्य कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन करने की श्रेणी में आता है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने उमरी विद्यालय के सहायक अध्यापक आशीष कुमार की ड्यूटी मतदान अधिकारी प्रथम के रूप में लगाई थी। इन्होंने विद्या मंदिर इंटर कॉलेज हमीरपुर के मतदेय स्थल 112 में मतदान कराया। यहां का एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें आशीष कुमार ने मतदान के दौरान मतदाताओं की फोटो खींची और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ सेल्फी ली जो सरासर गलत है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर ब्लाक संसाधन केंद्र मुस्करा में संबद्ध किया गया है।

तेज रफ्तार इको कार ने चार महिलाओं को रौंदा, मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

मृतकों में दो बहनें, एक ननद और एक बेटी

- चकेरी-प्रयागराज हाईवे पर हाथीपुर फ्लाईओवर के पास हादसा
- जबरदस्त टक्कर के बाद करीब 200 मीटर घसीटती ले गई कार

प्रयागराज हाईवे पर क्षतिग्रस्त वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : महाराजपुर थानाक्षेत्र स्थित चकेरी-प्रयागराज हाईवे पर हाथीपुर फ्लाईओवर के पास मंगलवार शाम फतेहपुर से आ रही तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहीं किशोरी समेत चार महिलाओं को रौंद दिया। हादसे में चारों की मौत हो गई। कार की चपेट में आकर महिलाएं करीब 200 मीटर तक घिसटती हुई चली गईं। एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल है। उसे हैलट अस्पताल भेजा गया है। कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना पर डीसीपी पूर्वी समेत कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची।

श्याम नगर निवासी पूनम पांडेय (50) मंगलवार सुबह नीलवाली गली निवासी बेटी चंचल द्विवेदी (30) के साथ महाराजपुर थाना क्षेत्र निवासी ननद सरिता द्विवेदी (53) व रूपा तिवारी (38) के घर गई थीं। सरिता के पति जितेंद्र ने बताया कि शाम करीब साढ़े छह बजे पत्नी सरिता अपनी बेटी अपर्णा (17) व रूपा, पूनम और चंचल को कुछ दूर छोड़ने के लिए उनके साथ जा रहीं थीं। वह चकेरी-प्रयागराज हाईवे पर रोड पार करने लगीं तभी फतेहपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार ईको कार ने सभी को जोरदार टक्कर मार दी।

कार की चपेट में आकर पूनम, सरिता, चंचल व रूपा करीब 200 मीटर दूर घिसटती हुई चली गईं। हाथीपुर फ्लाईओवर के पास कार अनियंत्रित होकर दो बार पलट गई। हादसे के बाद क्षेत्रीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने पूनम, रूपा व सरिता को मृत घोषित कर दिया। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद चंचल व अपर्णा को हैलट रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान चंचल की भी मौत हो गई। सूचना पर डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार समेत कई थानों का फोर्स व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार जब्त कर घटनास्थल पर साक्ष्य संकलित किए। एक साथ चार लोगों की मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया।

हिंदुओं की शक्ति को चार जून के बाद महाशक्ति बना दूंगा : मोदी

वाराणसी में नारी शक्ति संवाद के जरिए प्रधानमंत्री ने महिलाओं से साझा की दिल की बात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी।

- सपा के लड़के अब गलती करें वो हाल होगा, जो सोचा नहीं
- कहा, महिलाओं के बिना घर नहीं चल सकता तो देश कैसे चलेगा

अमृत विचार : इंडी गठबंधन के नेता कहते हैं कि हिंदुओं की शक्ति का विनाश करके रहूंगा, लेकिन चार जून के बाद मोदी आपकी शक्ति को महाशक्ति बनाकर रहेगा। मैं आपके लिए लगातार काम कर रहा हूं। आपके आशीर्वाद से नई ऊर्जा मिलती है। न थकता हूं, न रुकता हूं। झोपड़ी में रहने वालों को मेरी तरफ से कह देना कि चार जून के बाद पक्का मकान मिल जाएगा। यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में महिलाओं से संवाद करते हुए यह बातें कहीं।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में नारीशक्ति संवाद में मौजूद महिलाओं से दिल की बात साझा करते हुए मोदी ने कहा कि यह भारत की सक्सेज स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बिना कैसे चल जाता। उन्होंने कहा, पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की और घर दिए। हमने 11 करोड़ टॉयलेट बनाए हैं। मेरी बहन-बेटियों को इसकी बहुत जरूरत थी। मोदी ने गरीब महिलाओं के लिए बिना एक रुपये खर्च किए खाते खुलवाए, चार करोड़ से अधिक घर बनाए, उसकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर कराई। प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा व कांग्रेस सरकारों ने महिलाओं की केवल उपेक्षा व असुरक्षा की। सपा के लड़के जरा आज गलती करके दिखाएं। योगी जी की सरकार वो हाल करेगी, जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, चंदौली से भाजपा प्रत्याशी महेंद्रनाथ पांडेय, मछलीशहर के प्रत्याशी बीपी सरोज, उप्र. महिला मोर्चा की अध्यक्ष गीता शाक्य, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, मीना चौबे आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज में मोदी बोले, 4 जून, 4 बजे 400 पार

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज में जनसभा में बोले कि सपा और कांग्रेस का सुशासन व सनातन से 36 का आंकड़ा रहा है। ये लोग सनातन को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। कहा कि सपा सरकार में एक जाति के लोगों को नौकरी दी जाती थी। यूपीएससी को परिवार सर्विस कमीशन बना दिया था। यह भी दावा किया कि 4 जून को चार बजे भाजपा की सीटों का आंकड़ा 400 के पार होगा।

अपने माई के बिना कइले हईं नामांकन

मोदी ने कहा कि इ पहली बार ह, जब हम काशी क नामांकन अपने माई के बिना कइले हईं। मां गंगा ही अब हमार माई हइन। इसी के साथ प्रधानमंत्री ने लोंगो से इस गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह भी दी।

महंगाई डायन खाय जात है

प्रधानमंत्री ने तंज कसा कि कांग्रेस की सरकारों की पहचान एक गाने से खूब होती है.... महंगाई डायन खाय जात है। कांग्रेस सरकार रही होती तो आपकी रसोई का बजट दो-तीन गुना बढ़ चुका है, लेकिन मोदी प्रयास करता है कि आपके खर्चे कम हों।

रामेश्वरम कैफे धमाका मामले में कई राज्यों में एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट से संबंधित मामले की जांच के तहत मंगलवार को कई राज्यों में छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक मार्च को कैफे में हुए विस्फोट में कई ग्राहक और कर्मचारी घायल हुए थे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर थी। विस्फोट से कैफे को भारी नुकसान हुआ था। एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अधिक विवरण साझा किए बिना कहा कि कई राज्यों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी जारी है। तीन मार्च को जांच का जिम्मा संभालने वाली एजेंसी ने 12 अप्रैल को मामले के सरगना अब्दुल मतीन अहमद ताहा समेत दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया था। कथित तौर पर कैफे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) रखने वाले ताहा और अन्य आरोपी मुसाविर हुसैन शाजिब को कोलकाता के पास एक लॉज से गिरफ्तार किया गया था, जहां वे फर्जी पहचान के साथ रह रहे थे।

- विस्फोट में कई ग्राहक और कर्मचारी घायल हुए थे

यौन उत्पीड़न मामले में कोर्ट ने तय किए आरोप

मैं दोषी नहीं तो स्वीकार क्यों करुंगा : बृजभूषण

नई दिल्ली, एजेंसी

- डब्ल्यूएफआई के पूर्व प्रमुख ने खुद को बताया निर्दोष

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और छह बार के लोकसभा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय किए। बृज भूषण ने अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजपूत के समक्ष खुद को निर्दोष बताया और सुनवाई की मांग की। बृज भूषण ने न्यायाधीश से कहा कि जब मैं दोषी नहीं हूं तो मैं दोष स्वीकार क्यों करूंगा?

अदालत ने मामले में सह आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया। अगली सुनवाई एक जून को होगी।

एसीएमएम प्रियंका ने कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। अदालत ने बृज भूषण के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 354ए (यौन उत्पीड़न) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप तय किए। न्यायाधीश ने कहा आरोपी के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। हालांकि अदालत ने छह महिला पहलवानों में से एक द्वारा दायर शिकायत में बृज भूषण को आरोपमुक्त कर दिया क्योंकि उसके दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत नहीं थे।

पूर्व आईएएस अधिकारी के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

- आय से अधिक संपत्ति के मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत मंगलवार को उनके ठिकानों पर छापे मारे।

ईडी का मामला उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के पूर्व सचिव अभिषेक के खिलाफ सीबीआई द्वारा हाल में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। 1982 बैच के आईएएस अधिकारी के खिलाफ सीबीआई ने फरवरी में छापेमारी की थी। वह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले डीपीआईआईटी से 2019 में सेवानिवृत्त हुए थे। सूत्रों ने बताया कि ईडी धनशोधन जांच के तहत राष्ट्रीय राजधानी के ग्रेटर कैलाश इलाके में और कुछ अन्य स्थानों पर अभिषेक के परिसरों की तलाशी ले रही है। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि अभिषेक ने सेवानिवृत्ति के बाद उन निजी कंपनियों से परामर्श शुल्क के रूप में 'बड़ी रकम' प्राप्त करके खुद को समृद्ध किया, जिनके मामले में उन्होंने सेवा में रहते हुए निपटाए थे।

भाजपा प्रत्याशी गंगोपाध्याय के चुनाव प्रचार पर रोक

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को लेकर मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एवं भाजपा उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय के चुनाव प्रचार करने पर 24 घंटे के लिए रोक लगा दी। निर्वाचन आयोग ने गंगोपाध्याय की टिप्पणी को 'निचले दर्जे का निजी हमला' करार दिया और कहा कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। आयोग का आदेश मंगलवार को शाम पांच बजे से प्रभावी होगा। आयोग ने गंगोपाध्याय को बनर्जी के खिलाफ असम्मानजनक टिप्पणी को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

केंद्र सरकार प्रज्ज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद करे

बेंगलुरु, एजेंसी

सेक्स स्कैंडल मामला

- कर्नाटक सरकार ने किया औपचारिक अनुरोध

कर्नाटक के गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य सरकार ने औपचारिक रूप से केंद्र सरकार से सेक्स वीडियो स्कैंडल के मुख्य आरोपी हासन के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद करने का अनुरोध किया है। डॉ. परमेश्वर ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रज्ज्वल का गिरफ्तारी वारंट जारी करने की पुष्टि की और कहा कि हमने केंद्र सरकार से उनका पासपोर्ट रद करने का आग्रह किया है। एक बार ऐसा हो जाने पर प्रज्जवल रेवन्ना भारत लौटने के लिए बाध्य होंगे।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी के अपने भतीजे से वापस लौटने और जांच में सहयोग करने की अपील के बारे में पूछे जाने पर इसे एक व्यक्तिगत पारिवारिक मुद्दा बताया। फोन टैपिंग के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. परमेश्वर ने किसी भी तरह की संलिप्तता से दृढ़ता से इनकार किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी फोन-टैपिंग गतिविधि में शामिल नहीं है।

बिभव को मुंबई ले गई दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी

मालीवाल मारपीट मामला

- केजरीवाल के पीए ने मुंबई में फार्मेट कराया था फोन

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता एवं सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को उनके आईफोन का डेटा पुनः प्राप्त करने के लिए मुंबई ले जाया जा रहा है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री के दिल्ली स्थित आवास पर राज्यसभा सदस्य मालीवाल पर हमला करने के आरोप में बिभव कुमार पांच दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस ने बताया कि कुमार ने मुंबई में अपने फोन को 'फॉर्मेट' कर दिया था या डेटा किसी अन्य उपकरण में भेज दिया था। उसने बताया कि कुमार की गिरफ्तारी के बाद उनका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया था लेकिन फोन को 'फोर्मेट' किया जा चुका था। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने 13 मई को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया था जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने शनिवार को केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया था।

टालमटोल कर रहे केजरीवाल : उपराज्यपाल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गहरी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बोलती है। कहा कि मुख्यमंत्री को इस घटना पर टाल-मटोल और पैंतरेबाजी नहीं करनी चाहिए। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि उपराज्यपाल का पत्र साबित करता है कि मालीवाल भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं।

पात्रा बोले-भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त, विवाद बढ़ने पर माफी मांगी

भुवनेश्वर, एजेंसी

- तीन दिन उपवास रखकर करेंगे अपनी टिप्पणी के लिए पश्चाताप

भगवान जगन्नाथ पर जुबान फिसलने को लेकर विवादों में घिरे भाजपा नेता और पुरी लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी संबित पात्रा ने विभिन्न वर्गों से आलोचनाओं के बाद माफी मांगी है और मंगलवार से तीन दिन तक उपवास रखकर प्रायश्चित करने की घोषणा की है। पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के प्रतिष्ठित देवता भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं। पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया था कि यह सिर्फ जुबान फिसलने के कारण हुआ और वह यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री भगवान जगन्नाथ के परम 'भक्त' हैं। पात्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि...इस गलती के लिए, मैं भगवान जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाकर क्षमा मांगता हूं। मैं इस गलती का प्रायश्चित करने के लिए अगले तीन दिन उपवास करूंगा।

पात्रा की टिप्पणी पर विवाद तब बढ़ गया जब ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटायक ने उनके बयान की कड़ी निंदा की।

संबित के बयानों के लिए माफी मांगें मोदी: कांग्रेस

नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ को लेकर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा की जुबान से निकले शब्द पर सियासत गहरा गई है। कांग्रेस ने इसे भगवान जगन्नाथ के भक्तों की भावनाओं से खिलवाड़ करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसके लिए देश से माफी मांगने को कहा है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में पात्रा के बयान की कड़ी निंदा की।

भीषण गर्मी में चरमराई प्रदेश की बिजली आपूर्ति व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ओबरा समेत कई विद्युत उत्पादन इकाइयां ठप
- संकट में एनर्जी एक्सचेंज से ली जा रही आपूर्ति

अमृत विचार : भीषण गर्मी में प्रदेश की बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। भारी मांग के कारण ओबरा की तीन इकाइयों समेत कुल पांच इकाइयां तकनीकी खराबी से ठप हो गई हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत एनर्जी एक्सचेंज से बिजली आपूर्ति ली जा रही है, पर स्थानीय खराबियों के कारण ज्यादातर क्षेत्रों में आपूर्ति बाधित होने से लोगों को बिजली संकट झेलना पड़ा रहा है।

पावर कॉरपोरेशन के सूत्रों के अनुसार, बीते दिनों ओबरा बिजलीघर की दो-दो सौ मेगावाट क्षमता की तीन इकाइयां ठप हो गई हैं। इसके साथ ही, ऊंचाहार बिजलीघर की 210 मेगावाट व रोजा बिजलीघर की तीन सौ मेगावाट की एक इकाई में उत्पादन ठप हो गया है। 23 मई तक सभी बंद इकाइयों के चालू होने की उम्मीद जताई जा रही है। इन दिनों प्रदेश में बिजली की मांग 26 हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच रही है। ऐसे में एनर्जी एक्सचेंज से बिजली आपूर्ति लेकर स्थिति संभाली जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, राजधानी समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में ट्रांसफार्मर फुंकने, बिजली लाइनों के टूटने व अन्य खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। उमस भरी गर्मी में लोगों को घंटों बिजली संकट से जूझना पड़ रहा है। पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि सभी वितरण कंपनियों को समय पर खराबी दूर बिजली आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

दोषी अफसरों पर हो कार्रवाई : उपभोक्ता परिषद

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस साल ज्यादा तकनीकी खराबियां आ रही हैं। ट्रांसफॉर्मरों पर लोड संतुलित न होने व पुरानी लाइनों को न बदले जाने के कारण यह स्थिति बनी है। अंडरग्राउंड केबल में वैकल्पिक केबल न होने से बिजली आपूर्ति समय पर बहाल नहीं हो पा रही है। उन्होंने इस मामले में जांच कर दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि परिषद की ओर से बड़ी तकनीकी खराबियों के बारे में अध्ययन रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसे राज्य विद्युत नियामक आयोग व पावर कॉरपोरेशन के शीर्ष प्रबंधन से साझा किया जाएगा।

यूपी समेत छह राज्यों में हीट वेव का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम भारत, उत्तरी मध्य प्रदेश और गुजरात के मैदानी इलाकों में अगले पांच दिनों तक चिलचिलाती गर्मी और लू के थपेड़े जैसी स्थिति जारी रहने का अनुमान जताया गया है। आईएमडी ने बुधवार को कहा कि 21 से 25 मई तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में झुलसाने वाली गर्मी और लू के थपेड़े चलने का अनुमान है। 25 मई तक जम्मू, हिमाचल, गुजरात, मध्य प्रदेश, विदर्भ और महाराष्ट्र में लू चलने जैसी स्थिति बने रहेगी।

आज का मुकाबला

राजस्थान रॉयल्स
बनाम
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर
शाम 7:30 बजे

कोलकाता ने सनराइर्ज हैदराबाद को 159 रन पर समेटा

पहला क्वालिफायर मैच: हैदराबाद ऑलआउट, राहुल त्रिपाठी ने बनाया अर्द्धशतक, स्टार्क ने लिए तीन विकेट

अहमदाबाद, एजेंसी

मिचेल स्टार्क (34 रन पर 3 विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल टी20 मैच के पहले क्वालीफायर में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद की पारी को 19.3 ओवर में 159 रन पर समेट दिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की टीम खबर लिखे जाने तक 3.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 48 रन बनाकर खेल रही थी।

स्टार्क को शुरुआती ओवरों में वैभव अरोड़ा (17 रन पर 1 विकेट) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने दो ओवरों में सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों ट्रेविस हेड (0) और अभिषेक शर्मा (3) को पवेलियन भेजा। वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर 1 विकेट) और सुनील नारायण (40 रन पर 1 विकेट) की फिरकी ने मध्यक्रम में सनराइजर्स के बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक जमने नहीं दिया। हर्षित राणा (27 रन पर 1 विकेट) और आंद्रे रसेल (15 रन पर 1 विकेट) को भी एक-एक सफलता मिली।

सनराइजर्स के लिए राहुल त्रिपाठी ने 35 गेंद में सात चौके और एक छक्का की मदद से 55 रन बनाने के साथ हेनरिच क्लासेन (32) के साथ महज 37 गेंद में 62 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 21 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। आखिरी ओवरों में कप्तान पैट कमिंस ने 24 गेंद में दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 30 रन बनाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। मैच जीतने वाली टीम 26 मई को खेले जाने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी जबकि हारने वाली टीम राजस्थान और बेंगलुरु के बीच होने वाले एलिमिनेटर के विजेता से भिड़ेगी। पहले गेंदबाजी का न्योता मिलने के बाद स्टार्क ने शुरुआती तीन ओवरों में तीन विकेट चटकाकर केकेआर को अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले ओवर में शानदार लय में चल रहे हेड को बोल्ड करने के बाद पारी के पांचवें ओवर में लगातार गेंदों पर नीतिश कुमार रेड्डी (9) और शाहबाज अहमद (0) को चलता किया। इस बीच अरोड़ा ने पारी के दूसरे ओवर में आंद्रे रसेल के हाथों कैच कराकर अभिषेक की पारी को खत्म किया। विकेटों के पतन के बीच त्रिपाठी ने पावर प्ले में इन दोनों गेंदबाजों के खिलाफ चौके जड़े जिससे छह ओवर के बाद टीम का स्कोर चार विकेट पर 45 रन हो गया। त्रिपाठी ने आठवें ओवर में हर्षित की गेंद को दर्शकों के पास भेज कर पारी का पहला छक्का जड़ा तो दूसरे छोर से क्लासेन ने नारायण की गेंद पर शानदार छक्का और फिर चौका लगाकर रन गति को तेज किया। चक्रवर्ती के खिलाफ 11वें ओवर में चौके के साथ त्रिपाठी ने अपना अर्धशतक और टीम के रनों का शतक पूरा किया। उन्होंने इसी ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाने की कोशिश कर रहे क्लासेन को पवेलियन की राह दिखा दी। अब्दुल समद (16) ने सुनील नारायण के खिलाफ दो छक्के लगाये लेकिन त्रिपाठी उनके साथ गफलत का शिकार होकर रन आउट हो गये। अगली गेंद पर नारायण ने सनवीर को खाता खोले बगैर बोल्ड किया। टीम को जब समद से लंबी पारी की उम्मीद थी तक वह 15वें ओवर में हर्षित की गेंद पर छक्का लगाने की कोशिश में कप्तान श्रेयस अय्यर को कैच दे बैठे। चक्रवर्ती ने भुवनेश्वर कुमार (0) को पगबाधा कर सनराइजर्स को 126 रन पर नौवां झटका दिया। कमिंस ने इसके बाद समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए चक्रवर्ती और स्टार्क के खिलाफ छक्के जड़कर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। वह आखिरी ओवर में रसेल की गेंद पर आउट हुए।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मंगलवार को पहले क्वालिफायर मैच के दौरान हैदराबाद के सनवीर सिंग को सुनील नरेन के आउट करने के बाद जश्न मनाते कोलकाता के खिलाड़ी।

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
हर्षल पटेल (पंजाब)	14	24
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	13	20
अर्शदीप (पंजाब)	14	19

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	14	708
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	14	583
ट्रेविस हेड (हैदराबाद)	12	533

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रद	रन रेट
कोलकाता (क्वा)	14	9	3	20	2	+1.428
हैदराबाद (क्वा)	14	8	5	17	1	+0.414
राजस्थान (क्वा)	14	8	5	17	1	+0.273
बेंगलुरु (क्वा)	14	7	7	14	0	+0.459
चेन्नई (बा)	14	7	7	14	0	+0.392
दिल्ली (बा)	14	7	7	14	0	-0.377
लखनऊ (बा)	14	7	7	14	0	-0.667
गुजरात (बा)	14	5	7	12	2	-1.063
पंजाब (बा)	13	5	8	10	0	-0.347
मुंबई (बा)	14	4	10	8	0	-0.318

हैदराबाद 159/10 — 19.3 ओवर, अतिरिक्त: 7

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
ट्रैविस हेड बो स्टार्क	00	02	0/0
अभिषेक शर्मा कैच रसल बो वैभव	03	04	0/0
राहुल त्रिपाठी रन आउट (रसल/गुरबाज़)	55	35	7/1
नितीश कुमार रेड्डी कैच गुरबाज़ बो स्टार्क	09	10	1/0
शाहबाज़ अहमद बो स्टार्क	00	01	0/0
हाइनरिक क्लासन कैच रिंकू बो चक्रवर्ती	32	21	3/1
अब्दुल समद कैच श्रेयस बो हर्षित	16	12	0/2
सनवीर सिंह बो नारायण	00	01	0/0
पैट कमिंस कैच गुरबाज़ बो रसल	30	24	2/2
भुवनेश्वर कुमार पगबाधा चक्रवर्ती	00	04	0/0
विजयकांत वियसकांत नाबाद	07	05	0/0

गेंदबाजी: स्टार्क 4-0-34-3, अरोड़ा 2-0-17-1, हर्षित 4-0-27-1, नारायण 4-0-40-1, रसेल 1.3-0-15-1, चक्रवर्ती 3-0-15-2

मैकगुर्क और शॉर्ट कुछ अलग : मैकडोनाल्ड

सिडनी। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि करिश्माई बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क और हरफनमौला मैथ्यू शॉर्ट को टी20 विश्व कप के लिए यात्रा रिजर्व के तौर पर इसलिए रखा गया है क्योंकि वे कुछ अलग हैं। मैकगुर्क ने अपने पहले आईपीएल में दिल्ली के लिए नौ मैचों में 234 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए जिसमें 32 चौके और 28 छक्के थे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि ये दोनों बाकियों से अलग है। फ्रेसर सलामी बल्लेबाज है तो शॉर्ट बल्लेबाज के साथ स्पिनर भी है।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने बेल्जियम को 4-2 से हराया

एंटवर्प। श्रद्धानंद तिवारी के दो गोल से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बेल्जियम को पेनल्टी शूटआउट से हराकर यूरोप दौरे की जीत से शुरुआत की। तिवारी ने तीसरे और 27वें मिनट में गोल दागे। भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की। तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में तिवारी ने 27वें मिनट में एक और पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। हाफटाइम तक भारत के पास दो गोल की बढ़त थी। तीसरे क्वार्टर में ही बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया। चौथे क्वार्टर में भी बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर से बराबरी का गोल दागा। पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने गोल किए। भारतीय गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने दो गोल बचाकर भारत की जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। भारत को अब बुधवार को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेल्जियम से ही खेलना है।

एकता ने क्लब थ्रो में स्वर्ण पदक जीता

कोबे (जापान), एजेंसी

भारत की एकता भयान ने 20.12 मीटर का थ्रो फेंककर विश्व पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप में महिलाओं की एफ51 क्लब थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 श्रेणी की रेस में स्वर्ण पदक जीता था।

एकता के स्वर्ण के अलावा कशिश लाकड़ा ने 14.56 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। अल्जीरिया की नाजेत बूशेर्फ ने 12.70 मीटर के साथ कांस्य पदक पाया। हरियाणा सिविल सेवा अधिकारी एकता ने एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने टोक्यो पैरालम्पिक 2020 के लिए भी क्वालीफाई किया था। एकता डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन 2003 में सड़क दुर्घटना ने उनके सारे सपने छीन लिए। वह कैब से जा रही थी जब दिल्ली हरियाणा

विश्व पैरा एथलेटिक चैंपियनशिप

सीमा पर ट्रक उनकी कैब पर उलट गया। वह तब से व्हीलचेयर पर है। उस हादसे में छह अन्य छात्रों की मौत हो गई थी। भारत के अब दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं।

भाला फेंक : विश्व खिताब का सुमित ने किया बचाव

कोबे (जापान)। गत पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने मंगलवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एफ64 भाला फेंक स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखा जबकि थंगावेलु मरियप्पन ने भी ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत के लिए दिन अच्छा रहा।

तोक्यो पैरालंपिक और 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित ने भाले को 69.50 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुमित के हमवतन संदीप ने इसी प्रतिस्पर्धा में 60.41 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता मरियप्पन ने इसके बाद 1.88 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ टी63 ऊंची कूद में स्वर्ण पदक हासिल किया।

खेल डायरी

चोटिल केर ऑस्ट्रेलियाई महिला फुटबॉल टीम से बाहर

सिडनी। ओलंपिक शुरू होने से पहले ही आस्ट्रेलिया की महिला फुटबॉल टीम की कप्तान सैम केर टखने की चोट से बाहर हो गई है। ऑस्ट्रेलिया की फुटबॉल नियामक संस्था ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 30 वर्षीय कप्तान घरेलू क्लब में स्वास्थ्य लाभ कार्यक्रम जारी रखेंगी और पेरिस ओलंपिक 2024 के चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच टोनी गुस्तावसन ने एडिलेड और सिडनी में चीन के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय शृंखला के लिए 23 खिलाड़ियों की सूची जारी करने वाले दिन यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई स्टार खिलाड़ी गोलकीपर मैकेंजी अर्नोल्ड, डिफेंडर ऐली कारपेंटर और फॉरवर्ड मैरी फाउलर इनमें शामिल हैं।

भारत क्वालीफाइंग दौर में दूसरे स्थान पर

येचियोन (दक्षिण कोरिया)। एशियाई खेल चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम के चौथे स्थान पर रहने से तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारतीय कंपाउंड महिला टीम क्वालीफाइंग रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। विश्व कप में सत्र के पहले शंघाई चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाने के बाद ज्योति शीर्ष तीन में रहने से तीन अंक से चूक गई। वह तीसरे स्थान पर रही दक्षिण कोरिया की ओह युहयुन (707 अंक) से तीन अंक पीछे रह गई। हान सियुंगियोन पहले और लक्जेमबर्ग की मारिया शकोल्ना दूसरे स्थान पर रही। भारत की परनीत कौर आठवें और विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी 15वें स्थान पर रही। भारतीय टीम दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रही।

चंद्रू ने जसकरण को हरा राष्ट्रीय खिताब जीता

हैदराबाद। तमिलनाडु के उभरते मुक्केबाज चंद्रू ने पंजाब के जसकरण सिंह को चौथे दौर में नॉकआउट करते हुए डब्ल्यूबीसी इंडिया क्रूजरवेट चैंपियनशिप खिताब जीता। इस मुकाबले में 10-0 के जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ उतरे चंद्रू जीत दर्ज करने में सफल रहे। दूसरे दौर से चंद्रू ने दबदबा बनाना शुरू किया और फिर विरोधी मुक्केबाज को कोई मौका नहीं दिया। चंद्रू ने चौथे और निर्णायक दौर में जसकरण के चेहरे पर दाएं हाथ से दमदार मुक्का जड़कर उन्हें धराशाई कर दिया। अक्षय चहल और राम सिंह के बीच आठ दौर का मुकाबला बराबरी पर छूटा जबकि आशीष चौधरी ने मनीष शर्मा को सर्वसम्मत फैसले से हराया।

टोनी क्रूज यूरो 2024 के बाद लेंगे संन्यास

मैड्रिड। जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी टोनी क्रूज 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। उनके क्लब रीयाल मैड्रिड ने बताया कि 34 साल के क्रूज ने यूरो 2024 के बाद पेशेवर फुटबॉलर के रूप में अपने करियर को समाप्त करने का फैसला किया है। क्लब ने कहा कि रीयाल मैड्रिड टोनी क्रूज के प्रति अपना आभार और स्नेह व्यक्त करना चाहता है। वह हमारे क्लब के साथ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के महानतम दिग्गजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। क्रूज 2014 से रीयाल मैड्रिड के साथ है। टीम ने 22 खिताब जीते है, जिसमें चार यूरोपीय कप और चार स्पेनिश लीग शामिल हैं। उन्होंने क्लब के साथ 463 मैच खेले हैं।

त्रिसा और गायत्री महिला युगल के दूसरे दौर में

कुआलालंपुर, एजेंसी

मलेशिया मास्टर्स

- पुरुष एकल क्वालीफिकेशन दौर में भारत के चारों खिलाड़ी हारे

भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल के दूसरे दौर में पहुंच गई। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपै की हुआंग यू सुन और लियांग जिंग यू को 21-14, 21-10 से हराया।

पुरुष एकल क्वालीफिकेशन दौर में भारत के चारों खिलाड़ी हार गए। पिछले साल दिसंबर में ओडिशा मास्टर्स जीतने वाले सतीश करुणाकरन ने मलेशिया के चीम जून वेइ को 21-15, 21-19 से हराया, लेकिन इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्तावितो से 21-13, 20-22, 13-21 से हार गए। विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी ने हमवतन कार्तिकेय गुलशन कुमार को 21-7, 21-14 से हराया, लेकिन थाईलैंड के पानीचाफोन तीरारात्साकुल से 21-23, 12-16, 17-21 से हार गए। पूर्व विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता एस शंकर सुब्रहमण्यन को रुस्तावितो ने पहले दौर में 21-12, 21-17 से हराया। महिला क्वालीफायर में तान्या हेमंत

को चीनी ताइपै की लिन सिह युन ने 23-21, 21-8 से मात दी। महिला युगल में पलक अरोरा और उन्नति हुड्डा को चीनी ताइपै की सू यिन हुइ और लिन जि युन ने 21-10, 21-5 से हराया।

अभ्यास को रोलां गैरो पहुंचे नडाल

पेरिस, एजेंसी

फ्रेंच ओपन

- फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति

रिकॉर्ड 14 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन रफेल नडाल तैयारी के लिये रोलां गैरो लौटे हैं हालांकि उनके फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति है। 37 वर्ष के नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और दो अभ्यास जोड़ीदारों के साथ यहां पहुंचे।

फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम पर अभ्यास देखने के लिए करीब 6000 दर्शक मौजूद थे। करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए और लॉकर रूम में चले गए। फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है। नडाल कूल्हे की चोट के कारण 2023 में लगभग पूरे सत्र से बाहर रहे। वह हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हुबर्ट हुरकाज से हार गए थे। अभी उन्होंने बताया नहीं है कि वह फ्रेंच ओपन खेलेंगे या नहीं। पिछले साल भी वह कूल्हे की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर थे।

बॉलीवुड हलचल

सुष्मिता सेन 30 साल पहले बनी थीं मिस यूनिवर्स

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन को मिस यूनिवर्स बने 30 साल हो गए हैं। सुष्मिता ने 21 मई 1994 में मिस यूनिवर्स का ताज पहना था। ये खिताब जीतने वाली सुष्मिता भारत की पहली महिला है। सुष्मिता ने इसको याद करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। सुष्मिता ने अपने इंस्टाग्राम पर पुरानी तस्वीर शेयर की और लंबा चौड़ा नोट लिखा। फोटो में सुष्मिता एक बच्ची को गोद में लिए नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, ये छोटी लड़की, जिससे मैं अनाथालय में मिली थी, उसने मुझे जिंदगी का सबसे मासूम, लेकिन गहरा सबक सिखाया, जिसे मैं आज तक जी रही हूं। ये फोटो 30 साल पहले ली गई थी, जब मिस यूनिवर्स का ताज पहली बार भारत आया था! सुष्मिता से ने लिखा,यह कमाल का सफर रहा था और अभी भी जारी है हमेशा मेरी सबसे बड़ी पहचान और ताकत बने रहने के लिए भारत को धन्यवाद! कभी न खत्म होने वाले प्यार और अपनेपन के लिए फिलीपींस को धन्यवाद तीन दशक बीत गए और अभी आने बाकी हैं!

मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना अगर हो तुम रिलीज

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना अगर हो तुम रिलीज हो गया है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का दूसर गाना अगर हो तुम रिलीज हो गया है। तनिष्क बागची द्वारा कंपोज किया गया और जुबिन नौटियाल द्वारा गाए गए इस गाने की शूटिंग जयपुर में हुई है। इस गाने के बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं। गाने में महिमा (जाह्नवी) और महेंद्र (राजकुमार) के रिश्ते की मिठास को दर्शाया गया है। गाने को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए राजकुमार ने लिखा, अगर हो तुम में प्यार को गहराई के साथ महसूस करें। संगीतकार तनिष्क ने कहा, अगर हो तुम एल्बम का फ्रेश एलिमेंट है। कौसर मुनीर के बोल और जुबिन की आवाज लोगों के दिलों में बस जाएगी। हमें उम्मीद है कि दर्शक इस गाने को पसंद करेंगे और इसका आनंद लेंगे।

डब्ल्यूएफआई ने ओलंपिक कोटा विजेताओं को ट्रायल से दी छूट

हंगरी में भारतीय पहलवानों का होगा आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने मंगलवार को ओलंपिक कोटा विजेता सभी छह पहलवानों को चयन ट्रायल से छूट दे दी, लेकिन उनके फॉर्म और फिटनेस का आकलन आगामी रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट और हंगरी में अभ्यास शिविर में होगा।

डब्ल्यूएफआई ने कहा कि यह विशेष परिस्थितियों में लिया गया फैसला है और इसे भविष्य के लिये परिपाटी नहीं माना जाना चाहिए। डब्ल्यूएफआई ने यह भी कहा कि अगर किसी भी पहलवान की फिटनेस में कमी पाई गई तो महासंघ आठ जुलाई से पहले ट्रायल के जरिये विकल्प के बारे में सोचेगा। प्रविष्टियां भेजने की आखिरी तारीख आठ जुलाई है। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए छह कोटा हासिल किए हैं जिनमें अमन सेहरावत (57 किलो) अकेले पुरुष पहलवान हैं। विनेश फोगाट (50 किलो), अंतिम पंघाल (53 किलो), अंशु मलिक (57 किलो), निशा दहिया (68 किलो) और रीतिका हुड्डा (76 किलो) ने भी क्वालीफाई किया है। पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई से ट्रायल नहीं कराने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि इससे चोट का खतरा है। डब्ल्यूएफआई प्रमुख संजय सिंह की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने इसे स्वीकार कर लिया।

संजय सिंह ने कहा कि हमने बात की और दोनों मुख्य कोचों का कहना था कि ट्रायल से चोट का खतरा होगा जिससे भारत की पदक उम्मीदों पर विपरीत असर पड़ सकता है, जिस वजह से हमने ट्रायल नहीं कराने का फैसला लिया।

कोटा विजेता बुडापेस्ट में छह से नौ जून तक यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरिज में भाग लेंगे। इसके बाद 10 से 21 जून तक अभ्यास शिविर लगेगा। सिंह ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी पहलवान को चोट ना लगे। इसलिए ट्रायल की जगह भारतीय कोच कोटा विजेताओं का आकलन रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट और अभ्यास शिवर में करेंगे। अगर कोई फिट नहीं है तो उसके विकल्प पर विचार किया जा सकता है। हम आठ जुलाई से पहले उस वर्ग में चयन ट्रायल का आयोजन करेंगे।

रवि और सरिता के लिए रास्ते बंद

तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि दहिया (57 किलो) और सरिता मोर (57 किलो) के लिए रास्ते भी बंद हो गए जो ट्रायल की तैयारी कर रहे थे। चयन समिति की बैठक में महिला टीम के मुख्य कोच वीरेंदर दहिया और फ्रीस्टाइल मुख्य कोच जगमंदर सिंह भी मौजूद थे। लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त, पूर्व पहलवान गीतिका जाखड़, डब्ल्यूएफआई उपाध्यक्ष और ओलंपियन जय प्रकाश, कोषाध्यक्ष संदीप देशवाल ने भी बैठक में भाग लिया। गीतिका ने वीडियो कॉल के जरिये बैठक में भाग लिया।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

एक नजर

बाजार गई महिला लापता गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज

रूरा। क्षेत्र के मड़ौली गांव निवासी रामबाबू की पत्नी नेहा (30) बीते रविवार की शाम रूरा बाजार जाने की बात कहकर घर से निकली थी। लेकिन देर रात तक वापस नहीं आई। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर महिला की तलाश की जा रही है।

ट्रैक्टर चालक को पीटने में मां-बेटी पर एफआईआर

रूरा। थाना क्षेत्र के अंदाया गांव निवासी विवेक ने पुलिस को बताया कि बीते रविवार को वह अपने ट्रैक्टर से गल्ला लेकर जा रहा था। तभी रास्ते में एक घर के बाहर बने चौतरे में हल्की सी टक्कर लगने से वह टूट गया था। जिसपर गांव की शिखा और उसकी मां ने उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट कर दी। जिससे उसका सिर फट गया और गंभीर चोट आई। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मजदूर को धमकाने से मना करने पर मारपीट

रूरा। थाना क्षेत्र के कालिनपुरवा निवासी प्रेमचंद्र ने अपने मकान निर्माण में कार्य कर रहे मजदूर को पास के दुकान पर कोल्ड ड्रिंक लेने के भेजा। जिसपर गांव के सीताराम ने मजदूर को काम करने से मना किया। जब मजदूर ने अपने मालिक को बात बताई तो प्रेमचंद्र ने जाकर सीताराम से विरोध किया। इससे सीताराम ने आक्रोशित होकर प्रेमचंद्र के साथ मारपीट कर घायल कर दिया।

मारपीट व अश्लील टिप्पणी करने में रिपोर्ट दर्ज

रूरा। क्षेत्र के एक गांव की युवती ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि 2 मई को वह अपने दरवाजे पर बैठी थी, तभी गांव का विक्की उसके पास आकर अश्लील बातें करने लगा। विरोध करने पर गालीगलौज करने लगा। शोर सुनकर विक्की के परिवार के सूर्य प्रताप, छोटे, दिलीप, राजाबाबू अपने हाथों में लाठी डंडा और धारदार हथियार लेकर आ गए और घर में घुसकर उसे बुरी तरह पीटा। थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया की रिपोर्ट दर्जकर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सांड़ के हमले से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

रसूलाबाद। मंगलवार को कठारा गांव निवासी मोहर सिंह (65) शौच के लिए खेत पर गए थे। तभी पीछे से सांड़ ने आकर उन्हें पटक दिया। शोर मचाने पर लोगों ने बुजुर्ग को बचाया। परिजन घायल अवस्था में वृद्ध को सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने उपचार किया।

खड्ड में गिरकर बाइक सवार गंभीर, रेफर किया गया

सिकंदरा। विमला गार्डन के सामने एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। घसमऊ निवासी धर्मवीर किसी काम से सिकंदरा आए हुए थे। वापस घर लौटते समय बिमला गार्डन के सामने बाइक अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। जिससे धर्मवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर रूप से सीएचसी सिकंदरा लाया गया। जहां डॉक्टर ने गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दूसरे निकाह का विरोध करने पर पत्नी को पीटा

रसूलाबाद। दूसरा निकाह करने जा रहे पति को रोकने पर उसने पत्नी से मारपीट कर दी। पीड़िता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मेघन निवादा निवासी एक महिला ने पुलिस बताया कि वह कानपुर अपने मायके में रह रही है। उसकी जेठानी महरूम निशा पत्नी दिलशाद ने फोन कर उसके पति द्वारा दूसरा निकाह करने की सूचना दी गई। उसने कानपुर से अपने ससुराल मेघन निवादा आकर देखा तो पति दूसरा निकाह करने जा रहा है। जिसका उसने विरोध किया। जिसपर पति फिरोज ने उसे बुरी तरह से मारापीटा। जिससे उसको चोट आई है। उसने मायके मे परिजनों को सूचना दी। एसआई देवनारायण द्विवेदी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज

मंगलपुर। कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। मंगलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने न्यायालय को पूर्व में दिए प्रार्थना पत्र में बताया था कि 6 दिसंबर 2023 को उसके पति व ससुर जरूरी काम से बाहर गए थे। वह घर में अकेली थी। तभी पड़ोस का ही रहने वाला ईशू उसके घर में घुस आया और उसे बुरी नीयत से दबोच लिया। विरोध करने पर चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर आंगन में जबरन दुष्कर्म कर वीडियो भी बनाया। किसी से बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी अपने साथ करीब ढाई लाख रुपये के जेवरात व 25 हजार रुपये भी ले गया। न्यायालय ने कार्रवाई के आदेश दिए थे। मंगलपुर थाना प्रभारी देवेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म, धमकी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कैनाल पंप में नहाने गया किशोर पाइप में फंसा, डूबने से गई जान

पानी के दबाव के कारण ऊपर नहीं आ सका किशोर, पंप बंद कराने के बाद मिला

संवाददाता, सिकंदरा

अमृत विचार। दोस्तों के साथ अमराहट कैनाल पंप में नहाने गया किशोर पानी के प्रेशर से डूब गया। कैनाल पंप को बंद कराकर लोगों ने तलाश की तो किशोर 67 क्यू पाइप के नीचे फंसा मिला। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने किशोर को मृत घोषित कर दिया।

मधुर यादव।

अमराहट गांव निवासी इंद्रपाल का 16 वर्षीय पुत्र मधुर यादव मंगलवार को अमराहट कैनाल पंप में दोस्तों के साथ नहाने गया था, तभी वह 67 क्यू पाइप के नीचे पहुंच गया। वहां पानी का दबाव इतना ज्यादा था कि मधुर ऊपर नहीं आ पाया और वह पानी में डूब गया। साथ नहा रहे लड़कों ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया। इसके बाद कैनाल पंप को बंद कराया गया और किशोर की खोजबीन शुरू की गई। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई।

कड़ी मशक्कत के बाद किशोर 67 क्यू पाइप के नीचे फंसा मिला। परिजन उसे आनन-फानन सिकंदरा के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया गया कि मृतक किशोर परिवार का इकलौता था। अमराहट थाना प्रभारी जीतमल ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

किशोर की मौत पर रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

जलाशयों में हादसे रोकने को एडवायजरी जारी

कानपुर देहात। भीषण गर्मी में बच्चे, युवा नदी, नहर, तालाब आदि में नहा कर राहत पाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में हादसों को लेकर जिला प्रशासन ने एडवायजरी जारी की है। एडीएम वित्त एवं राजस्व केशव नाथ गुप्ता ने बताया कि गर्मी से राहत पाने के लिए बच्चे, किशोर, बुजुर्ग नदियों, घाटों व तालाबों में स्नान करते है और थोडी सी चूक पर जान गवां देते हैं। ऐसे में मादक पदार्थ का सेवन न करें। डूबते हुए व्यक्ति को धोती, साड़ी, रस्सी या बांस की सहायता से बचाएं। पानी में न जाएं और सहायता के लिए अन्य लोगों को पुकारें। किसी नए स्थान पर नदी में जाने से पहले उसकी गहराई का ध्यान अवश्य रखें। डूबे व्यक्ति को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने के लिए डायल 112 पर कॉल करें। बच्चों को पुल, तालाब, नदी, गड्ढों व तेज पानी के बहाव में स्नान करने से रोंके।

बिना सलाह के दवा खाने से पड़ते छाले

कानपुर देहात। जिला अस्पताल में वायरल फीवर के साथ मुंह में छाले व गले में दर्द वाले मरीज पहुंच रहे हैं। फिजीशियन उन्हें ईएनटी के पास रेफर कर देते हैं। चिकित्सक इसकी वजह मौसम में बदलाव, पेट साफ न होना, अधिक एंटी बायोटिक दवाओं के साथ अन्य दवाओं का सेवन, फास्ट फूड ज्यादा खाना, पानी कम पीना व मौसमी फलों का न खाना बता रहे हैं।

जिला अस्पताल अस्पताल के ईएनटी डॉ. आरके चौबे की ओपीडी में मुंह में छाले और गले में दर्द होने की समस्या लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। इसमे कुछ लोग होंठ सूखने और दर्द होने से परेशान हैं। ईएनटी ने बताया कि वायरल फीवर से पीड़ित होने के बाद लोग चिकित्सीय सलाह के बिना ही दवा खाना शुरू कर देते हैं। दवा के दुष्प्रभाव से मुंह में छाले निकलते हैं। मरीज के शरीर में विटामिन की कमीं ज्यादा देखी जा रही है। इसका कारण मौसमी फलों का सेवन कम करना है। वहीं हर समय गुटखा, तंबाकू आदि मुंह में रखे होने से मुंह की सफाई करने में भी समस्या होती है। लोग कुछ सावधानी बरतकर समस्या से बचाव कर सकते हैं।

छोटी बहू के नाम जायदाद लिखने पर की थी हत्या

संवाददाता, मूसानगर

- भरतौली में रिटायर्ड दरोगा पिता की हत्या का मामला

अमृत विचार। भरतौली गांव में पिता द्वारा छोटे पुत्र की पत्नी-बच्चों के नाम ग्यारह बीघा जमीन व मकान नाम लिख देने से नाराज बड़े पुत्र ने गले में अंगौछा कसकर हत्या की थी। इसका खुलासा पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर किया है।

मूसानगर थाना क्षेत्र के भरतौली गांव निवासी रिटायर्ड दरोगा खुशीराम (72) अपनी छोटी बहू प्रेमलता के साथ मूसानगर के मंडी समिति स्थित मकान में रहते थे। सोमवार की सुबह वह गांव में वोट डालने की बात कहकर घर से निकले थे। दोपहर बाद छोटी बहू को फोन से सूचना मिली थी कि ससुर का शव गौशाला के पास पड़ा है। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने छानबीन की थी। बहू प्रेमलता ने आरोप लगाया था कि खेती को लेकर खुशीराम की बड़े पुत्र हेमंत कुमार से अनबन चल रही थी। सोमवार को खेती बेचने को लेकर गांव वाले घर में विवाद हो गया था। इसी खुन्नस में वोट डालकर आते समय जेठ ने ससुर की हत्या कर दी थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की थी। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नामजद अभियुक्त हेमंत कुमार को भरतौली गांव की गौशाला के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिता के पास गांव में कुल 11 बीघा जमीन व कस्बा मूसानगर में एक मकान था। जिसे पिता ने छोटे भाई की पत्नी व उनके बच्चों के नाम कर दिया था और उसे कुछ भी नहीं दिया। इसी बात को लेकर उसने पिता खुशीराम की गौशाला के पास गले में अंगौछा से गला कसकर हत्या कर दी थी। थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

पकड़ा गया हत्यारोपी।

बनीपारा जिनई में करोड़ों रुपये से बनी पानी टंकी सिर्फ शोपीस

संवाददाता, रूरा

अमृत विचार। शासन की चलाई जा रही जल जीवन मिशन योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पानी टंकी बनवाई गई है। लेकिन बनीपारा जिनई ग्राम पंचायत में करोड़ों रुपये की लागत से बनकर तैयार पानी टंकी महज शोपीस बनकर रह गई है। जिससे लोगों को घर की टोंटी से शुद्ध पेयजल नहीं मिल पा रहा है।

झीझक ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बनीपारा जिनई में प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत 2.81 करोड़ रुपये की लागत से बनवाई पानी टंकी फरवरी 2023 में बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन एक साल बीतने के बाद भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी है। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। गांव के लोगों का कहना है कि पानी टंकी का निर्माण जब शुरू हुआ था। तो ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई थी और घर की टोंटी से पानी मिलने की उम्मीद जगी थी।

बनीपारा जिनई में तैयार पानी टंकी।

- जल जीवन मिशन के तहत एक साल पहले बनी थी टंकी, फिर भी जलापूर्ति नहीं

एक साल बीतने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिल रही है। लोग भीषण गर्मी में हैंडपंप से पानी भरने को मजबूर हैं। इस बावत जल जीवन मिशन के डिस्ट्रिक कोआर्डिनेटर शशांक यादव ने बताया कि जहां सोलर पैनल लगना है। वहां पर दो पेड़ खड़े हैं। जिसका एक माह पूर्व टेक्निकल टीम द्वारा सर्वे कर तहसील प्रशासन को रिपोर्ट भेजी गई थी। वहां डीएम के पास रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है। चुनाव संपन्न होते ही सोलर पैनल स्थापित कर जलापूर्ति शुरू करा दी जाएगी।

टंकी बनने के तुरंत बाद घरों में जलापूर्ति होने की बात कही गई थी, लेकिन एक साल बीतने के बावजूद पानी नहीं मिल सका है। अधिकारी समस्याओं को गिनाकर चले जाते हैं, लेकिन जल्द निस्तारण नहीं कराते हैं।-**सूरज पाल**

सरकार की ओर से टंकी बनाकर जलापूर्ति के लिए पूरा बजट समय पर दिया गया। टंकी बनने के एक साल बाद भी जलापूर्ति शुरू न होना जिम्मेदारों की लापरवाही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।-**बल्लू सविता**

टंकी निर्माण पूरा होने के बावजूद लोगों को भीषण गर्मी में एक-एक बाल्टी पानी के लिए हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ रहा है। सबसे अधिक समस्या मवेशियों को पानी पिलाने में होती है। निराकरण पर ध्यान देना चाहिए।-**परमान सिंह**

गांव में टंकी बनने पर घर की टोंटी से पानी मिलने की उम्मीद जगी थी। करीब एक साल पहले टंकी पूरी तरह बनकर तैयार हो गई, लेकिन जलापूर्ति अब तक शुरू नहीं हो पाई है। जिससे पानी की समस्या है।-**प्रताप पाल**

सार-संक्षेप

महिला की मौत पर छानबीन करती पुलिस। अमृत विचार

संदिग्ध हालत में पड़ा मिला महिला का शव

सिकंदरा। थाना क्षेत्र के मानपुर गांव निवासी प्रमोद कुमार की पत्नी रसिया (45) दोपहर में खेत पर अपने ट्यूबवेल पर बड़े बेटे पियूष के पास गई थी और खाना लेकर थोड़ी दूर पर खड़े कटहल के पेड़ के नीचे बैठ गई। बेटा पियूष ट्यूबवेल पर सो गया। शाम को जब वह उठा तो देखा कि मां लेटी हुई है। जब वह करीब आया तो मां रसिया मृत अवस्था में मिली। पास में जहरीले पदार्थ की छोटी सी बोतल पड़ी थी। बेटे ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए। मृतका के दो बेटे और तीन बेटियां हैं। थाना प्रभारी सिकंदरा महेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है।

जायद में रोग से बचाव के लिए करें छिड़काव

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को सावधानी बरतने की दी सलाह
- मौजूदा समय में जायद की फसलों में पीला मोजेक रोग लगने की संभावना

अमृत विचार। जायद की फसलों में पीला मोजेक रोग से बचाव के लिए किसान लगातार निगरानी करें। किसी भी तरह का लक्षण दिखे तो तत्काल दवाइयों का छिड़काव करें।

जिला कृषि अधिकारी डॉ. उमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जायद की मूंग, उड़द की फराहा में पीला चित्तवर्ण रोग (पीला मोजेक) का प्रकोप हो सकता है। पीला मोजेक दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए फसल में डाईमिथोएट 30 प्रति ईसी की एक लीटर मात्रा अथवा ईमीडाक्लोप्रिड 17.8 प्रति एसएल की 250 से 300 एमएल छिड़काव करें। फंफूदी नाशक रसायन कार्बेंडाजिग 12 प्रतिशत व मंकोजेब 639 प्रतिशत एक किलोग्राम मात्रा को 500-600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टयेर में छिड़काव करें।

उन्होंने बताया कि खरीफ फसलों की बुआई का समय आने वाला है। किसान मई-जून में खेत की गहरी जुताई करें। रबी फसलों की कटाई के बाद डंठल न जलाएं। बल्कि जुताई कर इसे भूमि में मिला दें। रबी फसलों की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई आगामी खरीफ फसल के लिए अनेक प्रकार से लाभकारी होती है। मृदा की जलधारण क्षमता बढ़ती है, जो फसलों की बढ़वार के लिए उपयोगी होती है। मृदा के अंदर छिपे हुए हानिकारक कीड़े-मकोड़े, उनके अंडे, लार्वा, प्यूपा एवं खरपतवारों के बीज नष्ट हो जाते हैं। जमीन में वायु संचार बढ़ जाता है, जो लाभकारी सूक्ष्म जीवों के वृद्धि एवं विकास में सहायक होता है।

आंधी में टूटी एचटी लाइन, टला हादसा

रूरा। क्षेत्र के मझपटिया गांव में रात को आई आंधी में ग्यारह हजार वोल्टेज की मेन लाइन का तार टूट कर गिर गया। गनीमत रही कोई इसकी चपेट में नहीं आया। जिससे हादसा होते टल गया।

मझपटिया गांव में राजू अग्निहोत्री के दरवाजे से गांव के मुख्य मार्ग पर ग्यारह हजार वोल्टेज की लाइन निकली है। सोमवार रात में आई जोरदार आंधी के चलते मेन लाइन का तार टूट कर गिर गया। उस दौरान कोई नीचे नहीं था। जिससे हादसा होते बच गया।

मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने मामले की जानकारी विद्युत अधिकारियों को दी, लेकिन कोई जिम्मेदार नहीं पहुंचा और न ही विद्युत आपूर्ति बंद की गई। जिससे टूटे तार में करंट आता रहा। इस बावत जूनियर इंजीनियर करन सिंह ने बताया कि लाइनमैन को मौके पर भेजा गया है। जल्द ही टूटी लाइन दुरस्त कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लाइन टूटने से किसी तरह का कोई खास नुकसान नहीं हुआ है।

पाइप लाइन फटने से पानी का संकट

संवाददाता, मूसानगर

अमृत विचार। नगर पंचायत के वार्ड नंबर दस बालाजी धाम स्थित नलकूप की मेन पाइपलाइन प्रेशर से फटने के चौथे दिन जिम्मेदारों ने मरम्मत कराई। जिससे लोग पेयजल को लेकर परेशान रहे। हालाकि नगर पंचायत की ओर से टैंकरों से जलापूर्ति कराई गई।

बता दें कि शनिवार देर रात बालाजी मंदिर मार्ग पर नलकूप से वॉटर टैंक तक जाने वाली मेन लाइन अचानक प्रेशर से फट गई थी। जिससे जलापूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई थी। वहीं पाइपलाइन फटने से सड़क धंस गई थी और गड्ढा हो गया था। जबकि कस्बे के अशोकनगर, कृष्णानगर, बालाजी धाम, आंबेडकर नगर, गौसगंज, अब्दुल कलाम नगर में इसी नलकूप से पेयजल की आपूर्ति होती है। जिसकी मेन लाइन से पानी टंकी तक पहुंचता था। जलापूर्ति नहीं होने के कारण लगभग दस हजार आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

फटी पाइप लाइन की मरम्मत करते नगर पंचायत कर्मी। अमृत विचार

- शनिवार रात प्रेशर अधिक होने से वार्ड नंबर दस में फटी थी पेयजल पाइप लाइन

लोगों का कहना था कि पाइपलाइन फटने के बाद लोगों ने नगर पंचायत अधिकारियों से शिकायत की थी। बताया कि डेढ़ महीने के अंतराल में तीसरी बार प्रेशर से मेन लाइन फटी है। पाइपलाइन बरसों पुरानी पड़ी है, जो अब क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बार-बार मरम्मत के बाद कुछ ही दिन चलती है।

वहीं पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के चौथे दिन मंगलवार को नगर पंचायत अधिकारी नींद से जागे और कर्मचारियों को मरम्मत के लिए भेजा। नगर पंचायत ईओ संजय कुमार ने बताया कि पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद टैंकरों से पानी की आपूर्ति की गई है। पाइपलाइन दुरस्त होने के बाद शाम तक सप्लाई बहाल करा दी जाएगी।

हाईवे पर ट्रैक्टर से भिड़ंत में ट्रक चालक की मौत

रनियां। हाईवे पर ट्रक व ट्रैक्टर की भिड़ंत से ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने उसे जिला अस्पताल भेजा। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अमेठी जिले के थाना मुंशीगंज के निधान सिंह का पुरवा निवासी रामलखन पाल (50) ट्रक चालक था। वह मंगलवार को कानपुर से दिल्ली ट्रक से समान लेकर जा रहा था। तभी कानपुर नगर के सचेंडी थाना अंतर्गत नायरा पंप के पास ट्रैक्टर से ट्रक की भिड़ंत हो गई, जिसमें ट्रक चालक राम लखन गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे जिला अस्पतान भेजा। जहां ईएमओ ने चालक को मृत घोषित कर दिया। जब भाई राकेश पाल को सूचना मिली तो कानपुर में पता करते रहे। काफी समय तक जानकारी करने के बाद रनियां थाना आए तो घटना की सूचना मिली। रनियां एसओ रनियां महेंद्र पटेल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मौसम की मार चिलचिलाती धूप से सड़कें रहीं सूनी, बाजारों में पसरा रहा सन्नाटा

घर से बाहर निकलते ही लू के थपेड़ों ने झकझोरा

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। जिले में तापमान लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मंगलवार को गर्म हवा और लू के थपेड़ों से लोग बेहाल रहे। दोपहर के समय सड़कें और बाजार सुनसान रहे और वाहनों की आवाजाही भी कम रही। दोपहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से कुछ अधिक था।

चिलचिलाती और तन को झुलसाने वाली धूप में लोग बिलबिलाते हुए नजर आ रहे हैं। इन दिनों मौसम की तल्ख़ी ने जनजीवन बेहाल कर दिया है। सुबह से ही गर्मी पड़नी शुरू हो जाती है और दस बजे के बाद तो सूर्य देव आग उगलने लगते हैं। जिससे लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। मई के महीने में जून जैसी गर्मी से लोग त्रस्त दिखाई दे रहे हैं।

मंगलवार को भी तापमान चढ़ा रहा। ऐसे में गर्मी से बचने के लिए लोग मुंह पर कपड़ा और सिर को ढककर चलने को मजबूर रहे। दुपहिया वाहनों पर भी लोग गर्मी से बचाव के इंतजाम के साथ जाते नजर आए। दोपहर के समय तापमान सबसे अधिक होने के कारण अधिकांश लोग घरों में ही दुबके रहे और जरूरी होने पर ही निकले।

गर्मी से राहत पाने के लिए नहर में छलांग लगाते बच्चे। अमृत विचार

गर्मी से राहत पाने के लिए पेड़ की छांव में बैठे किसान। अमृत विचार

आवाजाही कम होने के कारण सिकंदरा के सराफा बाजार, बैलाही बाजार, नया बाजार समेत कस्बे के सभी बाजार सूनी पड़ी रही। सड़कों पर भी वाहनों की आवाजाही सुबह-शाम के मुकाबले कम रही। शाम के समय धूप का असर कम होने पर लोग घर से बाहर निकले। जिससे बाजारों में रौनक लौटी। कानपुर सीएसए के मौसम विभाग के अनुसार आगामी पांच दिन तापमान में बढ़ोत्तरी जारी रहेगी। फिलहाल मौसम की तल्खी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है।

अस्पतालों में उमड़ रहे मरीज

हवासपुर सीएचसी में मरीजों का इलाज करते डॉक्टर। अमृत विचार

संदलपुर। बढ़ती गर्मी के साथ ही हवासपुर सीएचसी में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार को उल्टी, दस्त, बुखार व आंख में इंफेक्शन के तमाम मरीज पहुंचे। इनमे सबसे अधिक संख्या बच्चों और बुजुर्गों की रही। ओपीडी में 110 से ज्यादा मरीजों का चेकअप कर दवा दी गई। सीएचसी में सुबह से पर्चा काउंटर के बाहर मरीजों की कतार लगी रही। डॉक्टर ओआरएस का घोल और शीतल पेय पदार्थ पीने की सलाह दे रहे हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि बढ़ते तापमान के चलते मरीजों की संख्या बढ़ी है। सीएचसी में सभी इंतजाम हैं। लू का प्रकोप बढ़ गया है। ऐसे में जरूरी होने पर ही लोग दोपहर में घरों से निकलें। इस दौरान डॉ. वैभव कटियार, मनीष चौधरी, गुलफाम, विनोद कटियार, शुभम कुमार आदि स्टाफ मौजूद रहा।

जीआईएस सर्वे से उद्यमी खफा, की शिकायत

मेरी आवाज सुनो

- उद्योगपतियों ने खोला मोर्चा, स्थानीय स्तर पर भी उठाएंगे मुद्दा
- अधिक टैक्स व गलत सर्वे से नाराजगी, नहीं सुन रहे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जियोग्राफिक इनफार्मेशन सिस्टम्स (जीआईएस) सर्वे के बाद नगर निगम की ओर से तय किए गए टैक्स का उद्यमियों ने विरोध कर दिया है। उद्यमियों-कारोबारियों ने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय में कर दी है। इस मुद्दे को शहर स्तर पर भी उठाने की योजना बना रहे हैं। उद्यमियों ने दावा किया कि यह सर्वे गलत तरीके से हुआ है, उन लोगों के पास त्रुटिपुर्ण टैक्स की रसीदें आई हैं। उन लोगों ने नगर निगम की ओर से जारी नोटिस को भी विरोध किया है।

नगर निगम की ओर से शहर में आवासीय और व्यावसायिक भूखंडों की वास्तविक स्थिति जानकर उसी आधार पर टैक्स का निर्धारण किया गया है। लोगों को टैक्स वसूली के लिए बिल दिए गए थे। तय समय पर बिल न दिए जाने पर नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बाद शहर के उद्यमियों ने इस प्रक्रिया का विरोध कर दिया है। उनका कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र में यह सर्वे गलत तरीके से हुआ है। लाखों रुपये का अनावश्यक टैक्स दिखाया गया है। इसकी शिकायत अधिकारियों से की पर सुनवाई नहीं हुई। पीएम पोर्टल पर इस शिकायत को दर्ज कराया है।

उद्योगबंधु की बैठक में उठाएंगे मुद्दा

उद्यमियों और कारोबारियों ने बताया कि पीएम से शिकायत करने के बाद अब वे लोग इस मुद्दे को शहर स्तर पर भी उठाएंगे। शहर के कई उद्यमियों से बातचीत भी हो चुकी है। उद्योग बंधु की बैठक में भी इसे शामिल करने का निर्णय लिया गया है। उद्यमियों ने यह भी बताया कि यह सर्वे किस आधार पर हुआ इसकी जानकारी उन लोगों को नहीं है।

■ नगर निगम करदाताओं को एकतरफा नोटिस जारी कर रहा है। इसमें 5 से 10 साल पहले से वार्षिक मूल्यांकन को तीन गुना और कुछ मामलों में तो यह पांच से दस गुना तक बढ़ाकर संशोधित करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह पूरी तरह अनुचित है। प्रस्तावित संशोधन जीआईएस सर्वेक्षण पर आधारित है। हम अनभिज्ञ हैं कि ऐसा सर्वेक्षण कब और किसने किया।

–सुशील शर्मा, चेयरमैन, इंडस्ट्री कमेटी मर्चेंट्स चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश

■ मूल्यांकन संशोधन का ऐसा अनुचित प्रस्ताव सभी करदाताओं, विशेषकर उद्योगों पर बहुत बुरा प्रभाव डालेगा। एक ओर सरकार उद्योगों के लिए हर संभव राहत देने की बात करती है। दूसरी ओर इस तरह की अलोकप्रिय कार्यवाही की जा रही है। इससे उद्यमियों और उद्योग को काफी नुकसान हो सकता है। उद्यमियों में इसे लेकर आक्रोश है।

–मनीष कटारिया, चेयरमैन, इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी, मर्चेंट्स चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश

सेंट्रल पर औचक निरीक्षण, 31,120 रुपये जुर्माना

कानपुर। सहायक वाणिज्य प्रबंधक (डिप्टी सीटीएम) संतोष त्रिपाठी ने सोमवार रात अचानक सेंट्रल स्टेशन पर निरीक्षण किया। ट्रेनों में टिकट चेकिंग के साथ प्लेटफार्म पर खानपान और गंदगी को भी देखा। निरीक्षण के दौरान 60 लोगों पर कार्रवाई करते हुए 31,120 रुपये जुर्माना वसूला।

उपमुख्य यातायात प्रबंधक के निर्देश पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने आरपीएफ, जीआरपी के साथ हर प्लेटफार्म पर जाकर चेकिंग की। सेंट्रल आने वाली सभी ट्रेनों में टिकट चेकिंग की गई। प्लेटफार्मों पर खानपान स्टालों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता देखी।

ट्रक से कुचले मैकेनिक की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र के श्याम नगर में ट्रक के पहिए में काम करते समय चपेट में आए मैकेनिक की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी पत्नी की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। अब उसके तीनों बच्चे अनाथ हो गए।

विश्व बैंक बर्रा निवासी 51 वर्षीय ट्रक मैकेनिक राकेश शर्मा श्याम नगर स्थित एक वर्कशॉप में काम करते थे। परिवार में दो बेटे विकास और आकाश तथा एक बेटी शिवानी है।

पत्नी पम्मी की पांच वर्ष पहले मौत हो गई थी। भतीजे पुनीत ने बताया कि 10 मई को चाचा राकेश वर्मा ट्रक के नीचे लेटकर पहिए में काम कर रहे थे। इसी दौरान ट्रक चालक ने गाड़ी आगे बढ़ा दी थी, जिससे चाचा नीचे दब गए थे। सोमवार देर रात हैलट में उनकी मौत हो गई।

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार दुबे ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सूचित हो कि मेरे मकान E–1/86 सेक्टर B- अलीगंज लखनऊ का मूल आवंटन और कब्ज़ा पत्र जो श्री नाथ तिवारी पुत्र राम आधार को आवंटित थे, खो गये है, जिसका उपयोग अवैध है – **श्रीमती स्वर्ण बाला तिवारी पत्नी राजेश कुमार तिवारी निवासी मकान नं0 – 46–I मानसनगर, जियामऊ, लखनऊ**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम विनोद था। जिसे बदलकर मैने अपना नाम विनोद कुमार विश्वकर्मा रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जान व पहचाना जाय। **विनोद कुमार विश्वकर्मा पुत्र राम कुमार, निवासी– पचार, तिवारी बाजार, गोण्डा**

सूचना

सूचित किया जाता है कि यूपी बोर्ड द्वारा जारी मेरा हाईस्कूल अंक पत्र, सह प्रमाण–पत्र, वर्ष 2016, रोल नं. 1147310, व इंटरमीडिएट अंक पत्र व सह प्रमाण–पत्र वर्ष 2018, रोल नंबर 0909167 का अंक पत्र, सह प्रमाण पत्र वास्तव में कही गुम हो गया है। **– सुशीला सरकार पुत्री जगदीश सरकार, निवासी– ग्राम–मियांपुर, पोस्ट राजापुर बेनी, तह0– मोहम्मदी, जिला– लखीमपुर खीरी –262804**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपना नाम समीरूल से बदलकर मोहम्मद समीरूल रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहम्मद समीरूल के नाम से जाना व पहचाना जाय। **–मोहम्मद समीरूल पुत्र मोहम्मद इकबाल, निवासी– मं0नं0 392/52, मैदान एल0एच0खान, थाना– सआदतगंज, लखनऊ,**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे कुछ अभिलेखो में त्रुटिवश अंकित कुमार गर्ग के स्थान पर अंकित गर्ग दर्ज हो गया है। जिसे अब मेरा सही नाम **अंकित कुमार गर्ग पुत्र श्री अशोक कुमार गर्ग, निवासी मो. गुलाम अलीपुरा थाना दरगाह शरीफ तहसील व जिला बहराइच** पढ़ा व समझा जाये।

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने बड़े पुत्र रईस अहमद व उसकी पत्नी फिजा बानो पुत्री फुज़ैल अहमद दोनों को उनके गलत चाल चलन के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं। रईस अहमद व उसकी पत्नी फिजा बानो के किसी कृत्य से मेरा व मेरे परिजनों का कोई भी वास्ता सरोकार नहीं होगा। – **रशीद अहमद पुत्र वसी अहमद, ग्राम– ऐनी हतिन्सी, थाना व तहसील– कैसरगंज, जनपद – बहराइच**

तलाश गुमशुदा

सूचित हो कि मेरे आधार कार्ड संख्या 201942377197 एवं पैन कार्ड संख्या (सीडीपीपीबी 4995 आर) में अकबरी बानों जन्मतिथि 01.01.1960 पूर्व में अंकित था। अब संशोधन करवाकर मैंने अपना नाम वारी निशा एवं जन्मतिथि 10.10.1962 अंकित करवाया है, जो सही है। **– वारी निशा पत्नी अख्तर अली, निवासी ग्राम करौंदिया देहात, चुनहा (ढखवा), सुलतानपुर**

नालों की सफाई की धीमी है चाल बारिश में होगा शहर का बुरा हाल

सीसामऊ नाले में पटी गंदगी, 15 जून तक नालों से सिल्ट निकालकर उठानी भी है

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ग्वालटोली में सांई मंदिर के पास सीसामऊ नाले में गंदगी का अंबार लगा है। नाले की सफाई का कार्य एक माह पहले शुरू किया गया। लेकिन सही से सफाई न होने की वजह से गंदगी भरी हुई है। दक्षिण में आरबीआई कॉलोनी के बाहर भी नाले का यही हाल है। विजय नगर से निकले गंदा नाले की भी अभी तक सफाई नहीं हो सकी है। शहर के अन्य छोटे बड़े नालों को 15 जून से पहले साफ करना है लेकिन अभी 30 फीसदी शहर के नाले भी साफ नहीं सके हैं। जबकि नगर निगम ने इस बार समय से पहले ही सफाई कार्य शुरू करा दिया है।

लोकसभा चुनाव को देखते हुये नगर निगम ने इस बार नाला सफाई के टेंडर कराकर वर्क आर्डर पहले ही जारी कर दिये थे। इंजीनियरिंग विभाग के 224 बड़े नालों की सफाई में पांच करोड़ 11 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। कई ठेकेदारों ने नाला सफाई का कार्य शुरू कर दिया है, लेकिन यह कार्य बड़ा सुस्त है। नगर आयुक्त ने कहा था कि 15 जून तक नालों से सिल्ट निकालने के साथ ही सिल्ट का उठान भी पूरा किया जाये। सीओडी नाले की सफाई न होने की वजह से बरसात में दक्षिण के 100 मोहल्लों में समस्या खड़ी हो सकती है।

सीसामऊ नाले की सफाई नहीं की गई है। अमृत विचार

सफाई नहीं तो रुकेगा भुगतान

नगर निगम अधिशाषी अभियंता ने सभी ठेकेदारों को निर्देश दिये हैं कि सात दिन के अंदर डॉट नालों की सफाई की जाये। नाला सफाई का कार्य मानव बल से किया जा रहा है लेकिन डॉट नालों की अंदर की सफाई नहीं की जा रही है। जबकि बकेट मशीन से नालों की सफाई के निर्देश जारी किये गये हैं। अधिशाषी अभियंता ने कहा कि अगर निश्चित समय में नालों की सफाई नहीं की जाती तो भुगतान नहीं किया जायेगा।

जोन	बड़े नाले
1	22
2	41
3	43
4	20
5	56
6	42

ठेके पर साफ होने वाले बड़े नाले

07 करोड़ रुपये नाला सफाई में होंगे खर्च

224 इंजीनियरिंग विभाग के बड़े नाले

1209 स्वास्थ्य विभाग के छोटे नाले

1209 छोटे नालों की सफाई में भी दिक्कत

■ स्वास्थ्य विभाग के 1209 छोटे नालों की सफाई में दो करोड़ रुपये खर्च होने हैं। नगर निगम रबिश प्रभारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के नाला सफाई में कुल 88 हजार मानव बल लगेगा। कई क्षेत्रों में छोटे नालों के ऊपर पक्के स्लैब बना लिये गये हैं। जिन्हें मानव बल से तोड़ा जाना मुमकिन नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिये मशीनों की मदद मांगी है। मशीनों के बिना नालों की सफाई होने में दिक्कत हो रही है।

सीटीआई नहर की सफाई करती नगर निगम की मशीन। अमृत विचार

सीटीआई और हलुवाखाड़ा नहर साफ करेगा नगर निगम

- सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी को नगर निगम ने अपने कंधों पर लिया
- जनहित में नगर आयुक्त ने किया फैसला, सफाई कार्य कराया शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीटीआई और हलुवाखाड़ा नहर में गंदगी का अंबार है। कई शिकायतों के बाद भी सिंचाई विभाग नहरों को साफ नहीं करता है। जिससे स्थानीय लोग परेशान होते हैं। मंगलवार से नहरों की सफाई की जिम्मेदारी अब नगर निगम ने संभाली है। नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने आदेश जारी कर कहा है कि जनहित में नहरों की सफाई नगर निगम अपने संसाधनों से करेगा।

सिंचाई विभाग नहरों की सफाई समय से नहीं कराता, इसके अलावा सिल्ट का उठान भी समय से नहीं कराया जाता है। बारिश में सिल्ट दोबारा नहरों में चली जाती है, जिसकी वजह से जलभराव होता है। इस समस्या को देखते हुये सिंचाई विभाग के स्वामित्व वाली दोनों नहरों की सिल्ट सफाई व सिल्ट उठान का कार्य नगर निगम कराएगा। सीटीआई नहर की सिल्ट सफाई का कार्य नगर निगम ने शुरू भी करा दिया है।

मेट्रो ने क्षतिग्रस्त की शहर की पहली स्मार्ट रोड, अब ठीक भी कराएगा

- झाड़ी बाबा पड़ाव से पनचक्की चौराहे तक सड़क खराब
- नगर आयुक्त ने मेट्रो अधिकारियों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मेट्रो के निर्माण कार्य की वजह से क्षतिग्रस्त हुई शहर की पहली स्मार्ट रोड को कानपुर मेट्रो ठीक कराएगा। नगर आयुक्त ने मंगलवार को मेट्रो के अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि झाड़ी बाबा पड़ाव से पनचक्की चौराहे तक बनाई गई स्मार्ट रोड की सड़क, नाली, फुटपाथ व रेलिंग को मेट्रो ने डैमेज किया है। अधिकारी संयुक्त सर्वे करते हुए धनराशि का आकलन कर लें। मेट्रो खुद ही सड़क का निर्माण करा दे या धनराशि स्मार्ट सिटी को दे।

नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने मेट्रो खोदाई से नगर निगम को हो रही क्षति के सम्बन्ध में मेट्रो के मुख्य अभियन्ता अजहर सरताज व परियोजना निदेशक ऋषि गंगवार के साथ बैठक की। नगर आयुक्त के कार्यालय में हुई बैठक में नगर निगम के मुख्य अभियंता मनीष कुमार अवस्थी, जलकल महाप्रबन्धक एके त्रिपाठी, अधिशाषी अभियन्ता प्रोजेक्ट आरके सिंह को भी बुलाया गया।

इस दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि मेट्रो की वजह से नगर निगम को आर्थिक नुकसान तो हो ही रहा है इसके साथ ही आम जनता भी परेशान है। मेट्रो निर्माण के दौरान सीओडी नाले की मेट्रो ने कई जगह चौड़ाई मलबा डालकर कम कर दी है, कई जगह तो नाले को बन्द कर दिया है। नाले की सफाई में मेट्रो सहयोग प्रदान करे। सीसामऊ नाले के अन्तर्गत लाल इमली कॉलोनी के अन्दर निर्माण के दौरान जो भी डैमेज किया है, उसमें भी जोनल अभियन्ता-4 के साथ संयुक्त सर्वे कर मरम्मत कराने के लिये धनराशि का आकलन किया जाये।

10 गुना पौधे लगाने को स्थल का हो चयन

मेट्रो निर्माण के दौरान बर्रा-8 से सीटीआई होते हुए विजय नगर तक ग्रीनबेल्ट हटायी जानी है। इसके सम्बन्ध में नगर आयुक्त ने निर्देश दिये कि सर्वप्रथम इसकी अनापत्ति दो-तीन दिन में प्राप्त कर लिया जाये। जो भी पेड़-पौधे काटे जाएं, उसकी जगह मेट्रो 10 गुना अधिक पौधे लगाये जाने के लिये स्थल का चयन करे और तत्काल अवगत कराये। बैठक में मुख्य अभियंता मार्गप्रकाश आरके पाल व जोनल अधिकारी मौजूद रहे।

बिल्डिंग में मिला वृद्ध का खून से सना शव

कानपुर। रावतपुर थानाक्षेत्र के लखनपुर इलाके में दिवंगत आईपीएस की बिल्डिंग में एक वृद्ध सफाई कर्मी का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बिल्डिंग में अलग-अलग कंपनियों के ऑफिस हैं। वृद्ध उन ऑफिसों में साफ-सफाई का काम करता था। रविवार होने के कारण ऑफिस बंद थे, सोमवार को दुर्गंध उठी तो लोगों को जानकारी हुई।

लखनपुर निवासी राहुल मिश्रा ने पुलिस को बताया कि उनका गुरुदेव मेट्रो स्टेशन के पीछे बने दिवगंत आईपीएस आरके मिश्रा के मकान में ऑफिस है। बिल्डिंग में कई ऑफिस बने हैं। दिवंगत आईपीएस का परिवार बिल्डिंग के आगे के भाग में रहता है। राहुल के अनुसार सोमवार सुबह जब वह अपने ऑफिस आए तो दुर्गंध आ रही थी।

ऊपरी मंजिल पर गए जहां सर्विस क्वार्टर के पास कमरे और बाथरूम के बीच नवाबगंज परमियापुरवा निवासी 60 वर्षीय सफाई कर्मी मोहनलाल का शव पड़ा था। सफाई कर्मी के सिर पर चोट दिखी, काफी खून फर्श पर जमा था। उन्होंने बताया कि वृद्ध क्षेत्र में कई मकानों में सफाई का काम करता था और शराब का लती था। इस संबंध में रावतपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

हेल्थ जोन बच्चेदानी में रसौली होने से बढ़ गया था महिला का पेट, सब समझ रहे थे गर्भवती

बच्चा समझ जिसे पेट में पालती रही, वो निकली रसौली

टीम के साथ ऑपरेशन करतीं डॉ. रेनू गुप्ता। अमृत विचार

- हैलट अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला हुई स्वस्थ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक महिला गर्भवती होने की संभावना में पेट में रसौली को बच्चा समझकर पालती रही। रसौली से महिला के पेट का आकार भी बढ़ गया जिससे परिजन भी उसे गर्भवती समझते रहे। दर्द को गर्भावस्था का दर्द समझकर नजरअंदाज करते रहे। परेशानी बढ़ने पर महिला हैलट के जच्चा-बच्चा अस्पताल पहुंची तो जांच में बच्चेदानी में फुटबॉल के आकार की रसौली पता चली, जिसे ऑपरेशन कर बाहर निकाला गया।

शुक्लागंज निवासी 32 वर्षीय महिला ने बताया कि करीब एक साल पहले पेट में दर्द की समस्या शुरू हुई थी। पेट में भारीपन होने लगा। पेट का आकार भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा था।

वह खुद को गर्भवती मानकर पूरी देखरेख करती रही। लेकिन गर्भकाल का समय बीतने के बाद भी पेट का आकार और दर्द बढ़ता रहा तो शुक्लागंज में कई अस्पतालों में इलाज व जांच कराई, लेकिन आराम नहीं मिला। हालत अधिक खराब होने पर परिजन उसे 14 मई को मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग लेकर पहुंचे। यहां पर डॉ.रेनू गुप्ता ने महिला को भर्ती कर कुछ जांचें कराईं तो रसौली का पता चला। डॉ. रेनू गुप्ता ने 17 मई को डॉ.पाविका लाल, डॉ.गरिमा गुप्ता, डॉ.करिश्मा, डॉ.स्वप्निल, डॉ.आयुषी, डॉ.विनिका, डॉ.अपूर्व के साथ ऑपरेशन किया। डॉ.रेनू गुप्ता ने बताया कि महिला की बच्चेदानी से फुटबॉल के आकार की रसौली निकाली गई। बच्चेदानी में रसौली होने की वजह से मरीज की किडनी पर भी असर पड़ने लगा था। टीम में शामिल डॉक्टरों ने मरीज के लिए ब्लड की व्यवस्था अपने स्तर से की। महिला ने डॉक्टरों का शुक्रिया अदा किया और उसे एक हफ्ते में छुट्टी भी मिल गई।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) **Indian Bank** (A Govt. of India Undertaking)

इलाहाबाद ALLAHABAD

अंचल कार्यालय : तिंदवारी रोड, सेंट मैरी स्कूल के पास, बांदा, (उ. प्र.)– 210001

परिशिष्ट IV प्रतिभूति हित प्रर्वतन नियम 2002 के नियम 8(1) के अन्तर्गत

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरी द्वारा सिक्योरिटाइजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाइनेन्शियल एसेट्स एण्ड इफोरसमेंट आफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट के अंतर्गत इंडियन बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में सिक्योरिटी इंटरेस्ट (इंफोरसमेन्ट) रूल्स 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए ऋणी को तिथि नीचे दी गई को डिमांड नोटिस जारी किया गया था जिसमें आगे यह कहा गया था कि उक्त नोटिस की प्राप्ति के 60 दिनो के भीतर बकाया ऋण राशि चुकता कर दी जाए। ऋणी द्वारा बकाया ऋण राशि चुकता न करने पर एतदद्वारा ऋणी एवं जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त नियम के नियम 8 के साथ पठित उपर्युक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित संपतियों का कब्जा ले लिया है। ऋणी को विशेष रूप से और जनसाधारण को सामान्य तौर पर सचेत किया जाता है कि इन संपतियों का सौदा न करें। इन संपतियों के बारे में किसी भी प्रकार का सौदा नीचे उल्लिखित राशि और ब्याज के लिए इंडियन बैंक (ई–इलाहाबाद बैंक), के प्रभार के अधीन होगा।

साथ ही ऋणी का ध्यान अधिनियम की धारा 13(8) की तरफ आकर्षित किया जाता है जो प्रतिभूति सम्पत्ति के मोचन के लिये उपलब्ध समय से सम्बन्धित है।

क्र. सं.	ऋणी/बंधककर्ता/जमानतकर्ता नाम व पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण (समस्त प्रकार की सम्पत्तियाँ)	डिमांड नोटिस की तिथि तक बकाया राशि कब्जा तिथि तक बकाया राशि
	शाखा: पनवाड़ी, जिला महोबा, मो. नं. 7752951337		
1.	**ऋणी:** मेसर्स आनंद ब्रदर्स **प्रोपराइटर:** विनोद कुमार पुत्र श्री टेक चंद्र **नवासी: मुख्य बाजार** पोस्ट पनवारी, तहसील कुलपहाड़ महोबा (उ.प्र.) **बधंककर्ता:** श्री राजेंद्र कुमार **निवासी:** मोहल्ला अल्लीपुरा मौजा व पोस्ट पनवारी, तहसील कुलपहाड़ महोबा (उ.प्र.) डिमांड नोटिस तिथि: 30.09.2020	सम्पत्ति, जो राजेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय टेक चंद्र के नाम पर है। जो मोहल्ला अल्लीपुरा मौजा एवं पोस्ट पनवाड़ी तहसील कुलपहाड़ महोबा (उ.प्र.) पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 735 वर्ग फिट (सेल डीड के अनुसार, सब–रजिस्ट्रार ऑफिस, दिनांक 18.01.2005 कुलपहाड़ मे पंजीकृत है।, बही संख्या 1, खण्ड संख्या 90, पेज संख्या 265 से 278, डीड संख्या 36) चौहद्दी: पूर्व: घासी राम का प्लॉट, पश्चिम: सार्वजनिक कच्चा रोड, उत्तर: भगवान दास सोनी का प्लॉट, दक्षिण: श्रीमती राम श्री का मकान,	**30.09.2020 रू. 7,69,384.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय** 16.05.2024 रू. 7,69,384.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय
2.	**ऋणी:** मेसर्स हमीदिया इस्लामिया स्कूल **पता:** पनवारी तहसील कुलपहाड़ जिला महोबा (उ.प्र.) **प्रोपराइटर एवं बधंककर्ता:** श्री सैयद मोहम्मद नईम **निवासी:** काजीपुरा तालाब, ग्राम व पोस्ट पनवाड़ी, परगना व तहसील कुलपहाड़, जिला महोबा (उ.प्र.) डिमांड नोटिस तिथि: 27.01.2020	1) सम्पत्ति, जो हमीदिया इस्लामिया कॉलेज/स्कूल के नाम पर है। और प्रबंधक श्री मोहम्मद नईम पुत्र श्री अब्दुल हकीम के माध्यम से बधंक है। जो गाटा सं. 401 मौजा पनवाड़ी तहसील कुलपहाड़ महोबा (उ.प्र.) पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 0.291 हे.) (सेल डीड के अनुसार, सब–रजिस्ट्रार ऑफिस, दिनांक 09.09.2005 कुलपहाड़ मे पंजीकृत है।, बही संख्या 17, खण्ड संख्या 661, पेज संख्या 323 से 344, डीड संख्या 4308) चौहद्दी: पूर्व: श्री मोहम्मद जलील एवं श्री ऐजाज अली की संपत्ति, पश्चिम: मोहम्मद उस्मान की संपत्ति, उत्तर: सेक्टर की सड़क गाटा संख्या 406, मोहम्मद हबीब , दक्षिण: तालाब के पार, 2) सम्पत्ति, जो श्री सैयद मोहम्मद नईम पुत्र श्री अब्दुल हकीम के नाम पर है। जो गाटा सं. 379 मौजा पनवाड़ी तहसील कुलपहाड़ महोबा (उ.प्र.) पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 419 वर्ग मीटर (सेल डीड के अनुसार, सब–रजिस्ट्रार ऑफिस, दिनांक 23.06.2014 कुलपहाड़ मे पंजीकृत है।, बही संख्या 14, खण्ड संख्या 1539, पेज संख्या 195 से 2140, डीड संख्या 3628) चौहद्दी: पूर्व: मोहम्मद नईम का खेत, पश्चिम: अन्य का खेत, उत्तर: जरवा पनवाड़ी लिंक रोड, दक्षिण: श्रीमती कमला का खेत,	**27.01.2020 रू. 20,24,794.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय** 16.05.2024 रू. 20,24,794.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय
	शाखा: बिंदकी, जिला फतेहपुर, मो. नं. 9415477844		
3.	**ऋणी एवं बंधककर्ता:** श्री राम नारायण पुत्र गंगा प्रसाद, **पता:** अरईपुर खजुहा अरईपुर फतेहपुर, खजुहा उ.प्र. – 212657 **गारंटर:** श्रीमती उर्मिला देवी, पत्नी श्री राम नारायण घेरवा, **पता:** अरईपुर खजुहा अरईपुर फतेहपुर, खजुहा उ.प्र. – 212657 डिमांड नोटिस तिथि: 28.02.2024	आवासीय मकान, जो गाटा संख्या 384 अरईपुर परगना कोरा, तहसील बिंदकी, जिला। फतेहपुर, उत्तर प्रदेश पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 162 वर्ग मी. चौहद्दी: पूर्व: लखन लाल का मकान, पश्चिम: राम खेलवान का खेत, उत्तर: खरंजा 6 फीट फिर तालाब, दक्षिण: गंगा राम का खेत,	**28.02.2024 रू. 13,83,785.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय** 16.05.2024 रू. 13,83,785.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय
4.	**ऋणी:** रियासत हुसैन पुत्र इकबाल, **पता:** 134, कजियाना, बिंदकी, फतेहपुर गारंटर: सयादा खातून पत्नी रियासत हुसैन, निवासी सराय कजियाना, बिंदकी, फतेहपुर –212635 डिमांड नोटिस तिथि: 17.01.2024	एक आवासीय प्लॉट आराजी संख्या 301, खाता सं. 00012, हरतपुर बाहर क्षेत्र, परगना एवं तहसील बिंदकी, जिला–फतेहपुर पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 123.69 वर्ग मी. चौहद्दी: पूर्व: कच्चा रास्ता 13 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम: असलम एवं आसीन की भूमि, उत्तर: रामदत्त की भूमि, दक्षिण: अहतशाम की भूमि,	**17.01.2024 रू. 14,74,012.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय** 16.05.2024 रू. 14,74,012.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय
	शाखा: चिल्ला, जिला बांदा, मो. नं. 9793764097		
5.	1. रामविजय अवस्थी पुत्र रामदेव अवस्थी, ग्राम एवं पोस्ट–पदारथपुर, चिल्ला, बांदा (ऋणी एवं बंधककर्ता) 2. सुधा अवस्थी पत्नी रामविजय अवस्थी, ग्रामपोस्ट – पदारथपुर, चिल्ला, बांदा (बंधककर्ता) 3. राकेश कुमार साहू पुत्र राम बहोरी, ग्रामपोस्ट–चिल्ला, बांदा (गारंटर) 4. मनोज कुमार तिवारी पुत्र तुलसीदास, निवासी–मवई बुजुर्ग, कटाई मिल के पास, सेकुल कुवां, बांदा, निवासी हिम्मतपुर, तहसील–बिन्दकी, फतेहपुर डिमांड नोटिस तिथि: 20.02.2024	एक आवासीय प्लॉट, जो आराजी संख्या 5350 मौजा– मवई बुजुर्ग (कटाई मिल के पास), बांदा पर स्थित है। कुल क्षेत्रफल: 122.91 वर्ग मी. और जो राम विजय अवस्थी पुत्र स्वर्गीय रामदेव अवस्थी के नाम पर है। चौहद्दी: पूर्व: 5.50 मीटर सड़क, पश्चिम: विक्रेता की भूमि, उत्तर: श्री अनुराग गुप्ता का प्लॉट, दक्षिण: श्री विजय यादव का प्लॉट,	**20.02.2024 रू. 17,28,368.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय** 16.05.2024 रू. 17,28,368.00 + ब्याज एवं अन्य व्यय

दिनांक: 22.05.2024 स्थान: महोबा, बांदा, फतेहपुर प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के साथ सीसीटीवी की निगरानी में ईवीएम

बैरिकेडिंग और सुरक्षा जवानों की तैनाती, 24 घंटे मजिस्ट्रेट भी किए गए तैनात

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। 49 लोकसभा संसदीय क्षेत्र का मतदान 20 मई को सम्पन्न हो गया है। ढकौली स्थित मंडी समिति में बने स्ट्रांग रूम में ईवीएम को सुरक्षित रखवा दिया गया है। ईवीएम की सुरक्षा में पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स के साथ सीसीटीवी के साए में हो रही है।

यहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिसमें बैरिकेडिंग, फायर सेफ्टी और सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बलों की क्रमवार ड्यूटी लगाई गई है। स्ट्रांग रूम की ओर किसी को भी आने-जाने की इजाजत नहीं है। सबकी निगाहें शहर के मंडी समिति में बने स्ट्रांग रूम पर भी लगी हैं। यहां कड़े सुरक्षा इंतजाम के बावजूद प्रत्याशी किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका को दिमाग से नहीं निकाल पा रहे हैं।

मंडी स्थित स्ट्रांग रूम के बाहर की बैरिकेडिंग। अमृत विचार

प्रवेश द्वार पर बैरिकेडिंग

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। प्रवेश द्वार से करीब 500 मीटर दूर बैरियर लगवा दिया गया तो प्रमुख एंट्री पर भी बैरियर लगाकर सुरक्षा चाक चौबंद है। इसके चलते मंगलवार को स्ट्रांग रूम के आसपास आवागमन पूरी तरह निरुद्ध हो गया। उधर, सीसीटीवी के अलावा ड्रोन से भी जरूरत पड़ने पर नजर रखी जा रही है। थाना पुलिस के अलावा एएसपी खुद मॉनिटरिंग कर रहे है।

13 दिन बाद हटेगी आचार संहिता फिर हो सकेंगे लटके विकास कार्य

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव को लेकर लगी आचार सहिंता के मद्देनजर अभी 13 दिन नए कार्यो पर और रोक रहेगी। विकास का पहिया घुमाने के लिए नगरीय निकायों को अभी दो हफ़्ते का इंतिजार और करना पड़ेगा। 4 जून को मतगणना बाद रोक हटेगी तो टेंडर, बजट मुहैय्या कराने के लिए विभागाध्यक्ष जुटेंगे। इसकी तैयारी अभी से शुरू है। बजट के अनुरूप नए विकास कार्यो को धरातल पर उतारने के लिए सूची तैयार हो रही है। कौन से कार्य प्राथमिकता में रखें जाएंगे, इसे लेकर विचार चल रहा है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तीन अप्रैल को लगाई गई आचार संहिता 4 जून को हटेगी। इसके

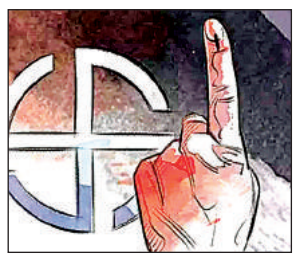
● तीन अप्रैल को लगी थी आचार संहिता, तब से ठप थे सारे काम

पहले ही विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। सदर नगर पालिका में स्ट्रीट लाइट, सड़क, पेयजल, व्यवस्था के मद्देनजर कार्ययोजना तैयार हो रही है। मौखिक आदेश के आधार पर सूची भी बनने लगी है। शहर की जिन गलियों की टेंडर प्रक्रिया अधूरी रह गई थी, उन सभी कार्यो को गति मिल सकेगी। ऐसे ही अन्य विभागों के जवाबदेह बताते हैं कि आचार संहिता हटने के बाद आगे के विकास कार्य शुरू हो सकेंगे। अभी तक आचार सहिंता के चलते कई कार्य पटरी पर नहीं आ सके।

कई परिवारों को आचार संहिता हटने का इंतजार

चुनाव से पहले विकसित भारत यात्रा में लोगों की सर्वाधिक पसंदीदा पीएम आवास योजना रही थी। इसमें तकरीबन दो सैकड़ा से अधिक लोगों ने आवेदन कर डालें। इसके कुछ दिनों बाद आचार संहिता लागू हो गई और प्रक्रिया थम गई। इसके अलावा पहली किस्त भी सैकड़ों आवेदकों को नहीं मिल सकी। इन सभी परिवारों को बेसब्री से इंतजार है कि आचार संहिता हटे और उनके आवेदनों की प्रक्रिया आगे बढ़े।

एंबुलेंस व ट्रैक्टर की भिड़ंत में दो लोग घायल

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के अल्लीपुर एनएच-2 में मंगलवार की सुबह ट्रैक्टर व प्राइवेट एंबुलेंस की भिड़ंत में चालक सहित दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

दिल्ली के गाजीपुर निवासी सुभाषचंद्र का 28 वर्षीय पुत्र विकास अपने साथी राम सिंह (35) पुत्र रवीश चंद्र के साथ दिल्ली से प्राइवेट एंबुलेंस में शव लेकर मिर्जापुर जनपद छोड़ने गए थे। बताते हैं कि वापस लौटते समय मंगलवार की सुबह जैसे ही ये लोग अल्लीपुर एनएच-2 पर पहुंचे कि सामने से आ रहे ट्रैक्टर से एंबुलेंस टकरा गई जिससे दोनों घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

तेज धूप व गर्म हवाओं के थपेड़े कर रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। कई दिनों से भारी तापमान के बीच सोमवार की रात धूल भरी आंधी चली। जिससे मौसम में कुछ नरमी आई। हालांकि मंगलवार की सुबह तेज धूप भी रही और धूल के गुबार लोगों को परेशान किया। मई के दूसरे पखवारे में पड़ रही अत्यधिक गर्मी का कहर बढ़ता ही जा रहा है। आसमान में दहकते सूरज की तपन व गर्म हवा के थपेड़ों से लोगों के साथ ही पशु-पक्षी भी बेहाल रहे। जबकि घरों में भी बिजली की कटौती व लो-वोल्टेज के चलते पंखे-कूलर शो-पीस बने रहने से लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल सकी।

मंगलवार की सुबह तेज धूप खिली। सोमवार की रात धूल भरी हवाएं चलने से लोगों को लगा कि शायद मौसम में परिवर्तन होगा और गर्मी से कुछ राहत मिल सकेगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मंगलवार को सुबह तेज हवा के साथ धूप भी खिली रही। तेज धूप व गर्म हवाएं राहगीरों को झुलसाती

तेज धूप में इस तरह निकलीं छात्राएं। अमृत विचार

● गर्मी के साथ बिजली की हो रही अघोषित कटौती

रहीं। वहीं रात में उमस भरी गर्मी से लोगों की नींद तक पूरी नहीं हो पा रही है। गर्मी के साथ बिजली की अघोषित कटौती व लो वोल्टज की समस्या लोगों की मुसीबत का सबब बनी है। गर्मी के बीच बिजली गुल रहने व लो वोल्टेज के चलते पंखे व कूलर शो पीस बन गए। गर्मी के साथ मच्छरों के हमलों की वजह से लोगों की नींद में खलल पड़ रहा है। सुबह धूप निकलने के साथ ही मौसम तल्ख हो गया। दस बजे के बाद चिलचिलाती धूप की वजह से असामान से आग बरसती महसूस हुई। दोपहर में पारा 42 डिग्री तो न्यूनतम पारा 30 डिग्री दर्ज किया गया। करीब छह किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली गर्म उत्तर-पश्चिमी हवाएं राहगीरों को झुलसाती रहीं। तेज धूप व गर्मी से परेशान लोग पेड़ों की छाया में सुस्ताते दिखे। जबकि तेज धूप में सूख रहे गले को तर करने के लिए राहगीर वाटर कूलरों व हैंडपंपों पर भीड़ लगी रही। इस दौरान गन्ने के रस, ठंडे पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक आदि से राहत पाते देखे गए।

मतदान के बाद समर्थकों के साथ गुणा-भाग में जुटे प्रत्याशी

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद अब प्रत्याशी हार और जीत का आंकड़ा लगा रहे हैं। धुरंधर गणित बैठाने में जुटे हैं। अपने प्रत्याशी की जीत को सुनिश्चित मानते हुए रणनीतिकार जीत के आंकड़े गिन रहे हैं। चुनाव में एक-एक वोट के लिए भागमभाग करने वाले प्रत्याशियों के चेहरे की हवाइयां उड़ी हैं।

वह मतपेटिकाओं में बंद किस्मत के खुलने के इंतजार में है। मंगलवार को चुनावी जंग में जीत का दावा करने वाले प्रत्याशियों के आवासों पर खासमखास और पार्टी से जुड़े लोगों का जमावड़ा था। सभी प्रत्याशी को जीत के आंकड़े गिना रहे थे। जोश में कार्यकर्ता दावत की बात करते तो प्रत्याशी थोड़ा इंतजार करने को कहते। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल अपने पार्टी कार्यालय पर समर्थकों के साथ जीत-हार के आंकड़े लगाते दिखे।

बसपा कार्यालय में दिखी खामोशी। अमृत विचार

मंदिरों में पूजा अर्चना

लोकसभा चुनाव 2024 में फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र में ताल ठोंकने वाले 15 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 4 जून को होगा। इस दिन को शुभ बनाने के लिए सभी प्रत्याशी तरह तरह के जतन कर रहे हैं। कोई मंदिरों में पूजा अर्चना में लगा है तो कोई अपने समर्थक एवं इष्ट मित्रों से चुनाव के दौरान घटे वाकये एवं अपनी जीत के आंकड़ों में सिर खपा रहा है।

हर तरफ चुनावी चर्चा

शहर की बात करें तो मंगलवार की सुबह लोग मार्निंग वॉक पर टहलने आए। इस दौरान वह चुनावी चर्चा करते दिखे। यहां किसी ने भाजपा की जीत का दावा किया तो किसी ने सपा को जीता बताया। वहीं मतदान के कम प्रतिशत को लेकर भी चर्चा रही। लोगों का कहना था शहर का कम मतदान खेल बिगाड़ सकता है। इस दौरान बुजुर्ग बोल उठे कि लोगों में उत्साह नहीं दिखा। इसके कारण मतदान का प्रतिशत कम रहा। चुनावी चर्चा में व्यस्त लोग अपने विचार रख रहे थे। लोगों ने कहा की कुछ भी हो मुकाबला भाजपा व सपा प्रत्याशी में है। निर्णय 4 जून को होगा।

कार्यालय में चर्चा करते सपाई। अमृत विचार

चाय के साथ थकान उतारते भाजपाई। अमृत विचार

चुनाव ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मी की बिगड़ी हालत, मौत

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान अचानक तबियत बिगड़ जाने पर सफाई कर्मी को उपचार के लिए सीएचसी से इलाहाबाद ले जा रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

खागा कोतवाली के बच्चा का पुरवा मजरे कटोघन गांव निवासी बेटू प्रसाद का 35 वर्षीय पुत्र सुरेंद्र कुमार की लोकसभा चुनाव में हजरतपुर बिंदकी में ड्यूटी लगी थी। इसी दौरान अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई। पीठासीन अधिकारी ने सूचना सेक्टर मजिस्ट्रेट को देते हुए सफाई कर्मी को सीएचसी ले गए। हालत न ठीक होने पर उसे इलाहाबाद रेफर कर दिया। रास्ते में मौत हो गई।

घटतौली का शिकार हो रहे ग्राहक, माप-तौल विभाग बेखबर

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

● वर्षों पुराने बाट से उपभोक्ता को ठगा जा रहा
● विभागीय उदासीनता के कारण दुकानदारों के हौसले बुलंद

अमृत विचार। बाट से माप में घटतौली का खेल खूब हो रहा है। इससे उपभोक्ता ठगा जा रहा है। सब्जी, फल, गल्ला, चक्की स्पेलर, भाड़ चना, मीट मछली के दुकानदार सर्वाधिक बाट वाले तराजू का प्रयोग करते हैं। इसमें बांट माप विभाग की उदासीनता से खेल हो रहा है।

शहर से लेकर ग्रामीणांचलों में उपभोक्ताओं को कई खाद्य पदार्थ के दुकानदार तौल में खूब चूना लगा रहे हैं। इससे खूब घटतौली हो रही है। सबसे ज्यादा उपभोक्ताओं को घटतौली का सामना बांट से होने वाली तौल को लेकर की जा रही है। अभी भी कई ऐसे खाद्य पदार्थों की दुकाने है जो तराजू व बांट का प्रयोग करते हैं। इससे उपभोक्ताओं को कम मात्रा में चीजे मिलती है। इससे उपभोक्ता अंजान है लेकिन जब कोई जागरूक उपभोक्ता इलेक्ट्रानिक कांटे से दूसरी जगह तौल कराता है तो उसे ठगे होने का एहसास होता है।

इस पर दुकानदार तौल को लेकर उपभोक्ता से विवाद भी करते हैं। यदि देखा जाए तो बांट से सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता, गल्ला, चक्की वाले, भाड़ चने, मीट मछली वाले दुकानदार सर्वाधिक तौल करते हैं। इसके अलावा कुछ परचून दुकानदार भी बांट से तौल कर सामान देते हैं। बताया जाता है कि इस घटतौली का खेल करने वाले बांट के पीछे के भाग में लगे लोहे को निकाल लेते हैं और फिर उनका अनवरत घटतौली का खेल चलता रहता है। दाम पूरे लेने के बाद भी वह चीजों को कम तौलते हैं। यदि देखा जाए यह लोग एक किलो को नौ सौ ग्राम, आधा किलो को साढ़े चार सौ ग्राम या चार ग्राम तक तौलते हैं। बड़े बांट में तो यह अच्छी खासी घटतौली करते हैं। उपभोक्ताताओं का सवाल है कि आखिरकार लंबे समय से क्षेत्र में बांट माप अधिकारी क्यों नहीं दिखते है। वह सिर्फ खानी पूरी कर चले जाते हैं। ऐसे दुकानदारों के बांट में काफी समय से मोहर भी नहीं लगी है। प्रत्येक बांट माप का प्रतिवर्ष विभाग की ओर से सत्यापन कर मोहर लगाई जाती है।

-उपभोक्ताओं की जुबानी-

बाट से होने वाली तौल अब पारदर्शी नहीं रही है। चाहे चक्की हो या फिर अन्य दुकानदार। घटतौली खूब हो रही है। लेकिन बांट मांप विभाग कतई गम्भीर नहीं दिख रहा है। कभी निरीक्षण ही नहीं किया जाता है।

-नीरज मिश्रा

इलेक्ट्रानिक कांटे में फिर भी तौल में गनीमत है लेकिन बांट से तौल करने वाले कम ही तौलते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए ताकि उपभोक्ता न ठगे जाए। इसके लिए विभाग जिम्मेदार है।

-राहुल कुमार

सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता, गल्ला दुकानदार, चक्की वाले, भाड़ चने वालों के यहां बांटे सही तौल होती है। वहां इलेक्ट्रानिक कांटा कम ही देखने को मिलेगा। इन बांटों से घटतौली की जाती है।

- धनंजय यादव

बांट माप विभाग को उपभोक्ता के हित में कार्य करना चाहिए लेकिन पिछले कई साल से देख रहे हैं कि वह कभी नाप तौल की चेकिंग करने नहीं आते हैं। जिससे दुकानदारों के हौसले बुलंद हैं।

-संतोष कुमार

संदिग्ध हालत में नाली में पड़ा मिला युवक का शव

संवाददाता, खागा

● शरीर का आधा हिस्सा ई-रिक्शे व चेहरा नाली में था

अमृत विचार। एक ई-रिक्शा चालक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव नाली में पड़ा मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शराब पीकर रात में वह ई-रिक्शा से घूम रहा था। कोतवाली पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह मालूम होगी।

खागा कोतवाली क्षेत्र के कस्बे के अंबेडकर पार्क के पास के रहने वाले सुनील कुमार पुत्र ऊदल ई-रिक्शा चालक था। जिसका शव नाली में पड़ा देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा तो मृतक का पैर ई-रिक्शा पर और सिर नाली में पड़ा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय राकेश ने बताया कि रात में शराब पीकर ई-रिक्शा लेकर घूम रहा था हो सकता है कि नशे में ई-रिक्शा गिरने से उसकी मौत हुई हो। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शव नाली में पड़ा था।

सीधा मुकाबला ग्राउंड-जीरो की रिपोर्ट बढ़ा रही भाजपाइयों की बेचैनी, मतदात प्रतिशत को लेकर बहस

भाजपा के परंपरागत मतों में भी सेंधमारी की अटकलें तेज

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। जोर-अजमाइस के साथ सोमवार को लोकसभा का मतदान सम्पन्न हो गया। भीषण गर्मी के बीच 56.90 फ़ीसदी हुए मतदान को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मायने निकाल रहे हैं। लेकिन जिस तरह से मतों के ध्रुवीकरण के अलावा मतदाताओं ने अपने नए-नए ठिकाने खोज निकाले, वह जरा चौंकाने वाले हैं। ग्राउंड जीरो की आई रिपोर्ट कुछ ऐसी है कि भाजपाइयों के चेहरे पर सिकन आ गई है।

फतेहपुर में चुनाव भाजपा प्रत्याशी एवं गठबंधन प्रत्याशी के बीच सीधे-सीधे तौर पर रहा। बसपा तो अपने मतों को बचाकर रखने की जुगत में ही लगी रही। सपा प्रत्याशी की घेरे बंदी को लेकर भाजपा के बड़े नेताओं का डेरा रहा और योगी-मोदी के जरिए भी कार्यकर्ताओं में जोश और जुनून पैदा करने की कोशिश रही लेकिन जिसकी उम्मीद थी वह करिश्मा और जादू नहीं दिखा।

चुप्पी के साथ वोटरों ने की वोट की चोट

- पांचवें चरण में फतेहपुर लोकसभा के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के बाद अब जीत-हार की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक दल व नेता मतदाताओं के बीच हसीन सपने दिखा वोट की अपील करते रहे लेकिन मतदान का दिन जब आया तो मतदाताओं ने किया वही जो उन्होंने ठान कर रखा था। मुकाबला यहां सीधे-सीधे भाजपा व गठबंधन के प्रत्याशी के बीच आमने-सामने आकर खड़ा हो गया।

मतों का हुआ ध्रुवीकरण

- वोटों की कांट-छांट, विभाजन, ध्रुवीकरण तथा पाला बदलने की खबरें अब मशीनों में पड़े वोटों तक सीमित नहीं रह गईं बल्कि ये आम हो गईं हैं। फिजाओं में मतों के ध्रुवीकरण की उड़ी यही हवाएं भाजपाइयों के टेंपरेचर को बढ़ाने का काम कर रही हैं। इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी के बड़े व कद्दावर नेताओं ने जनसभाओं, कार्यक्रमों में मंच पर बैठकर फोटो खिंचवाने का काम तो किया लेकिन बूथों तक मतदाता पूरी शिद्दत और निष्ठा के साथ भाजपा के लिए मतदान करने को जाएं उसकी जहमत नहीं उठाई।

चार जून को लगेगा अटकलों पर विराम

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो भाजपा के सितारे सातवें आसमान पर थे। उन्हें यह यकीन था कि राम पूरे देश में उनकी नैया के खेवन हार बन जाएंगे लेकिन पहले चरण से ही चुनावी फिजा ने जो करवट बदली वह पांचवें चरण तक आते-आते और तेज हो गई। जिन आशाओं एवं मंसूबों के साथ भाजपा चुनाव मैदान में उतरी थी उसमें अब तक उन्हें निराशा हाथ लगी है। पाकिस्तान, मुसलमान, सनातन, हिंदू मंगलसूत्र, संपत्ति बंटवारा, अकबर को भैंस दे देने जैसे मुद्दे व बतोलेबाजी को आम जनता के जेहन तक उतारने में भाजपा नाकाम रही और गठबंधन इन्हीं बातों को अपनी चुनावी सभा में उठाकर सीधे-सीधे जनता से जुड़ी समस्याओं, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, नौकरी एवं रोजी-रोटी की बात करती रही। आरक्षण के मुद्दे ने भी दलित मतदाताओं के एक बड़े खेमें को उठाकर गठबंधन के पाले में जोड़ने का काम कर दिया। अब देखना यह है कि मतों के हुए कतरब्योंत, ध्रुवीकरण एवं मतदाताओं की पाला बदली क्या गुल खिलाती है? परिणाम 4 जून को सामने आएगा लेकिन जो फिजा में हवा है उसने भाजपाइयों की गर्मी को शांत करने की बजाय बढ़ा कर रख दिया है।

चुनाव में जातिवाद रहा हावी

मतदान के बाद जो खबर आ रही हैं उसमें 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के खेवन हार रहे क्षत्रिय, ब्राह्मण, कुर्मी, लोधी, पाल मौर्या, वैश्य, पासी, खटीक सहित अन्य दलित मतदाताओं ने मतदान वाले दिन खूब उछल कूद मचाई। भाजपा के एक बड़े वोट बैंक ने गठबंधन का प्रत्याशी बिरादरी के होने के चलते पहले ही किनारा कर लिया था। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के साथ बिरादरी के लोगों ने न केवल भरोसा जताया बल्कि हर तरह से चुनाव लड़वाया। दलित के अलावा लोधी, मौर्य, क्षत्रिय सहित ब्राह्मण मतदाता भी कुछ हद तक सेंधमारी कर अपना मन बदलता नजर आया।

अपने मतों को सहेजती रही बसपा

बहुजन समाज पार्टी तो अपने मतों को सहेज कर रखने तक में सीमित हो गई और हकीकत तो यह है कि विकास एवं मुद्दे के साथ बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, आरक्षण एवं नौकरी की बात लेकर आए गठबंधन ने दलित मतों में भी खूब सेंधमारी कर ली। ये खबरें जहां भारतीय जनता पार्टी को बेचैन कर रही हैं वहीं सपा को साइकिल से ही दिल्ली की राह आसानी से पा लेने की उम्मीद जगा रहीं हैं। परिणाम कुछ भी हो लेकिन जिस तरह से मतों में खूब खींचतान हुई है। वह भाजपा के लिए बड़े नुकसान के संकेत हैं और समाजवादी पार्टी ने मतों के विभाजन तथा मुस्लिम, यादव एवं कुर्मी मतदाताओं की एकजुटता के जरिए संसद की कुर्सी कब्जा करने की मंशा पाल ली है।

गठबंधन विकास एवं मुद्दों के साथ भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई रोजी-रोजगार को लेकर हमलावर रही और भाजपा नेताओं को निशाने पर रखा, जबकि भाजपा कभी पाकिस्तान, कभी मुसलमान, कभी हिंदू, कभी सनातन को खतरा, कभी मंदिर, कभी मंगलसूत्र, कभी भैंस की बातें कर चुनावी फिजा को बनाने की कोशिश में लगी रही लेकिन नेताओं की जनसभाएं वह जोश और जुनून कार्यकर्ताओं में पैदा नहीं कर पाईं जो 2014, 2019 के लोकसभा चुनाव में धूम मचाने वाली थीं।

प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

बर्ड फ्लू की आहट, निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां पूरी

झारखंड राज्य में बीमारी फैलने से बढ़ी सतर्कता, दूसरे विभागों को भी किया गया अलर्ट

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। पक्षियों में एवियन इंफ्लुएन्जा बर्डफ्लू बीमारी के सिलसिले में स्वास्थ्य विभाग कभी भी दिशा-निर्देश जारी कर सकता है। अन्य प्रांतों में फैल रही बीमारी के चलते स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। जिससे किसी भी आपातकाल स्थिति में इस बीमारी से लड़ा जा सके। अगर कहीं पर भी इस तरह का मामला मिलता है तो वहां घेराबंदी करके कई तरह की चीजों पर रोक लगाई जाएगी।

हालांकि पशु पालन विभाग, लोक निर्माण, सिंचाई, वन विभाग, पंचायती राज, राजस्व, स्वास्थ्य व पुलिस विभाग को उनके कार्यों के मुताबिक मौखिक निर्देश दिए गए हैं। सभी को अलर्ट रहने को कहा गया है। लोक निर्माण विभाग गड्ढा खोदने के साथ संक्रमित क्षेत्र की घेराबंदी कराएगा। वन विभाग वन क्षेत्र में जंगली माइग्रेटरी पक्षियों से सम्बन्धित सघन निगरानी कार्य योजना बनाएगा। पंचायती राज विभाग ब्लॉक स्तर पर विभाग से सम्बन्धित कर्मचारियों व स्वयं सेवी-संस्थाओं की बैठक आयोजित कर एवियन इन्फ्लूएन्जा के प्रभाव को कम करने के लिय तैयारी करने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। साथ ही संक्रमित क्षेत्र में नए पक्षियों को लाने व ले जाने पर प्रतिबंध जब तक उस क्षेत्र को विसंक्रमित घोषित न कर दिया जाए, गाड़े गए पक्षियों के गड्ढों की सुरक्षा करना, जन जागरूकता, संक्रमित क्षेत्र की घेराबंदी कराना पंचायती राज विभाग की जिम्मेदारी होगी।

विभाग को करना होगा सूचित

सिंचाई विभाग नहरों पर नजर रखते हुए कहीं एक साथ कई पक्षी मृत मिलने पर सम्बंधित विभाग को सूचित करेगा। स्वास्थ्य विभाग मेडिकल आरआरटी का गठन करने के साथ टीकाकरण सैनिटाइजेशन, नियंत्रण व रोकथाम से सम्बन्धित जागरूकता अभियान चलाएगा। मनुष्यों में एवियन इन्फ्लूएन्जा से प्रभावित लोगों के लिए प्रबंधन व जरूरत पड़ने पर पीपीई किट की व्यवस्था करानी होगी।

पुलिस को भी निभानी होगी जिम्मेदारी

पुलिस विभाग प्रतिबंधों को लागू कराने के साथ नियंत्रण एवं रोकथाम की कार्रवाई में कानून व्यवस्था बनाए रखने की अहम जिम्मेदारी निभाएगी। साथ ही बर्ड फ्लू से प्रभावित पड़ोसी प्रान्तों से पक्षियों व सम्बन्धित उत्पाद के आने पर रोक लगाएगी।

अलर्ट जारी करने का होगा यह आधार

बर्डफ्लू से जुड़ा मामला झारखण्ड राज्य के रांची जिले के राजकीय कुक्कुट फार्म में सामने आया है। झारखण्ड राज्य की सीमा यूपी के सोनभद्र जिले से मिलती है। इसलिए ऐहतियात के तौर पर सभी विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए जाने की तैयारी चल रही है। इसके साथ ही निर्देश दिए गए है कि कहीं पर भी पक्षियों में बीमारी की जानकारी मिले तो तत्काल मामले की जांच कराएं।

सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर चलाने पर रिपोर्ट

किशनपुर। थाना क्षेत्र के गुरुवल गांव में मतदान के दौरान सपा के पक्ष में मतदान बढ़ाने के लिए भ्रामकता फैलाने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

बताया जा रहा है कि 20 मई को हुए लोकसभा चुनाव के दौरान थाना क्षेत्र के गुरुवल गांव में दोपहर को अचानक से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुलिस द्वारा समाजवादी पार्टी के एजेंट बलराम यादव को उठाने की खबर लहराने लगी। उसके बाद जिले के बड़े अधिकारियों ने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर वायरल खबर की तहकीकात शुरू की। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल में वायरल खबर पूरी तरीके से निराधार निकली। इसके बाद पुलिस ने गुरुवल गांव निवासी सौरभ यादव व बलराम यादव के खिलाफ भ्रामक खबर फैलाने पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चौक में दुकानें लील गईं फुटपाथ

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

चौक बाजार में फुटपाथ पर सजी दुकान। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर के पॉश बाजार चौक में फुटपाथ तक सजने वाली दुकानें, लोगों के लिए परेशानियों का सबब बन रहा है। यातायात प्रभावित होने से हर घंटे जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे राहगीरों को जाम से दो-चार होना पड़ता है।

फुटपाथ तक दुकान से जब तब लगने वाले जाम की समस्या के बावजूद इसे खत्म करने के उपाय नहीं किए जा रहे हैं। नतीजा, फुटपाथ कब्जा कर दुकानदारी करने का शगल बढ़ता जा रहा है। पक्की दुकान के बावजूद फुटपाथ को अपने प्रोडेक्ट का शो रूम बनाने का खेल देखते बन रहा है। वहीं ई-रिक्शा का दखल भी नजरदांज नहीं किया जा सकता है।

इस समस्या से कोई भी बाजार अछूती नहीं रह सकी है। बात चाहे साउथ सिटी के देवीगंज बाजार की हो या फिर नार्थ सिटी के हरिहरगंज की बाजार। हरेक बाजार में फुटपाथ का समानांतर बाजार चलता नजर आ रहा है। दुकानदार, फुटपाथ को अपनी जागीर मानकर जिस तरह से सुबह से शाम तक जमावड़ा लगाए रहते नजर आ रहे हैं। उससे राह चलना दूभर हो गया है। चौक बाजार की यातायात सुगमता पर फुटपाथी दुकानदार ही सबसे ज्यादा अवरोध पैदा कर रहे हैं। शहर की सबसे प्रमुख बाजार में शुमार चौक की फुटपाथ पर कहीं जूता चप्पल की बिक्री करने वालों ने कब्जा कर रखा है तो कहीं पर होजरी वालों ने। हाल यह है कि इस परंपरा के तेजी से बढ़ने के कारण सीमेंटेड सड़क का स्वरूप सिकुड़ता जा रहा है।

हाल यह है कि इस बाजार का यातायात, दोपहर होते ही रेंगने लगता है। मंगलवार को भी यहां का ट्रैफिक सारा दिन लड़खड़ाता नजर आता है।

ई-रिक्शा भी कोढ़ में खाज

भीड़भाड़ वाली बाजारों के भीतर ई-रिक्शा की घुसपैठ से भी जाम की समस्या गहराती जा रही है। इलाके के संजय रस्तोगी कहते हैं कि फुटपाथ की दुकान से जाम लगता है लेकिन ई-रिक्शा वाले भी कम कसूरवार नहीं। इनकी वजह से सारा दिन यातायात पर असर देखने को मिलता है। यहीं के एक और दुकानदार भी मानते हैं कि फुटपाथ पर दुकानों के सजने से जितना यातायात प्रभावित हो रहा है उतना ही ई-रिक्शा की वजह से भी यह हालात पैदा हो रहे हैं।

आरटीईः बहाने से पैसे वसूल रहे स्कूल

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

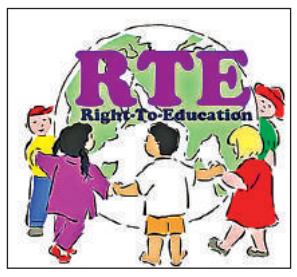

- गरीब बच्चों को निजी विद्यालयों में शिक्षा दिलाने की कवायद हो रही फेल

अमृत विचार। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) 2009 के तहत अलाभित एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा एक या फिर पूर्व प्राथमिक कक्षा में प्रवेश दिलाने के तीन चरण पूरे हो गए हैं। जिसमें पहले चरण में 303 और दूसरे चरण में 181 समेत कुल 483 समेत तीसरे चरण में 91 को स्कूल आवंटित कर दिया गया है। आवेदन का चौथा चरण अब शुरू होगा। निःशुल्क होने के बाद भी कई स्कूल संचालक बहाने बनाकर बच्चों के अभिभावकों से रुपये वसूल रहे हैं।

आरटीई के तहत गरीब बच्चों को भी निजी स्कूलों में पढ़ाई कराने के गरज से शासन छात्र-छात्राओं का इन विद्यालयों में निशुल्क प्रवेश दिलाती है। जिनकी फीस शासन अदा करती है। बावजूद इसके शहर क्षेत्र के ऐसे कई विद्यालय आरटीई के बच्चों से कभी परीक्षा फीस के नाम पर तो कभी टाई-बेल्ट के नाम पर रकम वसूल रहे हैं। यूं कहें कि शासन द्वारा इन बच्चों की फीस अदा करने के बाद भी स्कूल बच्चों की पढ़ाई पर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार के तहत प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराती है। नए शिक्षा सत्र में प्रवेश के लिए तीन चरण पूरे हो चुके हैं। जिसमें लाटरी के माध्यम बच्चों को स्कूल आवंटन किया जाता है। तीन चरणों में अभी तक 575 बच्चों को स्कूल आवंटित हुए हैं।

अभिभावकों को मिलता है पांच हजार रुपये

योजना के तहत आरटीई के तहत वाले बच्चों के अभिभावकों का शासन की ओर से पांच हजार रुपये कापी किताब एवं यूनीफार्म आदि के लिए देने की व्यवस्था है। हालांकि बीते वर्ष को छोड़कर तीन वर्षों से अभिभावकों का इसका लाभ नहीं मिल सका है। जिससे अभिभावकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि विद्यालयों को शासन की ओर से भुगतान किया जा चुका है।

> आरटीई के तहत स्कूल में दाखिला किए जाने वाले बच्चों से स्कूल फीस कतई नहीं वसूल सकते हैं। अभी तक किसी भी अभिभावक द्वारा ऐसी कोई शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलती है तो मान्यता प्रत्याहरण की कार्यवाही हो सकती है।
>
> -अखिलेश सिंह, जिला समन्वयक

बकेवर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मृत मिला मोर

बकेवर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बकेवर में मंगलवार को एक राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत अवस्था में पाया गया। दोपहर लगभग 2बजे मृत पड़े मोर पर फार्मासिस्ट विनोद कुमार की नजर पड़ते ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हड़कंप मच गया। फार्मासिस्ट विनोद कुमार ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। राष्ट्रीय पक्षी की मृत्यु की बात सुनकर थानाध्यक्ष योगेश कुमार सिंह, एसएसआई प्रभु नाथ यादव, एसएसआई गामा सिंह, एसएसआई रमेश कुमार राय मौके पर पहुंच कर राष्ट्रीय पक्षी मोर को कब्जे में लिया और वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग का कोई भी अफसर मौके वारदात पर नहीं पहुंचा। वन विभाग के दरोगा रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मोर के शव को कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया की जा रही है।

स्क्रुटनी के बाद आया अंतर मतदान 57.09 प्रतिशत

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

- महिलाओं से ज्यादा पुरुषों ने डाले वोट, पहले था 56.09 प्रतिशत

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के तहत जिले की लोकसभा सीट के वास्तविक आंकड़ों को जिला निर्वाचन अधिकारी सी. इंदुमती ने निर्वाचन आयोग को भेज दिया। 20 मई की शाम से 21 मई की दोपहर तक निर्वाचन कार्यों की टीम वोटिंग प्रतिशत के आंकड़ों में उलझी रही। हालांकि दोनों सीटों की स्क्रूटनी होने के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

लोकसभा सीट की स्क्रूटनी के बाद वास्तविक प्रतिशत 57.09 प्रतिशत हो गया। सोमवार को एक फीसदी कम 56.09 फीसदी रहा। 20 मई को वोटिंग के दौरान एमपीएस एप के माध्यम से पीठासीन अधिकारी अपने-अपने बूथों का वोट प्रतिशत भरते रहे। इस बीच बहुत से कामिर्कों को एप पर प्रतिशत भरने में दिक्कतें पेश आईं। कस्बों व गांव के पोलिंग बूथों पर ड्यूटी करने वाले कार्मिक नेटवर्क की वजह से फाइनल प्रतिशत रात तक भर पाए। पीठासीन अधिकारी के साथ सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेटों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र के वोटिंग आंकड़े भरे। इसके बाद छह विधानसभा के एआरओ ने वोटिंग प्रतिशत के फाइनल आंकड़े भरकर जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपे। कुल 19 लाख 38 हजार 563 मतों में सबसे अधिक पुरुष 5 लाख 77 हजार 964 ने वोट की चोट की तो वहीं 5 लाख 28 हजार 716 महिलाओं ने मतदान किया। मंगलवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संशोधित मतदान प्रतिशत जारी किया है।

सार-संक्षेप

घरेलू विवाद में युवती ने पी लिया जहरीला पदार्थ

बिंदकी। घरेलू विवाद के चलते 19 वर्षीय एक युवती ने घर के अंदर जहरीला पदार्थ पी लिया। युवती की हालत बिगड़ी तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि काफी देर से उपचार के बाद युवती की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस ले गए। नगर के मोहल्ला मीखपुर में घरेलू कलह के चलते शांति देवी पुत्री प्रेमचंद ने जहरीला पदार्थ पी लिया। जहरीला पदार्थ पीने के बाद युवती की हालत बिगड़ी तो परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत में सुधार होने पर परिजन वापस घर ले गए।

सड़क हादसों में ई-रिक्शा चालक समेत दो घायल

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के सरैला गांव निवासी राम प्रसाद का 30 वर्षीय पुत्र शिव पूजन ई-रिक्शा चालक है। बताते हैं कि आज सुबह वह भाड़ा लेकर मदरियापुर जा रहा था। जैसे ही वह गांव के समीप पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पलट जाने से दब गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी प्रकार जाफरगंज थाना क्षेत्र के बिंदौर गांव निवासी इंद्रपाल का 26 वर्षीय पुत्र अखिलेश बाइक से रिश्तेदारी में जा रहा था जैसे ही वह तपस्वीनगर के समीप पहुंचा तभी तेज रफ्तार आ रही चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। खखरेरू पुलिस ने कस्बा निवासी लल्लू उर्फ शिवसागर पुत्र भगवानदीन के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म, पाक्सो समेत कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी कर कोर्ट में पेश किया है।

प्रधानाध्यापक की उपचार के दौरान मौत

फतेहपुर। प्रयागराज जनपद के औद्योगिक नगर थाने के गांव पुरवा खास निवासी स्व. हरिश्चंद्र का पुत्र विष्णुचंद्र खागा कोतवाली के सुजानपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात थे। बीमारी के कारण सदर अस्पताल में मौत हो गई।

साधु बनकर पहुंचे युवकों ने महिला से की टप्पेबाजी

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

- डबल करने व घर को बचाने का दिया झांसा

अमृत विचार। साधू के भेष में पहुंचे दो युवकों ने चौडगरा कस्बे में एक महिला को बरगलाकर उसके साथ टप्पेबाजी की घटना को अंजाम दे दिया। रकम दोगुना और घर में किसी प्रकार की दुर्घटना न होने का झांसा देकर महिला से नगदी और जेवरात लेकर भाग निकले। मामले की तहरीर पीड़िता ने पुलिस को दी है।

कल्यानपुर थाना क्षेत्र के चौडगरा कस्बा निवासी मिथलेश कुमारी मंगलवार सुबह घर पर अकेली थी। उसी दौरान साधू के भेष में दो युवक पहुंचे और दरवाजा खटखटाकर महिला को बाहर बुलाया। महिला के बाहर निकलते ही घर में किसी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका जताते हुए उसे अपने झांसें में ले लिया। महिला ने उपाय पूछा तो उन्होंने कहा कि जितनी घर में नगदी है और जेवरात है उसे लेकर वह बाहर आ जाए। झाड़फूंक कर उसे दोगुना करेंगे और आने वाले समय में किसी प्रकार की कोई घर में दुर्घटना नहीं होगी। डरकर महिला ने एक रुमाल में तीन हजार रुपये की नगदी और एक अंगूठी रखकर उन्हें दे दी। फूंकते हुए दोनों युवकों ने रुमाल महिला को वापस कर दी। इस दौरान महिला अचेत भी हो गई। कुछ देर बाद होश में आने पर महिला ने रूमाल खोलकर देखा तो नगदी व अंगूठी नहीं थी। मामले की तहरीर पीड़िता ने पुलिस को दी है।

पति पर मारपीट का लगाया आरोप

बिंदकी, फतेहपुर। एक पीड़ित महिला कोतवाली पहुंची और पुलिस को तहरीर देकर शिकायत किया कि उसका पति उसे और उसके बच्चों उसके साथ मारपीट करता है, शराब पीता है, घर का अनाज बेंच डालता है और कोटे का अनाज भी बेंचकर शराब पी लेता है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के चकजहानपुर गांव की महिला मनोरमा देवी पत्नी सर्वेश कुमार मंगलवार को कोतवाली बिंदकी पहुंची। उसने पुलिस को एक तहरीर देकर शिकायत किया कि उसका पति सर्वेश कुमार शराब पीता है और अक्सर मारपीट करता है। साथ ही बच्चों को भी पीटता है। वही पीड़ित महिला मनोरमा देवी की शिकायत पर पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

करंट से मजदूर की गई जान, दो झुलसे

संवाददाता, फतेहपुर

- खेत में गोबर डालने गए मजदूर हादसे का शिकार
- हाईटेंशन लाइन से ट्रैक्टर में लग गई थी आग

अमृत विचार। खेत में गोबर डालने गए तीन मजदूर बुरी तरह से झुलस गए। कुछ ही देर में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो अन्य मजदूरों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार किया जा रहा है।

मलवा थाना क्षेत्र के सराय शाहजादा गांव निवासी विद्या चरण के खेत में हरिसिंहपुर निवासी राम बाबू रैदास पुत्र भिखारी, अशोक रैदास पुत्र कालीचरण और सराय शाहजादा निवासी राकेश यादव पुत्र राम आसरे टैक्टर से ट्राली में गोबर का खाद भरकर ले गया था। फावड़ा से खाद डाल रहा था। ट्राली हाइड्रोलिक से ऊपर उठी थी जिसके कारण फावड़ा ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में छू गया। इससे पूरे ट्रैक्टर ट्रॉली में बिजली करंट फैल गया। करंट से ट्रैक्टर में आग लग गई थी। जिसे फायर ब्रिगेड बुलाकर बुझाया गया। घटना में तीनों लोगो को बिजली का करेंट लग गया। राम बाबू की मौके पर ही मौत हो गई।

घायल अशोक को एम्बुलेंस से सीएचसी बिंदकी एवं राकेश को सदर अस्पताल भिजवाया गया। जहा पर दोनों का इलाज चल रहा है। मामले में एसडीओ विद्युत मलवां और एसडीएम सदर को भी सूचित किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में रिक्शा चालक की मौत

फतेहपुर। खागा कस्बे के अंबेडकर पार्क के समीप सोमवार की रात एक व्यक्ति का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से पास-पड़ोस में हड़कंप मच गया। मोहल्लेवासियों की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। खागा नगर पंचायत के अम्बेडकर पार्क के समीप स्थित मुहल्लावासी निवासी सुनील कुमार लगभग 35 वर्ष पुत्र ऊदल रिक्शा चालक था। जिसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक रिक्शा चलाकर अपना गुजर बसर करता था और एक कमरे में काफी समय से रहता था। कुछ दिन पूर्व मृतक की पत्नी के कहीं चले जाने के कारण बहुत खोजबीन किया लेकिन कोई पता न चल सकने के वजह से पत्नी के वियोग में धीरे-धीरे नशे का लती हो गया था। सोमवार की रात रोज की भांति रिक्शा चलाकर घर आया था और सुबह मुहल्लावासियों ने उसका शव देखकर हैरान हो गए। तभी पुलिस को सूचित कर दिया था। वहीं मुहल्लावासियों ने बताया कि रात्रि के समय जब रिक्शा लेकर कमरे आया हुआ था तो दो लोग और भी रिक्शा में बैठे हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बीएसएनएल की कभी बोलती थी तूती, आज पुरसाहाल नहीं

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। कभी अपनी सेवाओं के बलबूते बीएसएनएल का टेलीफोन युग और उसका कार्यालय अब सरकारी उदासीनता का शिकार है। विभाग के पास कहने को तो विशाल कार्यालय है लेकिन वह भूत बंगला नजर आने लगा है।

शासन की ओर से भले ही मेंटीनेंस के नाम पर हर वर्ष कागज़ों में धन मिला हो लेकिन विशाल भवन को देखकर वर्षों से रंगरोगन से दूर रहने का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। लोगों की माने तो वर्ष 1970-80 के दशक में टेलीफोन युग के परवान पर होने से विदेशों में रहने वाले नाते-रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने के लिए बीएसएनएल के एक अदद नए कनेक्शन लगवाने के लिये बड़े बड़े रसूखवाले विभाग के चक्कर लगाया करते थे। कनेक्शन हासिल करना आसान न होता था। यदि किसी माननीय की चिट्ठी मिल गयी तो भले ही छह माह में नंबर आ सकता था। बीएसएनएल का फोन रसूख का दिखावा करने का एक बड़ा माध्यम था।

मोबाइल बना स्टेटस सिंबल

समय बदला तो बीसवीं सदी के साथ मोबाइल के युग ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए। शहर मुख्यालय में बीएसएनएल के लगे टावर शहर की शान समझे जाने लगे थे। धीरे-धीरे ग़ांव तक पैर पसारने के बाद बीएसएनल ने एक्सल नाम से जो मोबाइल सेवा शुरू की और एक बार फिर से विभाग की शान बरकरार थी। चार मंजिल के बीएसएनएल कार्यालय का जलवा देखते ही बनता था। सुबह से लेकर शाम तक बिल जमा करने की लाइन होती थी।

मौसम में उतार-चढ़ाव भीषण गर्मी, उमस के बीच तापमान के बीमारियों में हुआ इजाफा

घर-घर फैल रहा वायरल बुखार, बच्चे सर्वाधिक पीड़ित

संवाददाता, फतेहपुर

जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। तापमान में इस कदर उतार चढ़ाव हो रहा है कि बुखार फैलाने वाले वायरस तेजी से बढ़ रहे हैं। हालत यह है कि जिला अस्पताल स्थित बाल रोग की ओपीडी में वायरल बुखार के मरीजों की संख्या सबसे अधिक हो गई है। जबकि पिछले हफ्ते तक सबसे अधिक मरीज डायरिया के आ रहे थे। डॉक्टर ऐसे मरीजों को स्वच्छ व ठंडे वातावरण में रहने तथा घर का ताजा खाने की सलाह दे रहे हैं।

जिला अस्पताल में वरिष्ठ फिजीशियन डा. एनके सक्सेना की ओपीडी में मंगलवार को 94 मरीज आए। जिसमें 32 मरीज वायरल बुखार के रहे। इसी के बगल स्थित एक अन्य फिजीशिएन की ओपीडी में 110 मरीज आए जिसमें 54 मरीज वायरल बुखार से पीड़ित थे। अस्पताल स्थित बाल रोग की ओपीडी में 129 मरीज आए। 38 वायरल बुखार से पीड़ित थे। डॉ. मूलचन्द्रा ने बताया कि तापमान में उतार-चढ़ाव होने से सुस्त पड़े वायरस को तेजी से सक्रिय कर देता है। इतना ही नहीं तापमान के उतार-चढ़ाव से संतुलन बनाने में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है।

> डायरिया के मरीजों की संख्या अब कम हो गई है लेकिन वायरल फीवर के मरीज काफी बढ़ गए हैं। इसलिए बच्चों को ठंडे स्थान पर रखने व सफाई पर अधिक ध्यान देना जरूरी बताया जा रहा है।
>
> -डॉ. मूलचन्द्रा, बाल रोग विशेषज्ञ

वायरल बुखार के कारण

- दूषित जल व भोजन
- प्रदूषित वायु में मौजूद कण शरीर में जाना
- कमजोर इम्युनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता)
- वायरल बुखार पीड़ित का सम्पर्क

यह हैं लक्षण

- नियमित अंतराल पर बुखार आना
- ठंड लगने के साथ बुखार आना
- ऐसा बुखार जो जल्द ठीक न हो रहा हो
- जोड़ों के पास दर्द होना
- चेहरे पर सूजन व उल्टी का मन करना

बचाव के उपाय

- हरी सब्जियों को अच्छी तरह उबाल कर खाएं
- पानी उबालकर पीएं
- पीड़ित मरीज के सम्पर्क से बचें
- साबुन से बार-बार हाथ धुलें
- इम्युनिटी मजबूत करने के लिए ताजा पौष्टिक खाना लें

मरीजों से भरे जिला अस्पताल के वार्ड

पखवारे भर पहले जिला अस्पताल में डायरिया के मरीज तेजी से बढ़े थे। बाल रोग में सभी वार्ड मरीजों से फुल हो गए थे। पिछले कुछ दिनों से डायरिया के मरीजों में कमी आई लेकिन वायरल बुखार के मरीज बढ़ गए। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मूलचन्द्रा ने बताया कि इस समय एक दिन में वायरल फीवर के 50 से 60 मरीज आ रहे हैं। जबकि डायरिया के मरीजों की संख्या इस समय 30 से 40 तक हो जा रही है।

दोआबा की सहायक नदियों में पानी नहीं, सूख रही जायद की फसल

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

- गिरते जलस्तर को लेकर किसानों में बेचैनी
- कई क्षेत्रों की सिंचाई नदियों के ही भरोसे

अमृत विचार। भीषण गर्मी की तपिश के बीच पानी का संकट भी गहराने लगा है। दोआबा में बहने वाली सहायक नदियों में पानी की जगह धूल उड़ने लगी है। जिससे इन क्षेत्रों के किसानों को जायद की फसलों की सिंचाई करने के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। साथ ही पशुओं को पानी पिलाने के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

जिले में गंगा एवं यमुना जैसी बड़ी नदियों के अलावा, रिंद नदी, पांडु नदी, ससुर खरेदी नदी समेत अन्य नदियां बहती हैं। जिनसे जुड़े दर्जनों गांवों की पानी की जरुरत पूरी होती रहती है। भीषण गर्मी में गंगा- यमुना नदी खुद प्यासी नजर आने लगी हैं। वहीं सहायक नदियों में तो पानी की जगह धूल उड़ने लगी है। जिससे नदियों के किनारे बसे गांवों के लोगों की जायद की फसल सूखने लगी हैं।

जिले के जाफरगंज, देवमई, खखरेरु समेत अन्य किसानों का कहना है कि नदी के पानी के भरोसे ही फसलों को तैयार किया जाता है, अब सिंचाई के लिए पानी नहीं होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस क्षेत्र में गिनती के निजी नलकूप हैं, जिनसें सिंचाई करना महंगा पड़ता है। ज्यादातर सहायक नदियां सूखने की कगार पर हैं। कई स्थानों पर पानी लगभग समाप्त हो चुका है, जहां है भी वह इस लायक नहीं कि उसे प्रयोग किया जा सके।

पशुओं को भी नहीं मिल रहा पानी

आसपास के गांवों के ग्रामीण काफी हद तक पानी पर आश्रित हैं। पालतू जानवरों को पानी पिलाने ग्रामीण अभी भी वह नदियों की ओर ही जाते हैं। इसके अलावा जायद की फसल के लिए सिंचाई की निर्भरता भी नदी पर ही है। नदी तट पर स्थित गांवों के ग्रामीण तरबूज, खरबूज, खीरा, ककड़ी आदि की फसल नदी के भरोसे ही बोते हैं। नदियों के गिरते जलस्तर के चलते यह फसलें पैदा करने वाले किसानों में बेचैनी है। किसानों का कहना है कि पानी की कमी ने चिंता में डाल दिया है। नदी के सहारे ही फसल ठीक-ठाक होने की उम्मीद लगा रखी थी, आसपास पानी का अन्य कोई संसाधन नहीं है।

घटना की सूचना पर पहुंचे एसपी अमित आनंद ने मौका मुआयना किया। अमृत विचार

घटना के बाद रोते-बिलखते मृतक के परिजन। अमृत विचार

घटना के बाद मृतक के घर के बाहर लगी भीड़। अमृत विचार

प्रेम प्रसंग में बाधक पिता का किशोरी ने गला रेता, मौत

सोमवार की देर रात सोते समय दिया घटना को अंजाम, भाई पर भी किया जानलेवा हमला, सौरिख ब्लॉक में वीडीओ के पद पर था तैनात

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

- समय रहते जाग जाने से बच गई भाई की जान
- पुलिस ने किशोरी को हिरासत में लिया, पूछताछ

अमृत विचार। परिवार प्रेम प्रसंग में बाधा बना तो किशोरी ने भयानक योजना बना डाली। इसके तहत रात के समय जब पिता सो रहे थे उसने धारदार हथियार से उनका गला रेत कर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद भाई पर भी जानलेवा हमला किया लेकिन वह समय रहते जाग जाने से उसकी जान बच गई। शोर सुनकर परिवार के लोग दौड़ पड़े और हमलावर हुई किशोरी को किसी तरह से काबू किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। साथ ही किशोरी को हिरासत में ले लिया।

अजय पाल।

साक्ष्य जुटाती फॉरेंसिक टीम। अमृत विचार

कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर चौकी के करमुल्लापुर निवासी अजय पाल राजपूत पुत्र मुंशीलाल राजपूत (50) सौरिख विकासखंड में ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे। वह पत्नी मोनी (48), बेटों सिद्धार्थ (18),अमन (14) और बेटी (17) के साथ गांव में ही रह रहे थे। सोमवार की शाम परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर गहरी नींद में सो गए। रात करीब दो बजे बेटी जो कक्षा 12 की छात्रा है, ने धारदार हथियार से पिता की गला रेत कर हत्या कर दी। इसके कुछ देर बाद भाई के पास पहुंच उसकी गर्दन पर पैर रख कर हथौड़े से प्रहार करना चाहा लेकिन वह जाग गया और बहन की गर्दन पकड़कर दबोच लिया। इस पर किशोरी ने भाई के पैर और हाथ में काट लिया। चीखपुकार सुन पड़ोस में रहने वाले परिजन दौड़े और किशोरी को काबू कर घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उच्चाधिकारियों को सूचना देने के साथ ही किशोरी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद मौके पर फोरेंसिक टीम ने पहुंच कर जांच पड़ताल की। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने मौके पर पहुंच कर जानकारी ली और किशोरी को कोतवाली भेज दिया। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है जबकि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रकरण में एसपी अमित आनंद का कहना है कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किशोरी को हिरासत में ले लिया गया है।

वीडीओ की हत्या हो जाने से नहीं हो सकी बैठक

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- 21 मई को सौरिख व तालग्राम क्षेत्र के सचिवों व प्रधानों को बुलाया गया था

अमृत विचार। इन दिनों विकास भवन सभागार में चल रही ग्राम स्वच्छता की कार्ययोजना बनाने को लेकर तैयारी चल रही है। इसको लेकर प्रस्तावित बैठक मंगलवार को नहीं हुई। इसका कारण वीडीओ अजय पाल की हत्या होना बताया गया है। जिस सौरिख ब्लॉक में उनकी तैनाती थी, उसीके प्रधान व सचिव बैठक में शामिल होने थे।

पंचायती राज विभाग के डीपीसी अनिल कुमार ने बताया कि वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना बनाई जानी है। ग्राम पंचायत सचिव व प्रधानों के लिए निर्धारित प्रारूप भी आया है। उन्होंने बताया कि 21 मई को विकास भवन सभागार में सौरिख व तालग्राम क्षेत्र की मीटिंग होनी थी, जो वीडीओ की हत्या हो जाने की वजह से नहीं हुई। उन्होंने बताया कि ऐसे माहौल में सचिवों की बैठक होती तो अच्छा नहीं रहता। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के मिशन निदेशक राज कुमार ने ठोस एवं अपशिष्ट प्रबंधन व स्वच्छता को लेकर ग्राम पंचायतों की कार्ययोजना जल्द मांगी है। इसी को लेकर वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित राजस्व ग्रामों में विकास कार्यों की तैयारी चल रही है।

खाने में दी थीं नशे की गोलियां भाई को मारने का था इरादा

संवाददाता, छिबरामऊ/कन्नौज

- नशे का असर जांचने के लिए पिता के गले पर चलाई आरी

अमृत विचार। करमुल्लापुर में हुई दिल दहला देने वाली वारदात में आरोपी किशोरी का असल मकसद भाई को ठिकाने लगाना था। इस घटना को अंजाम देने के लिए पूरी तरह सोच समझकर योजना बनाई थी। इसके तहत सोमवार की रात पूरे परिवार को खाने में नशे की गोलियां दे दीं। इसके बाद जब सभी सो गए तो यह जांचने के लिए कि नशा गहरा है या नहीं पिता की गले पर आरी के ब्लेड से कट लगाया। उनके हरकत न करने पर अगला लक्ष्य भाई पर साधा लेकिन उसके जागने से योजना फेल हो गई।

यह बातें हत्यारोपी बेटी ने पुलिस को पूछताछ में बताई हैं। उसने बताया कि मुख्य उद्देश्य भाई सिद्धार्थ की हत्या करना था। इसको लेकर योजना बनाकर सोमवार की रात परिवार के सदस्यों को खाने में नशीली गोलियां खिला दीं। परिवार के सभी सदस्य जब गहरी नींद में थे तो दो बजे के करीब उसने पहले पिता की गर्दन पर आरी की ब्लेड चलाई। नशे और गहरी नींद में होने से उन्होंने कोई हरकत नहीं की तो वह आश्वस्त हो गई कि गोलियों ने ठीक असर कर दिया है। इसके बाद वह हथौड़ा लेकर भाई के पास पहुंची और दो वार सिर पर किए। शरीर से ठीक होने के कारण भाई ने उसकी गर्दन पकड़कर नीचे झुका दिया और उसके हाथ से हथौड़ा छीन लिया। चीखपुकार की आवाज़ सुन पड़ोस में रहने वाले परिवार के लोग आ गए और बाकी लोगों की जान बच गई। आरोपी बहन का कहना है कि भाई से पिछले चार-पांच माह से बातचीत बंद है। वह उस पर ताने कसता था जिससे वह नाराज थी। वहीं गांव में चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में बाधा बनने पर किशोरी ने इतना बड़ा आपराधिक कृत्य कर डाला जबकि आरोपी ने पूछताछ में इस संबंध में कुछ नहीं बताया है।

सार-संक्षेप

खेत में पानी लगाने गए किसान को सर्प ने डसा, मौत

राममंगल सिंह।

गुरसहायगंज, कन्नौज। ब्लाक गुरारापुर के ग्राम चचासंडा निवासी राम मंगल सिंह (55) सोमवार की सुबह लगभग 11 बजे खेत में खड़ी मूंगफली की फसल में पानी लगाने गया था। दोपहर लगभग 12 बजे उसे सांप ने डस लिया। परिजनों ने उसे नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर हालत में उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। कानपुर के अस्पताल में पहुंचने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। देर रात गांव में शव आते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी नीरज शर्मा ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली में मौजूद आरोपी। अमृत विचार

आरा मशीन पर हुई चोरी का 24 घंटे में खुलासा

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

- पुलिस ने चोरी के माल सहित तीन चोरों को किया गिरफ्तार

अमृत विचार। बंद बड़ी आरा मशीन के ताले तोड़कर लाखों के औज़ार चोरी करने के मामले में पुलिस ने खुलासे का दावा किया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए माल भी बरामद किया है।

मोहल्ला विरतिया निवासी रमेश त्रिपाठी पुत्र सूबेदार त्रिपाठी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके छोटे भाई गिरीश त्रिपाठी की एन एच 34 जीटी रोड मोहल्ला किदवई नगर में आरा मशीन है और पिछले कुछ समय से वह बंद चल रही थी। सोमवार की सुबह वहां जाकर देखा तो मशीन में लगे सेंट्रल लॉक के 8 ताले टूटे थे। मशीन चलाने वाले दो व्हील, बिजली का एक मेन स्विच, बिजली का एक स्टार्टर, आरी जोड़ने वाला पंखा, हैंडपंप की मशीन, तीन पुली, औजारों में धार लगाने वाला अड्डा तथा बिजली की वायरिंग चोरी हो गई थी। इधर, मंगलवार को कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह व उप निरीक्षक अभिनेश कुमार मय हमराह फोर्स के संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग का अभियान चला रहे थे। तभी सूचना मिली कि आरा मशीन में चोरी करने वाले किसी दूसरी घटना को अंजाम देने की फिराक में फर्रुखाबाद रोड पर बने इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प के सामने 100 मीटर पहले प्लाट पर बनी बाउंड् के पीछे झाड़ियों में बैठे हैं। इस पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए मोहल्ला सैयद वाडा निवासी आमिर पुत्र रहीस, आसिफ पुत्र अफरीद व जावेद पुत्र राशिद को गिरफ्तार कर लिया है। इनसे चोरी गया बिजली का मेन स्विच, एक स्टार्टर, एक आरी जोड़ने वाला पंखा, एक हैंडपंप की मशीन, एक धार (शान) लगाने का अड्डा, एक 14 इंच व्यास की पुली, लोहे की सील सर्व मोहर मय नमूना मोहर एवं आरा मशीन चलाने वाले दो व्हील, दो 36 इंच व्यास की पुल्ली, एक 24 इंच व्यास की पुल्ली बरामद की गई। पुलिस की पूछताछ में चोरों ने बताया कि वह लोग ताला तोड़कर घरों व दुकानों में चोरी करने आए थे। इससे पूर्व भी वह कई जगहों पर चोरी कर चुके हैं।

पड़ोसियों ने युवक को मारपीट कर किया घायल

तिर्वा, कन्नौज। गाली देने का विरोध करने पर पड़ोसियों ने युवक को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। थाना ठठिया के सरसई धौकलपुर्वा गांव निवासी सुधीश पुत्र नेकराम ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह अपने घर जा रहा था।

घर के पास पहुंचते ही पड़ोसी राकेश पाल, राजू, पिंटू, अवधेश गालीगलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया तो उक्त लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विकास के नए कार्यों को आचार संहिता के हटने का है इंतजार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। लोकसभा क्षेत्र के चुनाव को लेकर 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इससे विकास के नए कार्य नहीं हो सकते हैं। सैकड़ों पात्र ऐसे हैं जिनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने का इंतजार है। कहा जा रहा है कि चार जून को मतगणना के दो दिन बाद ही आचार संहिता हटेगी।

नियम मुताबिक जब भी निर्वाचन को लेकर आचार संहिता लगती है तो कोई भी नए कार्य नहीं होते हैं। इनमें विकास कार्यों के अलावा कई तरह के नए आवेदन भी शामिल होते हैं। इस वजह से आवेदनकर्ताओं को विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं से लाभान्वित नहीं किया जाता है। जिले में 13 मई को मतदान हो चुका है, लेकिन आचार संहिता चार जून तक लागू रहेगी। इसका कारण अभी छठे व सातवें चरण का मतदान और उसके बाद मतगणना बाकी होना है। चुनाव परिणाम आने के बाद ही आचार संहिता समाप्त होने का निर्वाचन आयोग फैसला लेगा।

प्रचार-प्रसार पर लगी थी रोक

आचार संहिता लागू होने के बाद किसानों को फसल नुकसान का मुआवजा दिया गया लेकिन उसका प्रचार-प्रसार नहीं किया गया। जिम्मेदारों का कहना है कि निशुल्क बीज वितरण और मुआवजा के प्रचार-प्रसार पर रोक थी। इससे इसे धीरे-धीरे बांट दिया गया।

पानी की समस्या के समाधान की मांग

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

चेयरमैन मनोज दुबे को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। अमृत विचार

- बार एसोसिएशन ने चेयरमैन मनोज दुबे को सौंपा प्रार्थनापत्र

अमृत विचार। तहसील परिसर में अधिवक्ता सभागार के पास गंदगी से भरे शौचालय की साफ सफाई कराकर चालू कराने तथा खराब पड़े हैंडपंप को सही कराने की मांग करते हुए बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने पालिकाध्यक्ष मनोज दुबे को प्रार्थना पत्र सौंपा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि तहसील परिसर में अधिवक्ता सभागार के पास स्थित शौचालय कई माह से बंद होने के कारण अत्यधिक गंदगी फैल गई है। बदबू से आसपास स्थित चेंबरों में अधिवक्ताओं को विधि व्यवसाय करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शौचालय की साफ सफाई एवं मरम्मत करा कर सुचारु रूप से शुरू कराया जाना अति आवश्यक है। इस भीषण गर्मी में उपनिबंधक कार्यालय के बाहर एवं नवीन चैंबर के शौचालय के पास लगे हैंडपंप खराब हो गए है, जिससे पेयजल की गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है। तहसील परिसर स्थित न्यायालयों में प्रतिदिन आने जाने वाले सैकड़ों अधिवक्ताओं और वादकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति दोनों हैंडपंपों को रीबोर कराकर चालू कराया जाए। इस दौरान बार एसोसिएशन के महासचिव ललित प्रताप सिंह, सुशील पांडे, विनीत चौबे, हिमांक त्रिपाठी मौजूद रहे।

ब्लॉक समन्वयक करेंगे दीक्षा एप की मॉनीटरिंग

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

'दीक्षा' के प्रयोग में कन्नौज 70वें
अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

- कन्नौज को सूबे में 70वीं रैंक मिलने पर जताई गई नाराजगी
- महानिदेशक के पत्र के बाद बीएसए ने सभी बीईओ को भेजी चिट्ठी

अमृत विचार। दीक्षा एप के मामले में कन्नौज जनपद की रैंक सूबे में 70वीं आई है। इसको लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने नाराजगी जताई है। रैंकिंग रिपोर्ट मिलने के बाद बीएसए ने सभी बीईओ व नगर शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी किया है। कहा है कि ब्लॉक समन्वयक (गुणवत्ता) मॉनीटरिंग करेंगे। वह नोडल नामित किए गए हैं।

बीएसए उपासना रानी वर्मा ने सभी बीईओ व नगर शिक्षा अधिकारी को भेजे पत्र में कहा है कि परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की दीक्षा प्रोफाइल में ब्लॉक व विद्यालयों की मैपिंग कराई जाए। बीएसए ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा के 13 मई को जारी हुए पत्र का हवाला भी दिया है। जिलेवार व माह की जारी हुई दीक्षा पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट के मुताबिक एप के प्रयोग के आधार पर जनपद व ब्लॉकों की रिपोर्ट असंतोषजनक मिली है। इसकी मॉनीटरिंग के लिए ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक समन्वयक गुणवत्ता को नोडल नामित किया गया है। बीएसए ने निर्देश दिए गए हैं कि ब्लॉक की दीक्षा एप के नियमित प्रयोग की समीक्षा की जाएगी। साथ ही शिक्षकों की दीक्षा प्रोफाइल में विकास खंड एवं विद्यालयों की मैपिंग कराने के लिए प्रत्येह सप्ताह की रिपोर्ट बीएसए व बीईओ को दी जाएगी। महानिदेशक ने कन्नौज समेत महोबा, फिरोजाबाद, बांदा, सोनभद्र, फर्रुखाबाद, बलरामपुर, चित्रकूट, हमीरपुर व संभल की स्थिति पर असंतोष जताया। बताते चलें कि अमृत विचार ने 20 मई के अंक में शीर्षक दीक्षा के प्रयोग में कन्नौज 70वें नंबर पर खबर भी प्रकाशित की थी।

यातायात बूथ पर लग रहा वाटर कूलर फ्रेम गायब

कन्नौज। मतदान के बाद सांसद निधि से यातायात बूथ तिर्वा क्रासिंग के निकट लग रहे वाटर कूलर का फ्रेम रातोंरात गायब हो गया। गनीमत रही कि वाटर कूलर अभी नहीं लगाया गया था। मामले में अभी सदर कोतवाली रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। तिर्वा क्रासिंग यातायात बूथ के निकट हर समय लोगों की भीड रहती है। लोगों को पीने का पानी मिल सके इसके लिए सांसद निधि से यहां कन्नौज रोड पर वाटर कूलर लगाने का कार्य किया जा रहा था। सीमेंट का चबूतरा बनाने के साथ ही टिन से बने फ्रेम को भी लगा दिया गया था।इसी बीच चुनाव आ जाने से कार्य रुक गया। मतदान होने के बाद रविवार की रात किसी समय वाटर कूलर के लिया रखा फ्रेम चोरी हो गया। इसको लेकर लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि सांसद निधि से लगे रहे वाटर कूलर का बजट निकाल लिया गया था। इसके बाद कार्य किया जा रहा था। मतदान के बाद इस वाटर कूलर को अन्य किसी स्थान पर लगाने के लिये लोग फ्रेम को ही उठा ले गये।

कवायद सरकारी के अलावा प्राइवेट हॉस्पिटल भी पोर्टल से जोड़े जाएंगे

यू विन पोर्टल पर बच्चों, गर्भवती के टीकाकरण का रजिस्ट्रेशन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। यू विन पोर्टल पर बच्चों व गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण का रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। पूरे परिवार के टीकाकरण की जानकारी अब मोबाइल एप पर होगी। कब टीका लगा और कब लगना है, इसकी जानकारी मिलेगी। नर्सिंगहोम को भी इसी पोर्टल से जोड़ा जायेगा।

यू विन पोर्टल पर प्रेग्नेंट महिलाओं को बच्चों के टीकाकरण को आसानी से किया जा सकेगा। सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों को इस पोर्टल से जोड़ा जायेगा। जिले में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जायेगा। सीएमओ डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि जिले में यू विन पोर्टल पर वैक्सीन के लिये रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने जा रही है। इससे बच्चों व गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण को आसान किया जायेगा। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जायेगा। इस एप के माध्यम से गर्भवती महिलाओं व 0 से 12 वर्ष तक के बच्चों वैक्सीनेशन के लिये जोड़ा जायेगा।

- मोबाइल एप पर देखेंगे कब लगना है टीका और कब लगा
- शासन से जारी किये पत्र पर स्वास्थ्य विभाग ने की तैयारी

यू-विन पोर्टल एप को ऐसे करें डाउनलोड

यू-विन पोर्टल पर या एप को मोबाइल में डाउनलोड कर आप खुद या परिवार के सदस्यों को रजिस्टर कर लाभ ले सकते हैं। इसके लिये मोबाइल पर प्लेस्टोर से यू- विन एप डाउनलोड करें। इसके बाद अपने मोबाइल नंबर को एप पर रजिस्टर करें। इसके बाद नाम, पता, आधार नंबर आदि डिटेल भरनी होगी। बच्चे की जन्मतिथि भरते ही वैक्सीनेशन की पूरी जानकारी मिल जायेगी कि वैक्सीन कब लगी थी और अगली कब लगनी है, यह भी पता लग जाएगा।

मोबाइल पर मिलेगी अपडेट

बच्चों व महिलाओं को अगला वैक्सीन कब लगना है और पहले कब लगी, कितने दिन के अंदर कौन सा वैक्सीन परिवार के किस सदस्य को लगना है ये सभी जानकारियां पोर्टल पर मिलेंगी। मोबाइल पर भी इसका अपडेट अलर्ट के तहत मिलता रहेगा। देश के किसी भी कोने में आप हों वहीं पर आप वैक्सीन का डोज समय पर लगवा सकते हैं। कोविड वैक्सीन की तरह अन्य वैक्सीन के लिये ऑनलाइन स्लाट बुक कर सकते हैं।

इन डाक्यूमेंट से हो सकता रजिस्ट्रेशन

गर्भवती महिलाओं के लिये आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट, पेंशन बुक, स्मार्ट कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, दिव्यांग कार्ड, या फोटो युक्त राशन कार्ड से रजिस्ट्रेशन हो सकेगा।

"जिले के सरकारी व निजी हास्पिटल को यू-विन पोर्टल से जोड़ने की कवायद चल रही। लाभर्थी का सेल्फ रजिस्ट्रेशन करवाया जायेगा। महिलाओं व बच्चों का आसानी के वैक्सीनेशन हो सकेगा। यब व्यवस्था जिले में जल्द शुरू की जायेगी।

-डॉ. विनोद कुमार (सीएमओ कन्नौज)

बुद्ध ने दुनिया को दिया करुणा का संदेश

संवाददाता, गुरसहायगंज, कन्नौज

बुद्ध प्रतिमा की पूजा-अर्चना करते पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि व उपासक।

- पूजा-अर्चना कर धूमधाम से मनाई गई बुद्ध जयंती

अमृत विचार। बुद्ध पूर्णिमा पर मंगलवार को नगर के मोहल्ला आजाद नगर स्थित मंगल धाम बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता ने स्थापित बुद्ध प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद उपासकों ने भी बुद्ध प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती, धूपबत्ती जलाकर पूजा वंदना की। बौद्ध भिक्षु सिलसुमित्ता ने त्रिसरन एवं पंचशील परित्राण पाठ किया। बताया कि भगवान बुद्ध ने दुनिया को करुणा, मैत्री, अहिंसा व शांति का संदेश दिया। बुद्ध ने समाज के निम्न स्तर के लोगों को संघ में सम्मिलित कर सम्मान दिलाया। मंगल धाम सेवा समिति के अध्यक्ष वीरपाल कुशवाहा ने बताया कि बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु में राजा शुद्धोधन के घर हुआ था। 29 वर्ष की अवस्था में संसार का दुख दूर करने के लिए उन्होंने घर त्याग दिया। छह वर्ष की कठिन तपस्या के बाद बैसाखी पूर्णिमा को ज्ञान प्राप्त हुआ और इसी दिन कुशीनगर में महा निर्वाण प्राप्त किया। इसलिए बुद्ध पूर्णिमा को त्रिविधि पावन पर्व के रूप में मनाया जाता है। सचिव सुशील कुमार के संचालन में हुए कार्यक्रम में बौद्ध भिक्षुओं को भोजन, दान भी किया गया। इस अवसर पर रामनरेश, सरमन शर्मा, राकेश बाबू, प्रकाश चंद्र राठौर, दशरथ, छविराम, मनोज, अतुल वर्मा, भारत, आनंद प्रताप, सुमन, पूजा, वंदना बौद्ध आदि मौजूद रहे।

रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे सूर्यदेव, होगी प्रचंड गर्मी

एक्सक्लूसिव

अभिषेक द्विवेदी, कन्नौज

- ज्योतिष शास्त्र में की गई मौसम की भविष्यवाणी, बारिश भी होगी अच्छी
- 25 मई से दो जून तक नौतपा में तापमान तोड़ेगा सभी पिछले रिकॉर्ड

ज्योतिषाचार्य पं. अभय त्रिपाठी 'शास्त्री'

अमृत विचार। मौसम की भविष्यवाणी केवल भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ही नहीं करता है अपितु हमारा ज्योतिषशास्त्र भी इसकी सटीक जानकारी देता है। शास्त्रों में वर्णित है कि जब भगवान सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो चंद्रमा की शीतलता घटती है और प्रचंड गर्मी होती है। इसे नौ दिन का गर्भकाल कहा जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में नौतपा के नाम से जाना जाता है। इस बार नौतपा 25 मई से दो जून तक रहेगा, जिसमें तापमान पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ देगा। इत्रनगरी के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. अभय त्रिपाठी 'शास्त्री' ने बताया कि भगवान भाष्कर 25 मई की सुबह 3.15 बजे रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और 8 जून को रात्रि 1.04 बजे बाहर निकलेंगे। इन दिनों में दो जून तक नौतपा रहेगा, जिसमें तापमान 47 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। उ रोहिणी नक्षत्र का स्वामी चंद्रमा होता है और चंद्रमा जलतत्व के देवता हैं। जब सूर्यदेव रोहणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो जलतत्व क्षीण हो जाता है और उसके प्रभाव से प्रचंड गर्मी होने लगती है। इसे मानसून का गर्भकाल भी कहा जाता है। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र मं होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करने लगता है। मान्यता है कि यदि नौ दिनों तक तापमान अधिक रहा तो आने वाले दिनों में वर्षा अच्छी होती है।

आठ जून से होगा मॉनसून का 'श्रीगणेश'

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि चंद्रमा जब ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में आर्द्रा से स्वाति नक्षत्र तक अपनी स्थितियों में हो और अधिक गर्मी पड़े, तो वह नौतपा अच्छा कहलाता है। वहीं, अगर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है,उस दौरान अगर बारिश हो तो इसे रोहिणी नक्षत्र का गलना (गर्भपात) भी कहा जाता है। नौतपा में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी भी कम हो जाती है। आठ जून शनिवार को रात्रि 1:05 बजे से सूर्यदेव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे और उसी दिन से मॉनसून का 'श्रीगणेश' हो जाएगा।

नौतपा में करें ये कार्य--

- प्यासे को पानी पिलाने से भगवान सूर्यदेव की सीधी कृपा प्राप्त होती है।
- जन्म कुंडली में सूर्य कमजोर है तो नित्यप्रति सूर्य भगवान को अर्घ्य दें।
- आदित्य हृदय स्त्रोत व कवच का पाठ करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।
- सभी लोगों को नौ दिन तक अन्न और जल का दान करना चाहिए।
- गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, रोगी व वृद्धजनों को बाहर नहीं निकलना चाहिए।
- नौतपा में यदि आवश्यक न हो तो यात्रा भी स्थगित कर देनी चाहिए।

मजदूरी से मना किया तो भट्ठा मालिक ने घर में घुसकर मजदूर को पीटा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव कनपटियापुर का मामला
- तीन नामजद व तीन-चार अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार। मजदूरी करने से मना करने पर ईंट भट्ठा मालिक ने साथियों के साथ मिल कर दलित मजदूर को घर में घुस कर पीटा। बचाने पहुंची पत्नी से भी मारपीट की। मामले में न्यायालय के आदेश पर तीन नामजद समेत तीन-चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

सदर कोतवाली क्षेत्रके गांव कनपटियापुर गांव निवासी ओमकार दोहरे पुत्र रामदास दोहरे ने सदर कोतवाली के मोहल्ला हम्मालीपुरा निवासी बीनू खां, हिमकत खां पुत्रगण सबकतुल्ला, मुकार खां व तीन-चार अज्ञात लोगों के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तहरीर में आरोप लगाया है कि वह आजाद ईंट भट्ठा पर ट्राली में ईंट भरने व उतारने का काम करता है। एक ट्राली ईंट उतारने व भरने के लिये 75 रुपये दिये जाते हैं। मजदूरी कम होने से उसने आरोपी भट्ठा मालिकों से रुपये बढ़ाने के लिये कहा तो उन्होंने मना कर दिया। इससे उसने वहां पर काम करना बंद कर दिया। 20 मार्च की शाम करीब छह बजे आरोपी कनपटियापुर उसके घर पर आये जहां उसे जाति सूचक गाली दी। जब उसने गाली देने से मना किया तो सभी मारपीट करने लगे।

वह भाग कर घर में घुस गया तो आरोपी भी घर में घुस आये और मारपीट करने लगे। शोर सुन कर आई उसकी पत्नी से भी मारपीट कर उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास किया। चीखपुकार सुन कर गांव के कई लोग मौके पर आ गये जिन्होंने बचाया। आरोपी जाते समय उक्त लोग जान से मारने की धमकी दे गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

उत्पादन पर असर डालेगी आसमान से बरसने वाली 'आग'

पानी की कमी से खेतों में मक्का, सब्जियां सूख रहीं

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

कन्नौज-तिर्वा मार्ग किनारे बसे बेहरिन के खेतों में खड़ी मक्का की फसल।

अमृत विचार। इन दिनों आसमान से 'आग' बरस रही है। एक ओर तो इससे जीना मुश्किल हो गया है तो दूसरी ओर फसलों को भी तगड़ा नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। तापमान बढ़ने से पौध व फसल बढ़ने में दिक्कत बताई जा रही है। खेतों में गर्मी की मक्का फसल काफी खड़ी है। दूसरी ओर सब्जियां भी लगीं हैं। पानी की कमी से किसानों की परेशानियां बढ़ती जा रहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पैदावार पर खासा असर पड़ेगा।

खेतों में मक्का के अलावा मूंगफली, उर्द व मूंग, हरी सब्जियां, खरबूजा, तरबूज, ककड़ी व खीरा समेत काफी फल व सब्जियां और फसल खेतों में तैयार हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी की वजह से जलस्तर नीचे चला गया है। जो नदी, तालाब, रजबहा व माइनर हैं उनमें पानी सूख गया है। प्राकृतिक पानी की कमी होने से फसलों पर दिक्कत अधिक है। किसान फसलों को बचाने के लिए ट्यूबवेल या सबमर्सिबल पंप के पानी से अतिरिक्त सिंचाई कर रहे हैं। भीषण बिजली कटौती के कारण इनको संचालित करने में भी दिक्कत आ रही है जिससे सिंचाई पर्याप्त नहीं हो पा रही है।

गर्मी अधिक होने से पौधे भी पानी ज्यादा मांग रहे हैं। मक्का फसल में पहले से ही सिंचाई अधिक लगती है, तापमान 44 पार होने की वजह से सिंचाई और ज्यादा करनी पड़ रही है। किसान राजेश राठौर का कहना है कि अगर बारिश हो जाए तो कृषकों का सिंचाई में खर्च होने वाला काफी रुपया बच सकता है। साथ ही प्राकृतिक बारिश की बात ही अलग होती है। किसान गेंदनलाल कहते हैं कि इतनी गर्मी में जब इंसान परेशान है तो फसल, जीव-जंतु व किसानों का हाल तो और भी खराब होगा।

तीन-चार दिनों तक मौसम रहेगा तल्ख

जलालाबाद। कृषि विज्ञान केंद्र अनौगी के मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि कन्नौज जनपद सहित आसपास के क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 44 से 45 और न्यूनतम 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। आगामी तीन से चार दिनों के मध्य तापमान तल्ख होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। बताया कि एक से दो डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ या घट सकता है।

मक्का की फसल में लगा फाल आर्मी वर्म

संवाददाता, जलालाबाद, कन्नौज

- छिड़काव करने में समस्याओं से बचने के लिए ड्रोन का करें प्रयोग
- तापमान अधिक होने पर मूंगफली में भी हो सकती दिक्कत

मक्का की फसल में लगा फाल आर्मी वर्म।

फाल आर्मी वर्म।

अमृत विचार। मक्का की फसल में फाल आर्मी वर्म का प्रकोप दिखने लगा है। इससे फसल बर्बाद होने के आसार बढ़ गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र अनौगी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वीके कनौजिया ने बताया कि फाल आर्मी वर्म से बचाव के लिए टेट्रानिलिप्रोल 200 का 120 एमएल प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें या लार्गो (स्पाइनटोरम 11.7 एससी 100 एमएल प्रति एकड़) 200 लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।

डॉ. कनौजिया का कहना है कि मक्के की फसल में छिड़काव करने में काफी समस्याएं आती हैं। ड्रोन जैसे उपकरण का प्रयोग कर दवा का छिड़काव करने में आसानी होगी। इस मौसम में मक्का की फसल में शाम को सिंचाई करनी चाहिए। मक्का में बुवाई के समय नाइट्रोजन उर्वरक का 20 प्रतिशत, चार पत्तियां आने व 20 से 25 दिन पर 25 प्रतिशत, आठ पत्तियां आने पर 45 दिन व 30 प्रतिशत प्रयोग करना करना चाहिए। जीरा निकलते समय 20 प्रतिशत व भुट्टों में दाना भरते समय कुल नाइट्रोजन का शेष पांच प्रतिशत उर्वरक देने से भुट्टों में दानों का भराव अच्छी तरह होता है। इसी तरह मूंगफली की फसल में भी तापमान 42 डिग्री से अधिक व न्यूनतम तापमान 25 से ज्यादा होने पर फसल में फली (पेग) बनने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है। ऐसे परिवेश में फसलों में सिलिकॉन बेस्ड नॉन ऑर्गेनिक सर्फेक्टेंट या पूसा हाइड्रोजेल का प्रयोग फसलों को वाटर सप्लाई करने और अधिक तापमान सहन करने के योग्य बनाती है।

फसलों को यह होगा नुकसान

लगातार तापमान बढ़ने की वजह से मक्का की फसल के भुट्टों में कम दाने पड़ने की समस्या आती है। जीरा निकलते तथा भुट्टों में दाना भरते समय खेतों में नमी बनाए रखना चाहिए। तेज गर्म हवाओं से बचाव हेतु खेत के चारों ओर ढैंचा, ज्वार, बाजरा जैसी फसलों की एक से दो पंक्तियां बोना लाभ दायक व पशुओं के चारे का भी स्रोत बन जाता है।

मंडी में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। सीओ सदर ने प्रति दिन की तरह मंगलवार को भी मंडी में बने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान रजिस्टर देखा। पुलिस को निर्देश दिये कि बाहरी व्यक्तियों का मंडी में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी सदर कमलेश कुमार ने नवीन मण्डी कन्नौज में बने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान ईवीएम स्ट्रांग रूम सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए इनर कोर्डन, आउटर कोर्डन व आइसोलेशन वार्ड ड्यूटी को चेक किया। पुलिस बल, केंद्रीय बल सीआईएसएफ को चुनाव आयोग की ओर से जारी गाइड लाइन्स से अवगत कराया। मंडी में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को चेक कर संबंधित पुलिस जवानों को सतर्क रहकर ड्यूटी करने को निर्देशित किया गया। सीओ सदर दोपहर के समय मंडी पहुंचे। उस समय भीषण गर्मी के चलते पुलिस छाया में बैठकर ड्यूटी कर रही थी। मंडी के दोनों मुख्य द्वार बंद थे। गेट के बाहर व अंदर पुलिस का कड़ा पहरा था। सीओ सदर ने मुख्य गेट पर गाड़ी खड़ी की। इसके बाद वह पैदल मंडी के अंदर गये जहां उन्होंने स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

मंडी समिति में बने स्ट्रांगरूम का निरीक्षण करने पहुंचे सीओ सदर। अमृत विचार

नहीं हो सकी मृतक की शिनाख्त

तिर्वा, कन्नौज। तीन दिन पहले निचली गंग नहर के पास झाड़ियो में पड़े मिले अधेड के क्षत विक्षत शव की शिनाख्त पुलिस कराने में जुटी है। फर्रूखाबाद से आए लोगों ने फोटो देखकर मृतक की शिनाख्त से इंकार कर दिया।

इंदरगढ़ थाना क्षेत्र के उमर्दा कस्बा से निकली निचली गंग नहर के पास बबूल की झाड़ियों में तीन दिन पहले अधेड का क्षत विक्षत शव पड़ा मिला था। पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। उसकी शर्ट के कालर पर फर्रुखाबाद के एक टेलर के नाम का स्टीकर लगा होने पर पुलिस फर्रुखाबाद जनपद के सभी थानो मे लापता हुए लोगों के बारे में जानकारी ले रही है। थानाध्यक्ष आनंद मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को शव की शिनाख्त करने के लिए फर्रुखाबाद से कुछ लोग आए थे। शव की फोटो देखकर उन्होंने मना कर दिया है।

स्टेट बैंक की खामी से रुपये निकासी को भटक रही महिला

संवाददाता, जलालाबाद, कन्नौज

शिकायती पत्र दिखाती महिला रामलड़ैती।

अमृत विचार। एसबीआई के कर्मियों की लापरवाही व मनमानी से परेशान महिला चार वर्ष से बैंक शाखा से रुपये निकालने के लिये चक्कर लगा रही है। बैंक शाखा की अव्यवस्था से आजिज आकर महिला ने अब खाता बंद करने की गुहार लगाई है जबकि पति के इलाज के लिये रुपये न निकलने पर वह उधार लेने को मजबूर है।

ब्लाक गुगरापुर के ग्राम हंसपुर्वा निवासी अमरपाल की पत्नी रामलडैती ने बताया कि उसका जलालाबाद कस्बे की एसबीआई शाखा में बचत खाता है। चार वर्ष पहले उसने खाते में 40,000 रुपये जमा किए थे। पति के इलाज के लिए उसे रुपये की जरूरत हुई तो वह पैसा निकालने बैंक शाखा पहुंची जहां बैंक कर्मियों ने महिला का आधार कार्ड किसी अन्य के खाते में लगा होने की बात कहकर टरका दिया। इसके बाद महिला गुरसहायगंज शाखा पहुंची। यहां भी उसको न्याय नहीं मिला। महिला ने बताया कि लगभग चार वर्ष बीत जाने के बाद भी उसका पैसा खाता से नहीं निकल सका है। इससे वह उधार पैसा लेकर पति का उपचार करा रही है। मंगलवार को महिला ने परेशान होकर जलालाबाद शाखा प्रबंधक को खाता बंद करने का प्रार्थनापत्र देकर पैसा मांगा लेकिन उसे वही पुराना जवाब मिला। महिला ने उच्चाधिकारियों से मामले का निस्तारण कराने की मांग की है।

लुटेरों ने मां-बेटे से लूटे 50 हजार

उन्नाव। बेटी की शादी की तैयारियों के लिये बैंक से रुपये निकालकर बेटे के साथ साइकिल से घर जा रही महिला को लुटेरों ने अपना शिकार बना लिया। बदमाशों ने थैले में रखे 50 हजार रुपये छीन लिये और भाग निकले। लूट की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एएसपी थाना प्रभारी के साथ मौके पर पहुंचे और जांच कर जल्द ही लुटेरों को पकड़ने की बात कही है।

सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गांव ककरहा पथरहा निवासी श्यामा पत्नी स्व. श्यामलाल बेटे हरीश के साथ सोहरामऊ स्थित एसबीआई शाखा से रुपये निकालने गई थी। वहां से 50 हजार रुपये निकालकर मां-बेटा देरशाम साइकिल से गांव जा रहे थे। तभी वे असोहा-सोहरामऊ मार्ग स्थित गांव दतौली के पास ही पहुंचे थे कि पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने श्यामा के हाथ से झोला छीन लिया और वहां से भाग गए।

ट्रांसमिशन के ट्रांसफार्मर पर आज रखा जाएगा लोड

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- मकरंदनगर में क्षमता वृद्धि के लिए रखा ट्रांसफार्मर हुआ चार्ज
- भीषण गर्मी में मशीनें हो रहीं ओवरलोड, कर रही ट्रिपिंग

अमृत विचार। ट्रांसमिशन सेंटर में दो दिन पहले क्षमता वृद्धि कर लगाया गया 40 एमवीए का ट्रांसफार्मर विभाग ने चार्ज तो कर दिया पर इस पर लोड नहीं रखा गया है। इससे ओवरलोडिंग की समस्या से निजात नहीं मिली है। इससे भीषणगर्मी में मशीनें जवाब दे रही है। अधिकारियों का कहना है कि बुधवार को ट्रांसफार्मर पर लोड रखा जाएगा।

जिले में भीषणगर्मी का कहर जारी है। बिजली की खपत अधिक हो रही है। अब बिजली विभाग को क्षमता वृद्धि करने की सुध आई है। एक सप्ताह पहले कन्नौज के ट्रांसमिशन सेंटर में क्षमता वृद्धि कर 40 एमवीए का ट्रांसफार्मर तो लगा दिया गया। अधिक लोड होने से विभागीय इंजीनियरों ने इस ट्रांसफार्मर पर लोड नहीं रखा है। विभाग का मानना है कि यदि भीषण गर्मी में लोड रखा गया तो ट्रांसफार्मर में कमी आ सकती है। इसी के चलते पहले से रखे दो ट्रांसफार्मरों से किसी तरह काम चलाया जा रहा है। बिजली की मांग अधिक होने से मशीनें गर्म हो रहीं है। इन्हें बचाने के लिये विभाग खुद परेशान है। अब ट्रांसमिशन सेंटर व विद्युत उपकेंद्रों में लगी आटोमेटिक मशीनें लोड अधिक होने पर खुद व खुद बंद हो रही हैं। इससे विभाग परेशान है। ट्रांसमिशन सेंटर के जेई अखिलेश कुमार का कहना है कि बुधवारको 40 एमवीए के ट्रांसफार्मर पर लोड रखा जायेगा। पूरी निगरानी की जायेगी कि इस ट्रांसफार्मर पर कितना लोड आ रहा है।

सार-संक्षेप

भागवत पंडाल में चले लाठी डंडे, तीन घायल, मची भगदड़

सौरिख, कन्नौज। खड़नी चौकी के गांव नगला खरगाइ निवासी गिरीश चंद पुत्र दयाराम वर्मा ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया गांव समाज द्वारा आयोजित भागवत कथा में सोमवार को शाम सात बजे गांव के ही जयचंद ,रामपाल, सत्यपाल, अजय पाल, रिंकू ,टिंकू पुत्रगण विश्वनाथ, रविंद्र पुत्र मौजी लाल, कुलदीप पुत्र प्रेमचंद, अजीत शर्मा पुत्र रामचंद्र शर्मा, प्रेमचंद पुत्र मौजी लाल, दीपांशु पुत्र रविंद्र ने शराब पीकर पंडाल में आ गए। ये लोग गालीगलौज करने लगे। यहां मौजूद पुत्र सुमित को इन लोगों ने लाठी डंडों से जमकर पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बचाने पहुंचे भतीजे गोविंद पुत्र जसकरन, कुलदीप पुत्र देवेंद्र को भी जमकर धुन दिया जिससे तीनों के अंदरूनी चोटें आईं। मारपीट से पंडाल में भगदड़ मच गई। इस घटना में दोनों पक्षों से छह से अधिक लोगों के मामूली चोटें आईं। पुलिस ने प्रार्थना पत्र लेकर दस लोगों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया।

एक्सप्रेस-वे पर डिवाइडर से टकराई कार, दो घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। मंगलवार की सुबह नई दिल्ली पश्चिम बिहार के बी 264 निवासी अंशुमान पांडेय पत्नी नंदिनी के साथ कार से गोंडा जा रहे थे। आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किमी 175 के करीब कार चला रहे अंशुमान को झपकी आ गई, इससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दंपति घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारी आरपी कनौजिया ने घायलों को सीएचसी तालग्राम में भर्ती कराया और क्षतिग्रस्त कार को क्रेन की सहायता से हटवाया।

एक्सप्रेस-वे से नीचे गिरा कंटेनर, दो घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। जनपद मथुरा के थाना राया अंतर्गत ग्राम बरैना निवासी नेपाल सिंह लखनऊ से कंटेनर में भूसी लादकर पंजाब जा रहा था। सोमवार देर रात चालक को झपकी आ गई और कंटेनर डिवाइडर को तोड़ते एक्सप्रेस-वे के नीचे जाकर पलट गया। हादसे में चालक समेत क्लीनर कालीचरन घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारी ओमप्रकाश सिंह ने घायलों का उपचार कराने के बाद क्रेन की सहायता से कंटेनर को सीधा कराया।

अमृत विचार विशेष

रेलवे ने अनारक्षित टिकट प्रणाली की ऑनलाइन सुविधा में किया विस्तार

आर-वॉलेट से रिचार्ज पर मिलेगा तीन प्रतिशत का बोनस

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

कन्नौज स्टेशन पर छात्र को आर-वॉलेट की जानकारी देते प्रवर वाणिज्य अधीक्षक विश्वनाथ भदौरिया। अमृत विचार

- 31 मई तक अभियान, पेपरलेस टिकट के बारे में किया जा रहा यात्रियों को जागरूक

अमृत विचार। रेलवे ने अनारक्षित टिकट प्रणाली की ऑनलाइन सुविधा का विस्तार किया है। यात्री आर-वॉलेट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुक करेंगे तो उन्हें तीन प्रतिशत का बोनस दिया जाएगा। खास बात यह है कि यदि टिकट कैंसिल करनी पड़ी तो धनराशि भी वापस खाते में आ जाएगी। टीटीई को मोबाइल फोन में टिकट डाउनलोड कर दिखाने पर भी मान्य की जाएगी। इसके अलावा यूपीआई से भी भुगतान किया जा सकता है।

रेलवे ने पेपरलेस टिकट के लिए 31 मई तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया है, जिसके अंतर्गत सभी स्टेशनों पर यूटीएस ऑन मोबाइल, एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिग मशीन) तथा आर-वॉलेट के माध्यम से टिकट लेने के बारे में यात्रियों को जानकारी दी जा रही है। मंगलवार को प्रवर वाणिज्य अधीक्षक विश्वनाथ भदौरिया ने छात्रों को इस विषय में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि स्टेशनों पर बनी टिकट विंडो पर लंबी लाइन न लगे और यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए इस व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। आर-वॉलेट को रिचार्ज करने पर रेलवे ने तीन प्रतिशत का बोनस भी दिया है अर्थात 100 रुपये की टिकट बुक करने पर 97 रुपये ही भुगतान करना पड़ेगा।

इसी प्रकार यूटीएस ऑन मोबाइल एप्लीकेशन से स्टेशन परिसर की 200 मीटर परिधि में यात्री मोबाइल से ही टिकट खरीद सकते हैं और इसका भुगतान यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) जैसे गूगल पे, भीम, फोन पे, पेटीएम, अमेजन पे आदि से भी किया जा सकता है। यदि यात्री यूपीआई का उपयोग नहीं करता है तो वह ऑर-वॉलेट से भुगतान कर सकता है, जिसमें तीन प्रतिशत का बोनस भी मिलेगा।

यूटीएस ऑन मोबाइल एप न होने पर स्टेशन पर लगे एटीवीएम में क्यूआर कोड को स्कैन कर भुगतान किया जा सकता है। इस प्रकार से टिकट खरीदने में महज एक मिनट का वक्त लगता है। खास बात यह है कि ये सभी सुविधाएं जीपीएस (ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम) पर आधारित हैं, इसलिए ट्रेन के अंदर टिकट को बुक नहीं किया जा सकता है।

इन स्टेशनों पर लगाई गई एटीवीएम

पूर्वोत्तर रेलवे ने पीलीभीत, लालकुआं, बरेली सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद जंक्शन, काशीपुर, इज्जतनगर रेलवे स्टेशनों पर दो-दो तथा काठगोदाम, बीसलपुर, पूरनपुर, हल्द्वानी, रुद्रपुर सिटी, खटीमा, रावतपुर, कन्नौज, गुरसहायगंज, बदायूं, किच्छा, मथुरा छावनी, हाथरस सिटी, कल्याणपुर, बहेड़ी व फतेहगढ़ में एक-एक एटीवीएम लगवाया है।

रेलवे ने पेपरलेस टिकट की जानकारी के लिए 31 मई तक विशेष अभियान चलाया है, जिसके माध्यम से लोगों को यूटीएस व आर-वॉलेट से टिकट बुकिंग व भुगतान के लिए जागरूक किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए एटीवीएम को भी लगाया गया है, जिससे वह आसानी से अनारक्षित टिकट ले सकें।

-राजकुमार वर्मा, मंडल वाणिज्य निरीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे

मतदान के बाद भी पसरा मौन बढ़ा रहा बेचैनी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- कौन हारेगा, किसके सिर सजेगा जीत का सेहरा पर यदाकदा चर्चा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव 2024 कन्नौज के लिए कई मायने में महत्वपूर्ण रहा है। इस बार मतदाता ने जबर्दस्त चुप्पी साधी। न तो पहले कोई रुख स्पष्ट किया और न ही वोट डालने के बाद ही कुछ बोल रहा है। ऐसे में प्रत्याशियों के साथ ही समर्थकों की भी धुकधुकी बढ़ी हुई है। फिलहाल वोटिंग के बाद पार्टी दफ्तरों के इर्दगिर्द और सड़कों पर भी सन्नाटा पसरा है। हालांकि यदाकदा लोग एक दूसरे से चुनाव का हाल पूछ बैठते हैं। इसमें भी संशय के बादल भी रहते हैं कि इस बार कुछ भी हो सकता है।

बता दें 2024 का चुनाव इस बार सत्ता दल के लिए खास है। बात कन्नौज की करें तो यहां से सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के ताल ठोंक देने से लड़ाई रोचक हो गई। भारतीय जनता पार्टी से चौथी बार मैदान में डटे सांसद सुब्रत पाठक ने भी जीत को लेकर कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। बावजूद इसके अब भी चुनाव का रुख कोई भी स्पष्ट बताने की स्थिति में नहीं है। मतदान से पहले भी मतदाता ने अपने फैसले को किसी के सामने उजागर नहीं होने दिया और अब जब वोट पड़ चुके हैं तो भी वोट देने वाले मौन की चादर ओढ़े हैं।

ऐसे में राजनीतिक गलियारों में अजीब सी शांति छायी है तो वहीं सामान्य जनजीवन भी पटरी पर अपनी रफ्तार से चल रहा है। दफ्तरों, दुकानों और गली-नुक्कड़ों पर बस कभी-कभी चर्चा जोर पकड़ती है कि क्या इस बार 400 पार का नारा साकार होगा? कुछ इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं तो कई विभिन्न आंकड़ों को गिनाकर कुछ और ही निष्कर्ष पेश करते हैं। सामान्य वोटर से बात करें तो वह बस मुस्कराकर संकेत मात्र देता और कह देता है चार जून को सब सामने आ जाएगा। उधर, प्रत्याशियों के समर्थक फिलहाल तो अपनी जीत का गणित बिठाते और समझाते नजर आ रहे हैं। मंगलवार को भी प्रबुद्धजनों के बीच यही चर्चा चल निकली कि नतीजे कुछ बदलने वाले हैं? इसको लेकर आमने सामने डटे सपा और भाजपा प्रत्याशियों के कार्यों-कारगुजारियों को लेकर बहस चल निकली। इसमें कोई इंडी गठबंधन की तरफ से सपा प्रत्याशी तो कोई एनडीए की तरफ से भाजपा प्रत्याशी के पलड़े में भार रख रहा था। बातों के बीच चेहरों के भाव कुछ और ही बयां कर रहे थे। उल्टे सवाल यह भी थे कि इस बार मीडिया का आकलन क्या बोलता है? ऐसे में फिर जवाब वही चार जून को सब स्पष्ट हो जाएगा। कुल मिलाकर इस भीषण गर्मी से जनमानस बेहाल है तो वहीं राजनीतिक सरगर्मी परिणाम के इंतजार में शांत नजर आ रही है।

भगवान नरसिंह जयंती पर लगाई गंगा में डुबकी

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। भगवान नरसिंह की जयंती पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा तट पांचाल घाट पहुंचकर श्रद्धा की डुबकी लगाई। इस दौरान लोगों ने दान पुण्य कर अधर्म पर धर्म की विजय पर प्रकाश डाला। गंगा तट पांचाल घाट पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर भक्त प्रहलाद की जीवन गाथा को भी सुनाया गया।

पंडित अशोक शास्त्री ने कहा कि भक्त प्रहलाद हिरण्यकश्यप के पुत्र थे। एक राक्षस के घर में भक्त ने जन्म लिया था और वह राक्षस अपने बेटे का ही दुश्मन बन गया था। जब राक्षस का अन्याय अति से ऊपर हो गया और उसने भक्त प्रहलाद को मारने के लिए यत्न किया उसी समय खम्भा फाड़ कर

गंगा स्नान कर रहे भक्त। अमृत विचार

भगवान नरसिंह रूप धारण कर प्रकट हो गए और हिरण्यकश्यप के प्राण हर लिए। पंडित अशोक शास्त्री ने कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म प्रचंड बहुमत पर पहुंचता है। तब तब भगवान किसी न किसी रूप में जन्म लेकर अपने भक्तों का दुख और पीड़ा को हरते है। हिरण्यकश्यप की कथा हमें बताती है कि अधर्मी व्यक्ति का अंत भगवान निश्चय करता है।

चाहे उसे कोई रूप धारण करना पड़े। चाहे उसे कोई कारण निमित्त बनाना पड़े। इस मौके पर गंगा भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने आज के दिन पांचाल घाट ,किला घाट और बरगदिया घाट तथा शमशाबाद क्षेत्र के ढाई घाट पर पहुंचकर गंगा स्नान किया।बताते चलें कि भीषण गर्मी में भी भक्तों का आना जाना जारी रहा और वह गंगा स्नान कर पुण्य कमाते रहे।

इस मौके पर सभी घाटों पर पुलिस की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था की गई। हालांकि हर जगह स्नान सही तरीके से निपट गया। देर शाम तक पांचाल घाट पर गंगा स्नान चलता रहा। पड़ोसी जिला एटा, इटावा, मैनपुरी से गंगा भक्त आकर गंगा स्नान कर रहे हैं।

बताते हैं कि नरसिंह भगवान की जयंती पर गंगा स्नान का बहुत ही बड़ा महत्व होता है। इस वजह से लोगों ने आज भारी संख्या में गंगा स्नान किया घाटों पर जिला प्रशासन की ओर से केटिंग की व्यवस्था की गई थी और बेरीकेटिंग के बाहर स्नान करने वालों को रोका जा रहा था लेकिन कहीं-कहीं घाट छोड़कर दूसरी जगह स्नान करने वाले लोग अपनी जान जोखिम में डालते नजर आए।

गंगा नहाने आये किशोर की डूब कर मौत

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पांचाल घाट पर नरसिंह भगवान की जयंती पर गंगा स्नान करने आया किशोर गंगा में डूब गया। गोताखोरों ने 2 घंटे बाद प्रशांत को वाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बताते चलें कि थाना मोहम्मदाबाद के इंदिरा नगर निवासी प्रशांत राठौड़ उर्फ मोनू (17)पुत्र शंभू दयाल राठौर अपने दोस्त अंकित चौरसिया और राहुल के साथ नरसिंह भगवान जयंती पर गंगा स्नान करने पांचाल घाट आया था। गंगा स्नान करते समय उसका पैर गहरे पानी में चला गया और वह डूबने लगा तो साथियों ने शोर शराबा किया ।शोर शराबा सुनने के बाद मौके पर गोताखोर भी आ गए। मृतक के भाई सोनू का कहना है कि गोताखोरों से मोनू को निकालने के

लोहिया अस्पताल में मौजूद परिजन। अमृत विचार

लिए बहुत कहा गया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। सुबह 6:00 बजे से डूबे मोनू को 8:00 बजे तक नहीं निकालने को तैयार हुए। गोताखोरों ने उनसे 20 हजार रुपये की मांग की। मजबूरन सोनू ने 5 हजार रुपये गोताखोरों को दे दिए, रुपये मिलने के बाद गोताखोरों ने प्रशांत के शव को खोज निकाला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सोनू ने बताया कि मोनू की मोहम्मदाबाद में ऊन व पन्नी की दुकान है। आज भगवान नरसिंह जयंती पर वह अपने दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने आया था। किशोर के शव को लेकर परिजन लोहिया अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक नजर

पड़ोसी ने महिला को पीटकर किया घायल

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव ज्योनी निवासी पीड़ित महिला शारदा ने मंगलवार को एसपी विकास कुमार को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर बताया कि पड़ोसी युवक राजीव कुमार पुत्र छेदलाल ने गाली-गलौज किया। विरोध करने पर राजीव कुमार ने महिला शारदा देवी के साथ मारपीट कर दी। कोतवाली पुलिस से शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूर होकर पीड़ित शारदा देवी ने मंगलवार को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर राजीव कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बीयर की दुकान से चोरी

मोहम्मदाबाद फर्रुखाबाद। इंदिरा नगर निवासी वरुण कुमार सिंह ने थाने में प्रार्थना पत्र दिया है कि उसकी मुरहास कन्हैया पर बीयर की दुकान है। 20 मई की रात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर उसमें रखी 7 पेटी बियर तथा गोलक में रखे 400 रुपये नकद, पॉस मशीन, बैटरी आदि सामान चोरी कर लिया।

हत्यारोपी गिरफ्तार

मोहम्मदाबाद फर्रुखाबाद। हत्या के मामले में वांछित चल रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। 17 मार्च को रंजिश को लेकर नकटपुर निवासी सतपाल की लाठी डंडो से पीट का हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई नेत्रपाल ने गांव के ही सगे भाई संजीव कुलदीप तथा कमल प्रताप, शेर सिंह व भूरे सिंह के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। थाना पुलिस ने मंगलवार को शेर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

जंगली कुत्तों के हमले से 2 घायल, एक गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग अलग स्थानों पर कम्पिल क्षेत्र के गांव रौकरी निवासी शंकर (20) व क्षेत्र के गांव नर्सिंगपुर निवासी जानकी देवी (50) को गांव मे जंगली कुत्तों ने हमला कर गंभीर घायल कर दिया। दोनों के परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद शंकर को लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।

किशोरियों को दी रोग और उनके बचाव की जानकारी

फर्रुखाबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर की किशोरी स्वास्थ्य शिक्षा प्रशिक्षक नीलम मिश्रा ने छात्राओं को विभिन्न रोगों के बारे में बताया। इसके साथ ही उनके बचाव के तरीके भी समझाए। उन्होंने कहा कि माहवारी के समय किशोरियां कपड़े के बजाए नैपकिन का प्रयोग करें। प्रधानाचार्य अनिल सिंह, प्रदीप सिंह, कौशल किशोर, शिवराम सिंह, निशिकांत रहे।

लोकसभा चुनाव की 32 राउंड में होगी मतगणना

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र का सबसे पहले आएगा परिणाम

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। यहां 13 मई को लोकसभा चुनाव में पड़े वोटों की गणना 4 जून को थाना कादरीगेट क्षेत्र में स्थित सातनपुर मंडी समिति में 32 राउंड में की जाएगी। इसके लिए विधानसभावार एआरओ सहित 15-15 टेबल लगाई जाएगी। डाक मतपत्रों की गणना के लिए अलग से 13 टेबल लगाई जाएंगी। सबसे पहले विधानसभा क्षेत्र भोजपुर की मतगणना पूरी होकर परिणाम आएगा।

इस लोकसभा क्षेत्र में 5 विधानसभाएं शामिल हैं। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र व पोस्टल बैलेट की मतगणना शहर की सातनपुर मंडी में 4 जून 2024 को होगी। अलीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना जिला एटा में की जाएगी।थाना कादरीगेट क्षेत्र में स्थित सातनपुर मंडी में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र की मतगणना के लिए आरओ की टेबल सहित 15-15 टेबल लगाई जाएगी। इन पर ईवीएम में पड़े वोटों की गिनती होगी। प्रत्येक टेबल पर 1 काउंटिंग असिस्टेंट, 1 सुपरवाइजर, 1 स्टाफ व 1 माइक्रोआब्जर्वर सहित 4-4 मतगणना कर्मी तैनात होंगे।

इसके अलावा पांचों विधानसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलेट की गणना के लिए 13 टेबल अलग से लगाई जाएगी। इसमे प्रत्येक टेबल पर एआरओ, 2 काउंटिंग असिस्टेंट, 1 सुपरवाइजर व 1 माइक्रो आब्जर्वर मतगणना में लगाए जायेगे। इस हिसाब से कुल 73 टेबल पर मतगणना की जाएगी। कुल 32 राउंड में होने वाली मतगणना में सबसे पहले विधानसभा क्षेत्र भोजपुर का परिणाम आएगा। उसके बाद में कायमगंज का परिणाम घोषित होगा।

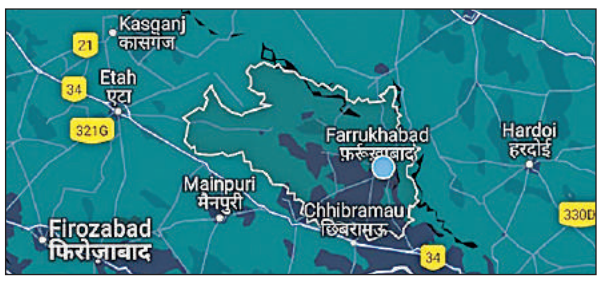

फर्रुखाबाद लोकसभा क्षेत्र का मानचित्र।

किस विधानसभा क्षेत्र में कितने राउंड में मतगणना होगी

विधानसभा क्षेत्र	बूथों की संख्या	टेबल संख्या	मतगणना राउंड
भोजपुर	340	14	25
कायमगंज	439	14	32
अलीगंज	395	14	29
फर्रुखाबाद	392	14	28
अमृतपुर	356	14	26

गिरफ्तार किए गए आरोपी।

फर्जी कागज से बैनामा कराने में पूर्व प्रधान समेत तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी बैनामा कराने के आरोप में पूर्व प्रधान मुफीद खान सहित तीन लोगों को एसओजी टीम और थाना मऊ दरवाजा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। फर्जीवाड़े के आरोप में पकड़े गए तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

एसपी विकास कुमार ने बताया कि वर्ष 2017 में रामपाल भास्कर पुत्र शंकरलाल निवासी गांव अमेठी जदीद थाना कादरीगेट को जमीन रामपाल भास्कर पुत्र श्री कृष्णा निवासी गांव चांदपुर ने कूटरचित साजिश के तहत आधार कार्ड व मतदाता पहचान पत्र बनवा लिया और उसकी जमीन का बैनामा सुमन पत्नी रामऔतार के द्वारा करा दिया गया। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की थी। कूटरचित साजिश रचने में सुमन पत्नी रामऔतार निवासी खानपुर, पूर्व प्रधान मुफीद खान निवासी अमेठी जदीद, रामपाल पुत्र सोनपाल निवासी धर्मनगरिया, रामऔतार निवासी खानपुर, जाहिद खां निवासी हाथाशरीफखां भीकमपुर, ने षडयंत्र रचा। पीड़ित की जमीन का विक्रय अनुबंध पत्र सुमन पत्नी रामऔतार निवासी खानपुर के नाम बनवा लिया गया। पीड़ित रामपाल पुत्र शंकरलाल ने इस बात की शिकायत की। 3 अप्रैल 2017 से चल रहे इस मुकदमे में मंगलवार को थाना मऊदरवाजा प्रभारी निरीक्षक अमित गंगवार, एसओजी टीम प्रभारी जितेंद्र पटेल, सर्विलांस प्रभारी विशेष कुमार व उनकी टीम ने रामपाल भास्कर, जिआउल रहमान उर्फ मुफीद व सियाराम पाल को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

प्रधानाचार्य नव नियुक्त शिक्षकों का सत्यापन करें

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिला विद्यालय निरीक्षक ने समस्त अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वह नवनियुक्त प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन जल्द करवा लें।

डीआईओएस नरेंद्र पाल सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड से वर्ष 2021 में एडेड कॉलेजों में चयनित होकर आए प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन संबंधित बोर्ड व विश्वविद्यालयों से जल्द से जल्द करा लें। सत्यापन न होने के चलते इन शिक्षकों का पूर्व का वेतन आहरित नहीं हो पा रहा है। कार्यालय स्तर से इन सभी शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेख सत्यापन के लिए भेजे जा चुके हैं, लेकिन अधिकतर विश्वविद्यालयों व बोर्ड द्वारा ऑनलाइन माध्यम से सत्यापन किया जाना है, जिसमें फीस भी ली जा रही है। ऐसे में प्रधानाचार्य संबंधित बोर्ड व विश्वविद्यालय से अभिलेखों का सत्यापन कराते हुए आख्या समेत डीआईओएस कार्यालय सूचना दें।

पेड़ से टकराई स्कूली बच्चों से भरी बोलेरो

संवाददाता क़ायमगंज फर्रुखाबाद

अमृत विचार। स्कूली बच्चों को लेकर जा रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में छह बच्चे घायल हो गए। गनीमत रही कि बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक मौके पर पहुंच गए। चालक मौके से भाग गया।

कंपिल थाना क्षेत्र के सिवारा मुकुट में एक निजी विद्यालय है। इस विद्यालयों में बच्चों को लाने व ले जाने के लिए बोलेरो लगी है। मंगलवार को बोलेरो चालक स्कूली बच्चों को लेकर तेज रफ्तार से स्कूल जा रहा था। गौरखेड़ा मार्ग पर बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े खजूरों के पेड़ों से

दुर्घटनाग्रस्त बुलेरो। अमृत विचार

टकरा गई। गनीमत रही कि तीसरे पेड़ से जब बोलेरो टकराई तो वह रुक गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। वहीं तेज धमाका सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। बोलेरो के अंदर मौजूद चीख-पुकार मचा रहे बच्चों को ग्रामीणों ने बाहर निकाला। सूचना पर बच्चों के अभिभावक भी मौके पर पहुंच गए। दुर्घटना में गौरखेड़ा निवासी बालकराम दीक्षित की पुत्री जाह्नवी के अलावा पूजा, डौली और बालकराम के तीन बच्चे बच्चे घायल हो गए। अभिभावकों ने घायल बच्चों का नर्सिंग होम में इलाज कराया। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बावजूद स्कूल प्रबंधक व प्रधानाचार्य और शिक्षक आदि मौके पर नहीं पहुंचे। इससे अभिभावकों में रोष व्याप्त था।

- हादसे में छह बच्चे घायल हो गए, अभिभावकों ने नर्सिंग होम में इलाज कराया

सार-संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

फर्रुखाबाद। थाना शमशाबाद क्षेत्र में बाग की रखवाली कर रहे पिता को बाइक से खाना देने जा रहा युवक मार्ग दुर्घटना में घायल हो गया। थाना क्षेत्र के मोहल्ला सैदाबाड़ा निवासी रजी खा का पुत्र रवि अपनी बाइक से फैजबाग स्थित बाग की रखवाली कर रहे पिता रजी खां को खाना देने जा रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने रवि की बाइक में टक्कर मार दी ।जिसमें बाइक सवार युवक रवि गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने आनन फानन में जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में भर्ती कराया। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल युवक रवि को लाया गया है ।हालत गंभीर है भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है।

तथाकथित साधू की अश्लील फोटो वायरल

फर्रुखाबाद। थाना राजेपुर क्षेत्र के एक गांव में रह रहे तथाकथित बाबा की कुछ अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस को अभी मामले में कोई तहरीर नही मिली है। अमृत विचार वायरल फोटो की पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के मुताबिक खुद को जनपद गोरखपुर का बताने वाला एक तथाकथित बाबा बीते लगभग एक दशक से रह रहा था। बाबा फोटो वायरल होनें के बाद फरार बताया जा रहा है। लगभग दो सप्ताह से बाबा भूमिगत है। उसकी कई महिलाओं के साथ कथित अश्लील फोटो वायरल हो रही है। थानाध्यक्ष राजेपुर रणविजय सिंह ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नही मिली है। फोटो वायरल होने की जानकारी उनके पास नही है। तहरीर मिलने पर जांच कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

बाइकों की भिड़ंत में पिता-पुत्री घायल

क़ायमगंज फर्रुखाबाद। क़ायमगंज कोतवाली क्षेत्र में बाइको की भिड़ंत में पिता-पुत्री घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पड़ोसी जिला कासगंज के थाना अमापुर के रानीमऊ निवासी शिवनारायण(34) कम्पिल क्षेत्र के गांव मेदपुर स्थित ससुराल से मंगलवार को अपनी 10 साल की बेटी अंशिका को बाइक से लेकर अपने घर जा रहे थे। जब वह सिवारा मार्ग पर पहुचे। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने सामने से टक्कर मार दी। जिससे पिता व पुत्री गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को देखकर राहगीरों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। जिसपर मौके पर पहुंचकर ईएमटी अनुपम व पालयट रवी शंकर ने घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां बेटी की हालत गम्भीर देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध कैसे होगी जीत की दी जानकारी

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ वीकेसिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान की बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में बीएसए ने बताया कि 568 विधालयो में से 427 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चिल्ड्रन क्लब स्थापित किये गए है ।जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया गया कि 283 स्कूलों में से 225 स्कूलों में क्लब का गठन हो गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि शेष सभी विद्यालयों में एक महीने के अंदर चिल्ड्रेन क्लबो का गठन कर प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाये। औषधि निरीक्षक ने अवगत कराया कि जिले में 2371 मेडिकल स्टोर है। जिनमें से 810 स्टोर में सीसीटीवी कैमरे लग गये है। शेष में एक महीने में लग जायेंगे, जिला आबकारी अधिकारी ने अवगत कराया कि जिले की सभी मादक पदार्थों की दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे है व 12 जून मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि आरोग्य मेलो में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम कराये जाये, बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेन्द सिंह व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दुकानदारों में मारपीट, दो लोग गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र में दो दुकानदारों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती निवासी छोटेलाल कसबे में गोलगप्पे की ठेली लगाते हैं। ठेली पर महावीर काम करता है। बीती रात मोहल्ले के ही कुछ लोग महावीर के पास आए और कहा कि वह उसकी ठेली पर काम करे। मना करने पर वह लोग गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर हमलावरों ने महावीर को पीटना शुरू कर दिया। बचाने आई महावीर की पत्नी रेखा और उसके साथी अनार सिंह को भी हमलावरों ने पीट दिया। छोटेलाल ने अंकित, चंद्रशेखर और सुभाष के खिलाफ एनसीआर दर्ज कराई। पुलिस ने सुभाष व चंद्रशेखर को गिरफ्तार कर लिया है।

पंचायत राज कर्मचारियों को मंडल स्तर पर भी मिलेगा प्रशिक्षण

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र में पंचायत राज कर्मचारियों व अधिकारियों को अब मंडल स्तर पर भी प्रशिक्षण मिलेगा। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर माती में प्रशिक्षण होगा। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत घरेलू शौचालयों के उपयोग, कूड़ा निस्तारण केंद्रों के प्रभावी संचालन व मातृभूमि योजना से जुड़े बिंदुओं पर पंचायत राज निदेशालय लखनऊ में 17 मई को प्रशिक्षण हुआ था। जिसमें सहायक विकास अधिकारी पंचायत, खंड प्रेरक ,कंप्यूटर आपरेटर आदि शामिल हुए थे। अब 28 मई को मंडल स्तर पर प्रशिक्षण होगा। जिसमें खंड प्रेरकों,जिला कंसल्टेंट,सहायक विकास अधिकारी पंचायत के तैयार किए गए एप के संचालन के बारे में भी बताया जाएगा। कानपुर मंडल के उप निदेशक पंचायत गिरीशचंद्र की ओर से इस संबंध में पत्र खंड विकास अधिकारी कार्यालय को पत्र प्राप्त हुआ है।

टायर फटने से टैम्पो पलटा, एक गंभीर

अमृतपुर फर्रुखाबाद। अमृतपुर- थाना क्षेत्र के आसमपुर के निकटफर्रुखाबाद से अमृतपुर की तरफ आ रहे टेंपो का टायर फट जाने से टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। टैम्पो चालक अनिल निवासी राजपुर ने बताया की वह परचून का सामान रतनपुर पमारान व राजपुर की दुकानों के लिए भरकर ले जा रहा था। चालक का बहनोई रामजीत निवासी कलान जो आधार कार्ड बनवाने के लिए फर्रुखाबादगया था। वह टैम्पो पर सवार था। टेंपो पलटने से रामजीत नीचे दब गया। ग्रामीणों ने दौड़कर युवक को बाहर निकाला तथा थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर भेज दिया ।हालत गंभीर होने पर ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने घायल को राम मनोहर लोहिया रेफर कर दिया।

सेवानिवृत्त शिक्षक बकाया के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

फर्रुखाबाद। शासन के आदेश के बावजूद न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) के तहत 31 मार्च 2024 या उससे पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके शिक्षक व शैक्षणिक कर्मचारी एनपीएस के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं कर रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वह सेवानिवृत्त हो चुके शिक्षकों व शैक्षणिक कर्मचारियों से ऑनलाइन आवेदन करने को कहें। शासन ने आदेश दिए थे कि 31 मार्च 2024 या उससे पहले सेवानिवृत्त हो चुके शिक्षक व शैक्षणिक कर्मचारी अपने लॉगिन से जिला विद्यालय निरीक्षक के लॉगिन पर सेवानिवृत्त से संबंधित प्रक्रिया पूर्ण करते हुए दो प्रतियां डीआईओएस कार्यालय में जमा करें, जिससे उनके सेवानिवृत्त देयकों से संबंधित प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। मगर सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्रक्रिया नहीं अपनाई है। जिला विद्यालय निरीक्षक नरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि उन्होंने सभी प्रधानाचार्यों को प्रक्रिया पूर्ण कराने का निर्देश दिया है

गर्मी का कहर | पारा 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचा, आसमान से बरस रही आग की वजह से मूंगफली की फसल सूख कर गिरने लगी

भीषण गर्मी से लोग ही नहीं मूंगफली की फसल भी 'झुलस' रही

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले में पारा 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाने की वजह से जनजीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है। हालात यह है कि लोगो को घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में जहां डाक्टर आम जनता को लू से बचाव के उपाय बता रहे है। वही जिला कृषि अधिकारी फसलों के बचाव के तरीके बता रहे है। जिले के जाने माने डाक्टर केएम द्विवेदी ने आम जनता से कहा है कि धूप में न निकले नहीं तो लू के शिकार हो सकते है । उन्होंने कहा कि धूप में निकलने से वैसे तो हर व्यक्ति को बचना चाहिए विशेष कर रोगी तथा बच्चे लू लगने का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में धूप के समय रोगियों और बच्चों को पूरी तरह से

खेतो में सूख रही मूंगफली की फसल। अमृत विचार

बचाव करना चाहिए।

डाक्टर द्विवेदी ने बताया कि बच्चे फूल की तरह होते हैं जिस तरह से एक बार फूल के मुरझा जाने पर उसे उसकी वास्तविक स्थिति में नहीं लाया जा सकता। इसी तरह से बच्चों को लू लगने के बाद उन्हें ठीक करना मुश्किल हो जाता है। उनके अंदर बहुत जल्दी पानी की कमी हो जाती है ।इस वजह से इस भयंकर गर्मी से बच्चों और रोगियों तथा वृद्ध लोगों को बचना चाहिए वैसे हर आयु पर के व्यक्ति के लिए गर्मी हानिकारक है। इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए ।जिला कृषि अधिकारी वीके सिंह ने कहा कि बढ़ रही सूरज की तपिश में मूंगफली,उर्द, मूंग, गन्ना और मक्का की फसलों को सिंचाई करते रहना चाहिए। इन फसलों के खेतों की नमी नहीं दूर होना चाहिए। नमी दूर होने से मक्का तथा गन्ना की फसल सूख सकती है। बताते चले की जिले में तकरीबन 1000 हेक्टेयर भूमि पर आलू खोदने के बाद मूंगफली की फसल तैयार की गई थी। यहां चल रही गर्म हवाओं और आसमान से बरस रही आग की वजह से मूंगफली की फसल सूख कर गिरने लगी है। और खेतों में ही सूखने लगी है। आलू किसानों को उम्मीद थी की मूंगफली की फसल से उन्हें खासा मुनाफा होगा। लेकिन भीषण गर्मी ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया है। और मूंगफली खेतों में ही सूखने लगी है। पारा 44 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाने की वजह से खेतों में ही मूंगफली सूख गई है। आज पारा 44 डिग्री अधिकतम और 29 डिग्री न्यूनतम रिकॉर्ड किया गया। जबकि मौसम विभाग के अनुसार 21 मई को पारा 44 डिग्री और 22 मई को 44 डिग्री रहेगा ।इन दो दिनों में भीषण गर्मी रहेगी23 मई को पारा नीचे गिरकर 42 डिग्री पर पहुंच जाएगा तब तक लोगों को अपनी फसलों को बचाने के लिए उनमें पानी लगाते रहना चाहिए और हर व्यक्ति को इस भीषण गर्मी से बचाव करना चाहिए। भीषण गर्मी में भूलकर भी बाहर नहीं निकलना चाहिए यदि निकलने का प्रयास किया तो लू लग सकती है ।लू जान लेवा साबित हो सकती है ।इस वजह से इसका बचाव करने की बहुत जरूरत है ।लोगों का कहना है कि यहां पड़ रही भीषण गर्मी का मक्का मूंगफली की फसलों पर काफी बुरा असर पड़ा है। इनको बचाना किसानों को भारी पड़ रहा है। जिला कृषि अधिकारी बीके सिंह ने कहा है कि गर्मी से फसलों को बचाना बहुत मुश्किल होता है गर्मी की वजह से पौधे मुरझा जाते हैं इस मौसम में मई और जून में सबसे ज्यादा फसलों को बचाने के लिए किसानों को मेहनत करनी चाहिए। जून के बाद मानसून आ जाता है और किसानों को फिर उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती है। इस वजह से मई और जून महीने में फसलों को ही नहीं बल्कि अपने तथा अपने बच्चों को भी किसानों को धूप से जरूर बचाना चाहिए ।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते ।
मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते ॥

धर्म का रक्षण सत्य से, विद्या का अभ्यास से, रुप का सफाई से,
और कुल का रक्षण आचरण करने से होता है ।

संपादकीय

रईसी के बाद ईरान

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत से पश्चिम एशिया सदमे में है। राष्ट्रपति की मौत ईरान के सबसे चुनौतीपूर्ण समय में हुई है। ईरान पहले से ही अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से त्रस्त अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए जूझ रहा है और सामाजिक तनाव को शांत करने की कोशिश कर रहा है। परमाणु समझौता खत्म हो चुका है। गाजा युद्ध में हालिया वृद्धि ने गंभीर सुरक्षा चिंताओं को जन्म दिया है और कई साजिश सिद्धांतों को हवा दी है। ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बहुत बढ़ा हुआ है और ईरान, अपने रूस और चीन जैसे साझीदारों के साथ सत्ता की खेमेबंदी के नए दौर में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। देश के रूढ़िवादी हलकों में रईसी के व्यापक प्रभाव ने उन्हें ईरान के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बना दिया था। ईरान के सवाल को लेकर क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तनावों के बावजूद, इब्राहिम रईसी का निधन, इस क्षेत्र में ईरान की अपनी नीतियों से कहीं ज्यादा उसकी अंदरूनी सियासत पर असर डालने वाला है। इब्राहिम रईसी की अचानक मौत के बाद, अगले 50 दिनों के दौरान जब तक ईरान नया राष्ट्रपति चुनेगा, वो ईरान की राजनीति के लिहाज़ से बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

नए चुनाव होने तक उपराष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर कार्यवाहक राष्ट्रपति रहेंगे। आगे चलकर ईरान की सियासत में सत्ता के तमाम केंद्र अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आपस में खींचतान करेंगे। भू-राजनैतिक तनावों के मद्देनजर, रईसी की मौत से साजिश के सिद्धांतों को भी बढ़ावा मिल सकता है जिससे इस इलाके में आग और भड़क सकती है। इस हादसे का असर पश्चिम एशिया की राजनीति पर गहराई से पड़ेगा। ईरान और भारत के बीच गहरे संबंध हैं। रईसी की मौत भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह के संचालन को लेकर हुए समझौते के बाद हुई है। इस समझौते के बाद भारत को चाबहार के संचालन का अधिकार अगले 10 सालों के लिए मिल गया है। समझौते के बाद अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी थी। जिस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि यह बंदरगाह पूरे क्षेत्र को लाभान्वित करेगा और अमेरिका को इस मामले में संकीर्ण दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए। हो सकता है कि रईसी की मौत की वजह से होने वाले सत्ता परिवर्तन का उसकी भू-सामरिक योजनाओं पर बहुत व्यापक या सीधा असर न पड़े। घरेलू, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों की पृष्ठभूमि के बीच हुई रईसी की मौत के सदमे से ईरान को उबरने में वक्त लगेगा। रईसी की मौत से क्षेत्र में और अस्थिरता पैदा होने का खतरा है, ऐसे में ईरान के सामने भी नाजुक स्थिति से निपटने की चुनौती है।

कोवैक्सीन और स्यूडो-साइंस की मनोवृत्ति

रणवीर सिंह फोगाट
सेवानिवृत्त अधिकारी
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
आईसीएमआर

इस वैक्सीन को (बीबीवी अर्थात, भारत बायोटेक वैक्सीन) भारत बायोटेक कंपनी और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ वायरोलॉजी (एनआईवी-भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्) ने संयुक्त रूप से विकसित किया था और कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण से बचाने के लिए प्रतिरक्षा हेतु भारत में इसकी करोड़ों खुराक व्यस्क व्यक्तियों को लगाई गई थी।

'कोवैक्सीन' का टीका मनुष्य को लगाने के बाद स्वास्थ्य पर दीर्घकाल में होने वाले विपरीत प्रभावों पर 'लांग टर्म सेफ्टी एनालिसिस ऑफ़ बीबीवी-152 कोरोना वायरस वैक्सीन इन एडोलिसेंट्स एंड एडल्ट्सः फाइंडिंग्स फ्रॉम ए वन-इयर प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन नार्थ इंडिया' शीर्षक से एक अध्ययन को 'ड्रग सेफ्टी' जर्नल के 13 मई 2024 के अंक में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से संबद्ध इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में कार्यरत दस विज्ञानियों ने प्रकाशित किया है। उक्त टीका ग्रहण करने के बाद के दुष्प्रभावों का अध्ययन किशोर, युवा और वयस्कों पर किया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् में इस अध्ययन को इस आधार पर खारिज किया कि इस शोध की प्रक्रिया दोषपूर्ण है। भारत और विदेश के मीडिया हलकों में इसे बहुत गंभीरता से देखा गया है। शोध की गुणवत्ता पर आरोप लगने के बाद लेखकों ने संदर्भ हेतु परिषद् का नाम इस्तेमाल करने पर खेद व्यक्त किया है।

इस वैक्सीन को (बीबीवी अर्थात, भारत बायोटेक वैक्सीन) भारत बायोटेक कंपनी और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ वायरोलॉजी (एनआईवी-भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्) ने संयुक्त रूप से विकसित किया था और कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण से बचाने के लिए प्रतिरक्षा हेतु भारत में इसकी करोड़ों खुराक व्यस्क व्यक्तियों को लगाई गई थी। कोवैक्सीन को 78 प्रतिशत तक प्रभावी पाने के बाद आपातकालीन उपाय के रूप में 3 जनवरी सन 2021 को भारत सरकार ने और नवंबर सन 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे आमजन के लिए प्रयोग करने की अनुमति प्रदान की थी। कोवैक्सीन टीका विकास में लगे हुए शोधकर्मियों ने बड़ी संख्या में पहले तो कोरोना वायरस प्रयोगशाला में पैदा किया, फिर बीटा-प्रोपिओलेक्टोन का इस्तेमाल करके इन्हें निष्क्रिय किया गया। निष्क्रिय किए गए इस वायरस में वायरस की रचना और वृद्धि के जरूरी प्रोटीन्स और 'स्पाइक्स' (वायरस की सतह पर मौजूद रिसेप्टर्स) को क्षति नहीं पहुंची। इन विषाणुओं की खेप को एल्युमीनियम के एक कंपाउंड से लेप दिया गया ताकि इसे शरीर में इंजेक्ट करने के बाद हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाएं इनके विरुद्ध सक्रिय होकर आवश्यक संख्या में प्रतिपिंडों का निर्माण करके हमारी रक्त वाहिकाओं के जरिये कहीं भी सर्कुलेट कर सकें और संक्रमण से रक्षा हो सके।

ड्रग्स और वैक्सीन्स को तत्परता से आपातकाल में इस्तेमाल करने के प्रोटोकॉल और तकनीक पिछले दसेक साल से बदल गई हैं। पुरानी पद्धति में क्षीण किए हुए (इटेन्युएटेड) या मृत (किल्ड होल वायरस) विषाणु का इस्तेमाल करके टीका विकसित किया जाता था जैसे कि वैक्सिनिया वायरस का इस्तेमाल करके चेचक के विरुद्ध प्रतिरक्षा किए जाने के लिए विकसित किया गया टीका। इसमें कई वर्ष लगते थे। टॉक्सिसिटी स्टडीज के बाद फेज़ 2 से फेज़ 4 तक मनुष्य पर क्लिनिकल परीक्षण के लिए सेफ्टी प्रोटोकॉल, एथिकल कमेटी की क्लीयरेंस और स्टडी का 'डबल ब्लाइंड' होना जरूरी समझा गया। डबल ब्लाइंड स्टडी में न तो ह्यूमन सब्जेक्ट्स को और न ही शोधकर्मियों को मालूम होता है कि किसे वास्तविक दवा या टीका लगाया गया है और किसे 'प्लेसिबो' दिया गया है। इसके लिए 'एक्सपेरिमेंटल' और 'कंट्रोल' दो ग्रुप बनाए जाते हैं। कंट्रोल ग्रुप के व्यक्तियों को प्लेसिबो और एक्सपेरिमेंटल ग्रुप को वास्तव में ही सही दवा दी जाती है। दवा और प्लेसिबो पर कोडमार्किंग होती है। बाद में एनालिसिस होती है जिसमें मेडिकल स्टेटिस्टिशियंस जांच करके दवा की एफिकेसी अर्थात प्रभावोत्पकता को प्रतिशत में अभिव्यक्त करके स्टडी को वेलिडेट करते हैं। यह डाटा 'स्टेटिस्टिकली सिग्निफिकेंट' होना चाहिए जिसका अर्थ गहरा होता है और यह निर्णय करने में महत्वपूर्ण होता कि ड्रग या वैक्सीन को आमजन में इस्तेमाल करने के लिए जारी करना उपयुक्त है या नहीं। भारत में मनुष्य पर क्लिनिकल परीक्षण करने से पहले क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री में ट्रायल से संबंधित डाटा जमा करके अनुमति लेनी होती है। देखा जाता है कि एथिकल कमेटी ने किस आधार पर क्लिनिकल परीक्षण की अनुमति दी है। ऐसा करते हुए स्टडी डिजाईन को देखना बहुत जरूरी है जो ड्रग डेवलपमेंट और बायो-सेफ्टी एक्सपर्ट्स देख लेते हैं। इसका पालन करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की सन 2005 में जारी 'हैंडबुक फॉर गुड क्लिनिकल रिसर्च प्रैक्टिस' को न केवल फॉलो करना होता है बल्कि भारत में आईसीएमआर द्वारा अप्रैल 2020 में जारी की गई कोविड संबंधी शोध के लिए विशेष तौर से तैयार 'नेशनल गाइडलाइन्स फॉर एथिक्स कमेटीज़ रिवियुइंग बायोमेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च ड्यूरिंग कोविड-19 पैंडेमिक' के साथ-साथ सन 2017 में जारी की गई 'नेशनल एथिकल गाइडलाइन्स फॉर बायो मेडिकल रिसर्च इन्वोल्विंग चिल्ड्रन' एवं इसी साल संशोधित रूप से जारी की गई 'नेशनल एथिकल गाइडलाइन्स फॉर बायो मेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च इन्वोल्विंग ह्यूमन पार्टिसिपेंट्स' को अनिवार्य रूप से नियमपूर्वक मानना जरूरी किया गया।

कोवैक्सीन के विकास के तुरंत बाद इस पर भारत में ही सन 2021 में बहुत से क्लिनिकल परीक्षण इसकी इम्यूनोजेनेटिसिटी और सेफ्टी एंड एफिकेसी को लेकर हुए। इस बारे में इन्टरनेट रिसोर्सेज पर काफी साहित्य उपलब्ध है। यह खेद की बात है कि मीडिया के अपने अधिकतर लोग और अनेक शोधकर्मी देश के सबसे पुराने, भरोसेमंद और नियमित रूप से प्रकाशित विख्यात बायो-मेडिकल जर्नल'इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च' के अंक नहीं देखते-पढ़ते और ऐसी सूचनाओं के लिए विदेशी मीडिया पर निर्भर करते हैं जो कि भारत के लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित होती हैं। ऐसे बहुत से भारतीय पत्रकारों को मैं जानता हूं जो विदेश के साइंस मीडिया के लिए काम करते हैं और पहली रिपोर्ट उन्हें ही देते हैं। इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (बीएचयू) के शोधकर्मियों ने टीकाकरण होने के बाद 1023 व्यक्तियों को एक साल तक निगरानी में रखने की सहमति ली। हम इस अध्ययन को पूरे तौर से क्लिनिकल परीक्षण नहीं कह सकते क्योंकि शोधकर्मियों ने इसे खुद ही 'प्रोस्पेक्टिव ओब्सेर्वेशनल स्टडी' अर्थात एक 'संभावना की जांच हेतु अध्ययन' कहा है। इससे पहले निश्चित रूप से इन्होंने ख्याति प्राप्त मेडिकल और बायो-मेडिकल जर्नल्स में से वे अधिकतर अध्ययन जरूर देखे-पढ़े होंगें जिनमें कोरोना वायरस और इसके विभेदों के कारण उत्पन्न हुए संक्रमण के प्रभावों के अलावा टीकाकरण के उपरांत उत्तर भारत में टीकाकृत व्यक्तियों में हुए शारीरिक विषमताओं की बाबत रिपोर्ट हुई। इनके बारे में मेडिकल जर्नल्स में अध्ययन भी प्रकाशित हुए। आईसीएमआर ने तो इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च में कोविड-19 के बारे में अनेक पहलुओं से अनेक लेखों का प्रकाशन सन 2020 के बाद से किया है। ये सभी अध्ययन भारतीय लोगों पर किए गए हैं और इनमें महामारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा है। इन अध्ययनों का प्रकाशन विद्वत्त समीक्षा के उपरांत ही किया गया है। बीएचयू के अध्येताओं उपिन्दर कौर, आकांक्षा जायसवाल और साथियों ने टीकाकरण के उपरांत जनवरी 2022 से अगस्त 2023 के बीच 1023 सभी रेक्रुइट्स में से इन्हें कुल 926 व्यक्तियों का रेस्पोंस मिला जिनसे सिर्फ टेलीफोन पर बातचीत की गई थी। अर्थात, इनके मेडिकल रिकार्ड्स नहीं देखे गए, क्लिनिकल जांच की व्यवस्था नहीं की गई और डाटा एनालिसिस का क्या तरीका अपनाया गया इसकी कोई जानकारी भी दर्ज नहीं है। हो सकता है मौखिक बताए गए शारीरिक दोषों की वजह कुछ और रही हो। वेरिएबल्स को या और स्टैटिस्टिकल दोषों को किस पद्धति को अपनाकर निरस्त किया गया यह स्पष्ट नहीं किया गया।

'कनफ्लिक्ट ऑफ़ इंटरेस्ट' से संबंधित स्पष्टीकरण इस शोध अध्ययन में दिया गया। इस अध्ययन के डिजाईन में अगर खोट था तब इस बात को लेकर ताज्जुब है कि इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज की आचार संहिता कमेटी ने इसकी एप्रूवल 'डीन/2021/ईसी /2526' और 'डीन/2022/ईसी/3210' की मार्फ़त कैसे दी? दूसरी प्रमुख बात यह कि अध्ययन को प्रकाशित करने वाले 'ड्रग सेफ्टी' जर्नल के जिन सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स को यह पेपर रिव्यु के लिए भेजा गया था इनकी कमेंट्स के बारे में कोई सूचना उपलब्ध क्यों नहीं है। क्या विद्वत्त समीक्षकों ने लापरवाही की है? ऐसे पेपर्स स्यूडो-साइंस के दायरे में आते हैं। इससे जर्नल की ख्याति पर ही नहीं भारत बायो-टेक, आईसीएमआर की प्रतिष्ठा, भारत में बायो-मेडिकल अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता पर अंगुली उठाए जाने का मौक़ा मिलने के अलावा देश की फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री की कार्य प्रणाली और ड्रग रेगुलेटर पर भी पर शक होने का ख्याल किसी के मन में आ सकता है। इससे हमारे देश में औषधि और टीका विकास एवं निर्माण और इनकी मार्केटिंग पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। जाहिर है शोध अध्ययन की प्रक्रिया में सतर्कता नहीं बरती गई।

प्रसंगवश

बेपरवाही और आत्ममुग्धता

भीषण गर्मी है। आरामतलब मतदाताओं को घर से बाहर निकालने के लिए घर घर संपर्क की जरुरत है। मगर घोर शांति है।

इतना मौन तो मतदाता कभी न था। दरअसल वह एक उलझनभरी मनःस्थिति का शिकार है। एक तरह की किंकर्तव्यविमूढ़ता! क्या करे? कहां जाय? एक ओर मोदी मैजिक है दूसरी ओर खड़े किए गए प्रत्याशियों का नकारापन। एक तीसरा पहलू है विकल्पहीनता की स्थिति। विपक्ष धराशायी सा है। ऐसे हालात में मतदाता त्रिशंकु की बेबसी लिए अगले चरण के मतदान की तारीख को पास आता देख रहा है। अनिश्चय में है।

प्रत्याशियों के नकारेपन के अनवरत फीडबैक के चलते एक हालिया इन्टरव्यू में मोदी जी को स्पष्ट करना पड़ा कि उनका प्रत्याशी और कोई नहीं केवल कमल है और मतदाता बस कमल पर मुहर लगाएं। यह एक पावरफुल संदेश है किंतु कितना कारगर होगा नतीजे बताएंगे।

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

मगर कई प्रत्याशियों का नकारापन इस बार हावी होता दिख रहा है। ऐसे प्रत्याशी जो जीते तो कभी जनता के बीच नहीं गए। ये ऐसी शख्सियतें हैं कि इनकी नकारात्मकता मोदी मैजिक पर भी भारी पड़ रही है। यह मोदी युग के इस तीसरे चुनाव का एक उल्लेखनीय ऐंगल है। दूसरी ओर विपक्षी खेमा चुनाव के बढ़ते चरणों में उत्तरोत्तर उत्तर प्रदेश में हावी होता दिख रहा है। संविधान बदलने का खतरा और कोविड वैक्सीन की मारकता। और भी अल्ल बल्ल फैलाया जा रहा है। कमल ही प्रत्याशी है यह वाक्य कितना कारगर होगा? यह मंत्र कितने मतदाताओं तक पहुंचा है? और यह जिम्मेदारी किसकी है कि मोदी का यह संदेश घर घर तक जा पहुंचे। समर अभी शेष है। भीषण गर्मी है। आरामतलब मतदाताओं को घर से बाहर निकालने के लिए घर घर संपर्क की जरुरत है। मगर घोर शांति है। जैसे मुतमईन हों भाजपा प्रत्याशी कि मोदी जी इस बार भी चुनावी वैतरणी पार करा ही देंगे। क्यों पसीना बहाना? लू के लपेटे में क्यों आना? ऐसी बेपरवाही, आत्ममुग्धता के परिणाम क्या अच्छे होने हैं?

बढ़ता तापमान आर्थिकी के लिए घातक

ऋषभ मिश्रा
सहायक प्रोफेसर,
केआईटी, कानपुर

गौरतलब है कि 2048 तक दुनिया के औसत तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। साथ ही बर्फ पिघलने से बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं।

वर्ष 2023 भारत के लिए अब तक का दूसरा सबसे गर्म वर्ष था। अब तक का सर्वाधिक गर्म साल 2016 रहा है। अगर वैश्विक स्तर पर बात करें तो पिछले बारह महीनों (अप्रैल 2023 - मार्च 2024) में वैश्विक औसत तापमान 1991-2020 के औसत से 0.70 डिग्री सेल्सियस अधिक रिकॉर्ड किया गया है। वर्ष 2024 में वैश्विक सतह का तापमान 20 वीं सदी के औसत तापमान से 1.35 डिग्री सेल्सियस अधिक है। एक शोध के अनुसार इस बात की 55 फीसदी आशंका है कि 2024 इतिहास में सबसे गर्म वर्ष के रूप में रिकॉर्ड हो सकता है। वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) और जलवायु परिवर्तन का किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर मूलतः दो तरीकों से प्रभाव पड़ता है।

बढ़ते तापमान और बेमौसमी बारिश से फसलों को बहुत नुकसान पहुंचता है। इससे उपज कम हो जाती है और बाजार में मांग बढ़ती है। जिसका सीधा संबंध महंगाई से है। उसके अलावा ऐसे नुकसान से निपटने के लिए राहत और बुनियादी ढांचे पर जो खर्च होता है उसका नतीजा तमाम लोगों के लिए करों में वृद्धि के रूप में निकलता है। फिर फसलों की कम पैदावार हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को भी प्रभावित करती है। क्योंकि सरकार उन फसलों के निर्यात पर पाबंदी लगा देती है जिनकी उपज कम होती है। साल 2022 में बढ़ते तापमान की वजह से गेहूं का उत्पादन कम हुआ था और इस कारण से भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। जनवरी 2024 तक भारत में चीनी उत्पादन 5.28 प्रतिशत कम आंका गया है। जिसका प्रमुख कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की उपज का कम होना माना गया है। भारत पिछले छह वर्षों से चीनी का निर्यातक रहा है। लेकिन अब विश्लेषक कयास लगा रहे हैं कि शायद अगले साल तक भारत को चीनी आयात भी करनी पड़ सकती है। बढ़ती गर्मी और विभिन्न चरम मौसमी घटनाओं का सीधा असर श्रम प्रधान क्षेत्रों पर बहुत ज्यादा पड़ेगा। इससे खेती-बाड़ी निर्माण गतिविधियों परिवहन और पर्यटन कारोबार खासे प्रभावित हो सकते हैं। दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर असर हो सकता है। 'अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन' का अनुमान है कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का सबसे अधिक सामना कृषि और निर्माण श्रमिकों को करना पड़ेगा। भारत में बढ़ती गर्मी के परिणामस्वरूप 2030 तक काम के घंटों में 5.8 प्रतिशत तक की गिरावट आने का अनुमान है। जो करीब 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के नुकसान के बराबर होगा। इससे जीडीपी में अनुमानित 2.50 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। बढ़ता तापमान कच्चे माल यानी कृषि उपज और श्रम पर प्रभाव डालने के साथ औद्योगिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है। इसमें महत्वपूर्ण औद्योगिक बुनियादी ढांचे को प्रत्यक्ष नुकसान मानव संसाधन की उपलब्धता एवं उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव और कच्चे माल के भंडारण से सम्बंधित परिचालन लागत में वृद्धि शामिल है। उद्योगों को पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी में अधिक निवेश करना पड़ सकता है। जिससे उत्पादन की लागत बढ़ जाएगी। इसके अतिरिक्त समुद्र का बढ़ता स्तर बाढ़ चक्रवाती तूफ़ान भूस्खलन आदि सड़क रेलवे और समुद्री मार्गों जैसे परिवहन साधनों को सीधे प्रभावित करेंगे। जिससे भी आपूर्ति श्रंखला बाधित हो सकती है। पिछले वर्ष 4 अक्टूबर को सिक्किम के चुंगथांग में 1200 मेगावाट की तीस्ता जलविद्युत परियोजना का 60 मीटर ऊंचा कंक्रीट बांध हिमानी झील के फटने से आई बाढ़ में ढह गया था। इस तरह की घटनाओं की आशंका और भी बढ़ेगी जिसका असर समग्र विकास पर पड़ेगा। वस्तुतः किसी भी गंभीर समस्या का समाधान राजनीतिक इच्छाशक्ति के बगैर संभव नहीं है। हमारे देश की राजनीतिक चेतना में जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान का मुद्दा कितने हाशिये पर है इसे समझने के लिए दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों पर नजर डाली जा सकती है। सत्तारूढ़ भाजपा ने पर्यावरण को अपने घोषणा पत्र में पेज नंबर 71 पर जगह दी है। यह उसके घोषणा पत्र का समापन बिंदु है। वहीं कांग्रेस ने इसे अपने घोषणा पत्र में पेज 41 पर जगह दी है। जो उसका आखिरी अध्याय है।

गौरतलब है कि 2048 तक दुनिया के औसत तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। साथ ही बर्फ पिघलने से बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं। और 2050 तक 20 फीसदी देश जल संकट से घिर सकते हैं। इसके साथ ही 2030 तक बढ़ते तापमान के कारण 2,50,000 लोगों की मौतें हो सकती हैं। वस्तुतः गर्मी बढ़ने से ऊर्जा की मांग बढ़ेगी जिससे वायु प्रदूषण फैलेगा। एक और अनुमान है कि ग्लोबल वार्मिंग से 20 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। कृषि पैदावार में गिरावट आने से भुखमरी बढ़ेगी और अकाल जैसे हालात बन सकते हैं।

सोशल फोरम

सत्तर के दशक तक

गांव के इक्का दुक्का लोग या तो फौज में भर्ती हो जाते थे या मास्टर हो जाते थे। नौकरी के पीछे भागने का चलन 1970 के आसपास शुरू हुआ और इसने पलायन की गति बढ़ा दी। इसका कारण रोजगार की कमी भी थी। कल गेहूं की उपज का अनुमान लगा रहा था और जैसा कि गणित के मास्टर की आदत होती है कि लाभ हानि का हिसाब भी लगा रहा था। उप्र सरकार की प्रांतीय सिविल सेवा में ज्वाइन करने से पहले मल्ला डौणू, तल्ला डौणूं, दशौली और भदीना के चारों गांव की अपनी जमीन आबाद करना एक चुनौती थी और इसे बखूबी निभाया जाता था। धीरे-धीरे सब छूटता गया।

रमेश चंद्र पाठक
सेवानिवृत्त आईएएस

2006 (मां के देहान्त) तक दूध, दही घी और सब्जी या आटा चावल दाल शायद ही कभी बाहर से खरीदना पड़ा हो। मेरे बाहर निकल जाने के बाद दशौली के खेत द्वारी की जमीन और तल्ला डौणू के खेत पिता श्री ने अपने हिसाब से सौंप दिए। आज तो मैं यह भी नहीं पूछता कि इन जमीनों पर कब्जा किसका है क्योंकि तल्ला डौणू के खेत पिछले नवंबर में अथक प्रयास के बाद भी मुझे बंजर ही छोड़ने पड़े। लुब्बो लुबाब यह है कि जितनी जमीन दशावली (पाठकों की दशौली) में सिविल सेवा में जाने से पहले खेती बाड़ी में थी आज उसका दसवां भाग भी आबाद कर पाना मुश्किल हो रहा है। मौद्रिक लाभ को शून्य मान लिया जाए तो भी गांव में कामकाजी महिलाओं के लिए इतनी छोटी सी खेती में पंद्रह दिन का रोजगार सृजन हुआ ही है और मुझे शुद्ध आर्गेनिक गेहूं छः सात महीने के लिए मिल गया है। आगे लगभग पंद्रह बीस दिन तक खेती बाड़ी की गतिविधियां कम हैं इसलिए कल खेतों में घूम रहे आवारा छोकरों को कहा है कि सप्ताह में एक दिन हर परिवार से एक आदमी कुदाल फावड़ा बेलचा लेकर आए और ऊपर जंगल में जाकर जलसंचय के लिए खाईयां बनाने में योगदान करे। इस बार जाड़ों में बर्फबारी न होने के कारण जल स्रोतों का निस्सरण शून्य की ओर अग्रसर है। यह व्यवस्था आगामी वर्षों के लिए करनी है।पशु पक्षी के लिए भी जल का अभाव होने लगा है।

-फेसबुक वॉल से

यादें राजीव गांधी की शव यात्रा की

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

राजीव गांधी की अंत्येष्टि वाले दिन भीषण गर्मी का प्रकोप था। इसके बावजूद शवयात्रा के मार्ग पर भारी भीड़ थी। अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए दक्षिण एशिया समेत संसार के अनेक देशों के नेता और अहम शख्सियतें दिल्ली आईं थीं।

सच में मुट्ठी में पकड़ी रेत की तरह से निकल जाता है वक्त। राजीव गांधी की दर्दनाक मौत को 33 साल हो गए। 21 मई 1991 को हुई हत्या से सारी दुनिया हिल गई थी। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और संजय गांधी की शव यात्राओं में भी जनता की भागीदारी बहुत थी। पर राजीव गांधी की शवयात्रा को बहुत बड़ी शवयात्रा के रूप में याद किया जाता है। हालांकि इस लिहाज से दिल्ली में महात्मा गांधी से बड़ी शव यात्रा किसी ने नहीं देखी।

राजीव गांधी की अंत्येष्टि वाले दिन भीषण गर्मी का प्रकोप था। इसके बावजूद शवयात्रा के मार्ग पर भारी भीड़ थी। अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए दक्षिण एशिया समेत संसार के अनेक देशों के नेता और अहम शख्सियतें दिल्ली आईं थीं। पाकिस्तान से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी राजनीतिक विरोधी बेनजीर भुट्टो भी आए। ये दोनों हमवतन तब एक दूसरे से दूर-दूर रहे। पर अब शरीफ के छोटे भाई शाहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं और बेनजीर भुट्टो के पति देश के राष्ट्रपति हैं। यानी गुजरे दौर के शत्रुओं ने अपनी राजनीतिक अदावत को भुला दिया है। वे अब साथ-साथ हैं।

राजीव गांधी का पार्थिव शरीर जनता के दर्शनों के लिए तीन मूर्ति भवन में रखा था। राजीव गांधी की अंत्येष्टि 24 मई, 1991 को हुई थी। उसमें बांग्लादेश की तब की प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया और फिलीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासरअराफात ने भी भाग लिया था। अराफात तो बार-बार फफक कर रो भी पड़ते थे। उनके गांधी परिवार से व्यक्तिगत संबंध थे। 24 मई से पहले ही राहुल गांधी अमेरिका से वापस भारत आ चुके थे। राहुल उन दिनों अमेरिका में ही पढ़ते थे। राजधानी में शक्तिस्थल पर अंत्येष्टि की तैयारियां पूरी हो गईं थी।

राजीव गांधी ने 20 मई,1991 को दिल्ली के निर्माण भवन में अपना लोकसभा चुनाव के लिए वोट डाला था। अब भी देश को वह तस्वीर याद है, जब राजेश खन्ना कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी और सोनिया गांधी को उनका वोट डलवाने में मदद कर रहे हैं। वह राजधानी में राजीव गांधी की अंतिम तस्वीर थी। उसके अगले ही दिन यानी 21 मई, 1991 को राजीव गांधी की एक बम धमाके में हत्या कर दी गई थी। घटना तमिलनाडू के श्रीपेरम्बदूबर में हुई थी। देश ने इस जगह का पहले कभी नाम भी नहीं सुना था। धमाके में राजीव गांधी का शरीर छलनी हो गया था। उसके आसपास कुछ और शव भी पड़े। राजीव गांधी की मौत से सारा देश सन्न था। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और परिवार के मित्र सुमन दूबे वगैरह चैन्नई (तब मद्रास) से राजीव गांधी के शव को लेकर दिल्ली आ गए थे। तय हुआ कि उनका अंतिम संस्कार 24 मई, 1991 को होगा।

और अब वक्त आ गया था राजीव गांधी को अलविदा कहने का। शाम सवा पांच बजे अपार जनसमूह के सामने अंत्येष्टि वैदिक मंत्रोचार के बीच शुरू हुई। सोनिया गांधी काला चश्मा पहने अपने पुत्र राहुल को अपने पिता की चिता पर मुखाग्नि देने के कठोर काम को सही प्रकार से करवा रहीं थीं। जो भी उस मंजर को देख रहा था, उसका कलेजा फट रहा था। अमिताभ बच्चन भी वहां पर थे। तब तक उनके गांधी परिवार से मधुर संबंध थे। अंत्येष्टि के दौरान बनारस से खासतौर पर आए पंडित गणपत राय राहुल गांधी और अमिताभ बच्चन को बीच-बीच में कुछ समझा रहे थे। राजेश खन्ना लगातार रो रहे थे। करीब डेढ़ घंटे तक चली थी अंत्येष्टि। राजीव गांधी को अंतिम विदाई देने के कई दिनों के बाद भी देश में उदासी छाई रही थी।

अतिशय नवनीत लेपन शुभ नहीं

भारतीय राजनीति में ज्यों-ज्यों लोकतंत्र पुराना होता जा रहा है, व्यक्ति पूजा और चाटुकारिता बढ़ती जा रही है। पहले कांग्रेस सत्ता में रही है, तो रीतिकालीन दरबारी कवियों की भांति मुख्य नेता के इर्द गिर्द रहने वाले मुसाहिब उसके नवनीत लेपन करते थे। कवियों को राजे महराजे पुरस्कार देते थे और लोकतांत्रिक सत्ताधारी चाटुकारों को पद, प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। एमरजेंसी खत्म होने के बाद हुए चुनावों में जनता पार्टी सत्ता में आ गई थी, जो 27 महीने सरकार चला पाई। बाद में फिर चुनाव हुए, तो कानपुर के फूलबाग (गणेश उद्यान) की एक सभा में पं.कमलापति त्रिपाठी ने कहा था कि माफी इंदिरा जी को नहीं, जनता को उनसे मांगनी चाहिए, जिसने विगत में उन्हें अपदस्थ किया। मालूम हो कि जनतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने "इंदिरा इज़ इंडिया" का नारा बुलंद किया था। यूपीए शासन काल में सोनिया गांधी को दुर्गा के रूप में चित्रित और मूर्तिमन्त किया गया तथा एक वैश्विक फुटबाल प्रतियोगिता में इटली और फ्रांस के बीच होने वाले मैच के समय भारत में इटली के पक्ष में हवन किए गए और कहा गया कि वह राहुल की ननसाल है। ज्ञातव्य है कि भारत इस प्रतियोगिता में पहले ही हार चुका था। खैर! अब भारतीय जनता पार्टी भी इस कार्य में कांग्रेस को पीछे छोड़ रही है। नरेंद्र मोदी के दूसरे सत्ता-काल में यह ज्यादा ही बढ़ गया है। कभी अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में मोदी को प्रधानमंत्री पद पर प्रतिष्ठित करने वाले राजनाथ सिंह कहते हैं कि 'मोदी जी ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करने का निर्णय 10 मिनट में ले लिया था'और कभी कहते हैं, 'देश की जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है'। शासन में नंबर दो की हैसियत रखने वाले अमित शाह मोदी को 2029 के लोकसभा चुनाव के पीएम प्रत्याशी के रूप में अभी से प्रोजेक्ट कर रहे हैं। हद तो तब हो गई जब पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पुरी(ओडिसा) से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी संवित पात्रा ने कहा कि 'भगवान जगन्नाथ भी मोदी जी के भक्त हैं'।

बताते चलें कि हिरण्यकशिपु, महिषासुर, कंस आदि भगवान की सत्ता को न मानकर अपने को ही भगवान घोषित करते और पूज्य मानते थे, लेकिन भगवान द्वारा अपने को पूजनीय और उनका आराध्य नहीं बताते थे, किन भाजपाई अब इससे आगे बढ़कर चाटुकारिता की सभी हदें पार कर रहे हैं। इस कथन की तीखी आलोचना हो रही है और गाढ़े समय में भाजपा के मददगार बनते रहे ओडिसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने संवित पात्रा के कथन की कड़ी निंदा की। लोकतंत्र के लिए अतिशय नवनीत लेपन शुभ नहीं है।

नई मंडी में 14-14 टेबल पर की जाएगी वोटों की गिनती

चार जून को होगी मतगणना, तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

कार्यालय संवाददाता, इटावा

30 राउंड में होगी इटावा सदर विस क्षेत्र की मतगणना

13 मई को जिले में सपन्न हुआ था मतदान

अमृत विचार। इटावा लोकसभा क्षेत्र में चौथे चरण में मतदान कराया जा चुका है। अब मतगणना की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पूरे देश के साथ ही इटावा में भी नई मंडी में चार जून को मतगणना होगी। इसके लिए ईवीएम को भी नई मंडी में ही स्ट्रांग रूम बनाकर रखा गया है। इटावा नई मंडी में तीन विधानसभा क्षेत्र की मतगणना होगी। इन सभी तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए 14-14 टेबल लगाई जाएगी, जहां कर्मचारी वोटो की गिनती करेंगें।

यहां इटावा लोकसभा क्षेत्र में शामिल इटावा सदर तथा भरथना सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोटो की गिनती होगी। जिले की जसवंत नगर विधानसभा सीट मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र में शामिल है। यहां 7 मई को मतदान कराया गया था। इस विधानसभा क्षेत्र में पड़े वोटो की गिनती भी इटावा नई मंडी में होगी। इसके परिणाम मैनपुरी मुख्यालय भेजे जाएंगे।

मतगणना को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। यह भी लगभग तय हो गया है कि मतगणना के दौरान कितने कितने राउंड होंगे। सर्वाधिक 34 राउंड की मतगणना भरथना सुरक्षित सीट पर होगी जबकि जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र में 33 राउंड में मतगणना कराई जाएगी। इटावा सदर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना 30 राउंड में हो जाने की संभावना है। मतगणना के लिए कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई जा रही है और मतगणना से पहले ही उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। मतगणना में कुछ जूनियर इंजीनियर जैसे तकनीकी कर्मचारी भी लगाएं जाएंगे जिससे कोई कठिनाई न हो। माइक्रो ऑब्जर्वर भी बनाएं जाएंगे।

पोस्टल बैलट के लिए बनेगा अलग पंडाल

इटावा। पोस्टल बैलट से आने वाली मतों की गिनती के लिए एक अलग पंडाल बनाया जाएगा। इसमें पूरे इटावा लोकसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलट की गिनती कराई जाएगी। जिले में लोकसभा क्षेत्र में 1082 पोस्टल बेलेट है जिनकी गिनती की जाएगी। इसके साथ ही सर्विस मतदाताओं के वोटो की गिनती भी की जाएगी। इटावा लोकसभा क्षेत्र में 5991 सर्विस मतदाता हैं जिनमें से अभी तक लगभग 1200 मतदाताओं के पोस्टल बैलट आ चुके हैं। मतगणना तक जितने भी पोस्टल बैलेट आ जाएंगे उन सभी की गिनती की जाएगी।

नगला तौर के युवक की मैनपुरी में मौत

जसवंतनगर, इटावा। मैनपुरी जिले में अपनी ननिहाल से वापस लौटते समय नगला तौर गांव के युवक की बाइक में ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि उसके साथ बाइक पर सवार साथी गंभीर रूप से घायल हो गया ।

नगला तौर निवासी गौरव (27) पुत्र हरेंद्र सिंह तोमर रूद्रपुर उत्तराखंड में प्राइवेट नौकरी करता था। वह बीती शाम अपने गांव के ही लालू पुत्र छोटे तोमर के साथ अपनी ननिहाल मैनपुरी जिले के करहल थाना क्षेत्र के पतारा तिराहा स्थित सिमरई गांव में गया था जहां से सुबह दोनों लोग बाइक से सवार होकर घर वापस लौट रहे थे जैसे ही करहल थाना क्षेत्र के अंतर्गत पतारा तिराहे पर पहुंचे तभी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे गौरव की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसका मित्र लालू गंभीर रूप से घायल हुआ जिसे सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में उपचार हेतु भिजवाया गया। मृतक गौरव के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया गया है। इधर गांव में इकलौते बेटे गौरव की मौत की सूचना मिलने पर उसकी मां मकियानी देवी बेसुध हो गईं थीं।

डीबीए चुनाव के लिए कुल 57 पर्चे खरीदे गए

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- 22 व 23 मई को होंगे नामांकन चुनाव 31 मई को

अमृत विचार। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन (डीबीए) के वार्षिक चुनाव के पहले दिन 27 तथा दूसरे दिन 30 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। कुल मिलाकर 57 नामांकन पत्र एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन योगेंद्र किशोर तिवारी सदस्यगण शांति स्वरूप पाठक, प्रेमशंकर शर्मा, रविन्द्र सिंह दुबे, रमाशंकर चौधरी की मौजूदगी में बिक्रय हुए।

एल्डर्स कमेटी के मीडिया प्रभारी मनोज कुमार दीक्षित एवं रूपेंद्र सिंह ने बताया कि अध्यक्ष पद पर छह, महामंत्री के लिए छह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर तीन, कोषाध्यक्ष पद पर चार, संयुक्त मंत्री पद पर छह, मध्यम उपाध्यक्ष पर चार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चार, वरिष्ठ सदस्य पर 12 व कनिष्ठ सदस्य पद पर 12 नामांकन खरीदे गए। चुनाव में अध्यक्ष/महामंत्री 1 पद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष 1 पद, कोषाध्यक्ष 1 पद, मध्यम उपाध्यक्ष 2 पद, कनिष्ठ उपाध्यक्ष 2 पद, संयुक्त मंत्री 3 पद, वरिष्ठ सदस्य 6 पद व कनिष्ठ सदस्य के 6 पद होंगे। चुनाव 31 मई को होगा और उसी दिन देर रात्रि तक परिणाम घोषित कर दिया जायेगा।

एल्डर्स कमेटी के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 22 मई व 23 मई को अधिवक्ता अपने नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इसलिए एल्डर्स कमेटी ने दो दिन की हड़ताल रखी है। इन दो दिनों न्यायिक कार्य से अधिवक्तागण कार्य से पूर्णतया विरत रहेंगे।

मकान का ताला तोड़कर चोरी , दो पर रिपोर्ट

बकेवर। नेशनल हाइवे स्थित अपना ढाबा के पास में बने मकान का ताला तोड़कर उसमें रखी अलमारी से लैपटाप व नकदी जेवर चोरी कर लिए।

ग्राम शकूरपुर निवासी अजीत सिंह ने बताया कि 17 मई को बाहर गए हुए थे। वापस पहुंचे तो नेशनल हाइवे पर स्थित अपना ढाबा के पास बने मकान और अलमारी का ताला टूटा हुआ था। उसमें रखे लैपटॉप व नकदी नदारद थी।

सार-संक्षेप

व्यापारियों की बैठक को संबोधित करते प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल।

व्यापारियों को शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधा दी जाए

इटावा। शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधा कनाडा की तरह देश में भी लागू की जाए। जिससे इनकम टैक्स दे रहे व्यापारियों के बच्चे विदेश में मुफ्त उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उक्त उदगार इटावा नगर में एमपी सिंह तोमर के आवास पर आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंचन ने व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश दो व्यापार प्रतिनिधिमंडल के 51 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। 51 वर्ष में व्यापार मंडल ने बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की है ।140 से ज्यादा काले कानून खत्म कराए। जिसमें तहबाजारी इंस्पेक्टर राज आदि प्रमुख हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. एके शर्मा, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान, जिला संरक्षक एमपी सिंह तोमर, शहर अध्यक्ष ओम रतन कश्यप, बीके वर्मा, हरि गोपाल शुक्ला, शिव भूषण सिंह चौहान, गोरखनाथ वर्मा, सुनीता कुशवाहा, हैदर कुरैशी, अतुल त्रिपाठी, धर्मेंद्र सिंह भदौरिया, अजय गुप्ता, रमेश यादव, शैलेंद्र सिंह राजावत, कृष्णा राजपूत, सरला जाटव, पूजा तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मेले की शुरुआत करते सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे।

सकूरपुर में जाहरवीर बाबा मेले की शुरुआत

महेवा, इटावा। महेवा के ग्राम सकूरपुर में जाहरवीर बाबा मेला महोत्सव समिति के तत्वावधान में मेला का उद्घाटन सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने किया। समिति के संरक्षक राम स्वरूप, रामसेवक, लालजी, सयोंजक देवेंद्र कुमार ने किया। मुख्य अतिथि सांसद प्रत्याशी ने ग्राम वासियों का मतदान के लिए आभार जताया। जिला उपाध्यक्ष सपा चच्चू शुक्ला, अरुण यादव प्रधान करौधी, अखिलेश वर्मा प्रधान प्रतिनिधि अहेरीपुर, मुन्नी लाल असदपुर, बंटी मंसूरी, अफरोज खान डीलर, सपा नेता संदेश वर्मा आदि मौजूद रहे। संचालन मुकेश भारतीय ने किया।

लाठी-चाकू से वार कर युवक को किया लहूलुहान

भरथना, इटावा। कस्बा के मोहल्ला मोतीगंज पाली बंबा पर मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ पुरानी रंजिश में एक युवक को पकड़ कर गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसे लाठी-डंडे और चाकू से वार कर लहूलुहान कर दिया। बाद में आरोपी जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना को देख आस पास के दुकानदार सहित मौजूद राहगीरों में दहशत फैल गई। कस्बा के राजा गंज निवासी सौरव पोरवाल (28) पुत्र प्रकाश पोरवाल ने बताया कि हमलावर उससे रंजिश मानते हैं। कुछ समय पूर्व उसने एक दुकान ली है। जिसके सामने हमलावर अपने फल के ठेला लगाकर जबरन अतिक्रमण करते हैं। मना करने पर बार बार-हमलावर हो जाते है। घटना से पूर्व वह अपने घर से जैसे ही पाली बंबा की पुलिया पर पहुंचा इसी बीच नामजदों ने गाली गलौज करते हुए लाठी,डंडा और चाकू के प्रहार से हमला बोलकर उसे लहूलुहान कर । पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर से टक्कर मारने वाले को एक साल की सजा

इटावा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने एक व्यक्ति को लापरवाही से ट्रैक्टर चलाकर टक्कर मार देने हुई व्यक्ति की मौत होने के 12 साल पुराने मामले की सुनवाई करते हुए चालक को दोषी पाया। उसे एक साल की सजा सुनाई व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया। बलरई थाना क्षेत्र के गांव अंडावली निवासी लाखन सिंह ने 16 नवंबर 2012 को दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसका भाई गांव के पास जा रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक आनंद स्वरूप पुत्र चंद्र भान निवासी डडियामई थाना शिकोहाबाद ने ट्रैक्टर लापरवाही के साथ चलाकर उसे टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आनंद स्वरूप के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश कर दिए। साक्षयों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने आनंदस्वरूप को दोषी पाया और उसे एक साल की सजा सुनाई।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया नमन

चित्र पर माल्यार्पण करते जिलाध्यक्ष मलखान सिंह।

इटावा। कांग्रेस कार्यालय पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मलखान सिंह यादव ने कहा कि युवा सोच वाले राजीव गांधी को 21वीं सदी के भारत का निर्माता कहा जाता है। उन्होंने 18 वर्ष की उम्र में युवाओं को मताधिकार देकर उन्हें देश के प्रति जिम्मेदार तथा सशक्त बनाने की पहल की। पंचायती राज से जुड़ी संस्थाएं मजबूती से विकास कार्य कर सके। इस सोच के साथ राजीव गांधी ने देश में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त किया। उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय की नींव रखी। गोष्ठी में कई कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

लाठी-चाकू से वार कर युवक को किया लहूलुहान

भरथना, इटावा। कस्बा के मोहल्ला मोतीगंज पाली बंबा पर मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ पुरानी रंजिश में एक युवक को पकड़ कर गाली-गलौज की। विरोध करने पर उसे लाठी-डंडे और चाकू से वार कर लहूलुहान कर दिया। बाद में आरोपी जान से मार देने की धमकी देते हुए भाग निकले। घटना को देख आस पास के दुकानदार सहित मौजूद राहगीरों में दहशत फैल गई। कस्बा के राजा गंज निवासी सौरव पोरवाल (28) पुत्र प्रकाश पोरवाल ने बताया कि हमलावर उससे रंजिश मानते हैं। कुछ समय पूर्व उसने एक दुकान ली है। जिसके सामने हमलावर अपने फल के ठेला लगाकर जबरन अतिक्रमण करते हैं। मना करने पर बार बार-हमलावर हो जाते है। घटना से पूर्व वह अपने घर से जैसे ही पाली बंबा की पुलिया पर पहुंचा इसी बीच नामजदों ने गाली गलौज करते हुए लाठी,डंडा और चाकू के प्रहार से हमला बोलकर उसे लहूलुहान कर । पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर से टक्कर मारने वाले को एक साल की सजा

इटावा। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने एक व्यक्ति को लापरवाही से ट्रैक्टर चलाकर टक्कर मार देने हुई व्यक्ति की मौत होने के 12 साल पुराने मामले की सुनवाई करते हुए चालक को दोषी पाया। उसे एक साल की सजा सुनाई व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया। बलरई थाना क्षेत्र के गांव अंडावली निवासी लाखन सिंह ने 16 नवंबर 2012 को दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसका भाई गांव के पास जा रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक आनंद स्वरूप पुत्र चंद्र भान निवासी डडियामई थाना शिकोहाबाद ने ट्रैक्टर लापरवाही के साथ चलाकर उसे टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आनंद स्वरूप के खिलाफ आरोपपत्र कोर्ट में पेश कर दिए। साक्षयों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने आनंदस्वरूप को दोषी पाया और उसे एक साल की सजा सुनाई।

एक नजर

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आज

बकेवर, इटावा। जनता कालेज बकेवर में 30 मई तक आयोजित होने वाले एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन समारोह 22 मई को सुबह 8 बजे किया जाएगा। सुबह 10 बजे से साइबर क्राइम विषयक जन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें एनसीसी कैडेट्स को साइबर क्राइम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएगी ।यह जानकारी प्राचार्य डा राजेश किशोर त्रिपाठी ने दी।

रेल कर्मियों का शिकायत निवारण कैंप 24 को

इटावा। इटावा रेलवे जंक्शन परिसर में सहायक मंडल इंजीनियर कार्यालय में रेल कर्मचारी परिवाद निस्तारण एवं आईकार्ड कैंप का आयोजन 24 मई को किया जाएगा। जिसमें स्टेशन हिरण गांव से लेकर फफूंद तक के सेवानिवृत/कार्यरत कर्मचारी समस्याओं का निराकरण करा सकते हैं। यह जानकारी मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक विजय बहादुर वर्मा ने दी ।

पुरानी रंजिश के चलते मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बकेवर, इटावा। थाना क्षेत्र के ग्राम दांदरपुर निवासी नेहा पत्नी दिलीप शर्मा ने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते गांव की ही पूजा पत्नी शिवकृष्ण व पुत्तन,सुतन आये। गाली गलौज करने लगे तभी पूजा ने मेरे बाल पकड़ कर पटक दिया । इतने में मेरी चीख पुकार सुनकर मेरी मां सुमन बचाने आई तो नामजदों ने मेरी मां की भी मारपीट करते हुए जमीन पर गिरा दिया। जान से मारने की धमकी देकर चले गये।

बाइक डिवाइडर से टकराई दंपति व बेटी घायल

बकेवर, इटावा। थाना क्षेत्र के परशुपुरा गांव के सामने सिक्सलेन हाईवे पर बाइक के डिवाइडर से टकरा जाने से दंपति गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरो ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। बाइक सवार भवानीपुर गांव के रहने वाले मनोज कुमार, पत्नी रागनी बेटी संध्या के साथ ककरैया गांव से निमंत्रण खाकर वापस बाइक पर सवार होकर घर आ रहे थे। परसुपुरा गांव के सामने सिक्सलेन हाईवे पर बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

स्कार्पियो सवारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, शुरू हुई जांच

संवाददाता जसवंतनगर, इटावा

- 3220 रुपये का डीजल डलाकर भागे अराजक तत्व

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधान सभा प्रत्याशी विवेक शाक्य के मलाजनी स्थित कामता फिलिंग स्टेशन पर स्कार्पियो से लूट के इरादे से आये अराजकतत्वो के विरूद्व पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा नेता विवेक शाक्य के भाई विकास शाक्य पुत्र मनोज कुमार निवासी नगला भिखन, भतौरा ने सोमवार देर शाम थाने मे मामला दर्ज कराते हुये बताया कि 16 मई समय 4 बजे चार पहिया वाहन पर अराजक तत्व पेट्राल पंम्प पर लूट के इरादे से आये और कर्मचारी दीपक और अजय से तेल भरवाया जब कर्मचारियो ने 3220 रूपये मांगे तो अराजकतत्वो ने कर्मचारियो को गाडी से कुचलने तथा जान से मारने की धमकी देते हुये गाडी भगा ले गये। पंम्प पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखने पर पता चला कि गाडी सूत मिल इटावा के रहने वाले शिवेन्द्र यादव उर्फ बाबा की है, जिस पर कोई नम्बर प्लेट नही थी, गाडी के पीछे वाले शीशे पर पुलिस लिखा हुआ था। गाडी मे शिवेन्द्र यादव के अलावा उसके अन्य साथी भी थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

इटावा। यूपी वाहनी एनसीसी फोर बटालियन का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक शिविर प्रशिक्षण बॉयज /गर्ल्स जनता विद्यालय इंटर कॉलेज बकेवर में आयोजित किया जा रहा है। कमांडेंट कर्नल एसपी सिंह ने बताया कि इस शिविर में इटावा, औरैया के कैडेट्स प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे । यह प्रशिक्षण शिविर 30 मई तक चलेगा। शिविर में गर्ल्स कैडेट्स की संख्या 200 और ब्वॉयज कैडेट्स की संख्या 400 रहेगी ।

शिविर में कैडेट्स को सैन्य अनुशासन ,युद्ध कला, हथियार प्रशिक्षण , ड्रिल, प्राकृतिक आपदा में एनसीसी का योगदान, प्रशासनिक अनुशासन में एनसीसी का सहयोग एवं निशानेबाजी का कुशल प्रशिक्षण सूबेदार मेजर (ओनरी ले)साहब सिंह समेत सभी स्थाई प्रशिक्षकों एवं एनसीसी ऑफिसर की देखरेख प्रदान किया जा रहा है।

शिविर के दंडपाल मेजर अवधेश कुमार एवं प्रशिक्षण अधिकारी लेफ्टिनेंट ब्रह्मानंद है ।

कपिल देव ने समझाए बचत के फायदे

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। शहर के लोगों को अब ग्रोवर्स कंपनी के माध्यम से इन्वेस्टमेन्ट करने की सही राह मिल सकेगी। जिसकी नींव चौगुर्जी निवासी शुभम अग्रवाल एवं दिल्ली के करन रस्तोगी ने रखी है। चौगुर्जी स्थित कंपनी के ऑफिस का शुभारंभ भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव एवं एसएसपी संजय वर्मा ने फीता काटकर एवं निवेशकों के सवालों का जबाब देकर किया।

शुभम अग्रवाल एवं करन रास्तोगी ने शहर के एक होटल में आयोजित की गई फायरसाइड चैट विथ कपिल देव में निवेशकों के सवालों का जबाब कपिल देव ने बखूबी दिया। शुभम अग्रवाल ने बताया कि उनका उदेश्य लोगों को इन्वेस्टमेन्ट का महत्व समझाना उसमे आने वाली परेशानियों को निशुल्क समाधान करना है। राजेश अरोड़ा, डा मनोज यादव, सीए संजीव अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, भुवनेश यादव, राहुल गुप्ता, राकेश कुमार जैन सहित शहर के कई प्रतिष्ठित लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सवालों के जवाब देते पूर्व भारतीय क्रिकेटर कपिल देव। अमृत विचार

कपिल देव बोले-राजनीति में कोई रुचि नहीं

इटावा। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रहे तथा पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम को विश्व कप जिताने वाले क्रिकेटर कपिल देव ने कहा है कि उनकी राजनीति में कोई रुचि नहीं है। सेवा करने के कई माध्यम है जरूरी नहीं है कि सेवा करने के लिए राजनीति में आया जाए। उन्होंने मंच से कई लोगों द्वारा पूछे गए सवालों के जबाब भी दिए। उन्होंने कहा कि किसी ऐसे इंसान को ढूढिये जो अलग हट के कुछ काम करता हो ऐसे ही आदमी को राल मॉडल मान लेना चाहिए। उनके साथ मंच साझा कर रहे। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने भी कपिल देव के क्रिकेट के दिनों का याद करते हुए कहा कि जब कपिलदेव ने विश्वकप जीता था तो चारो तरफ शोरगुल था।

महफिल में तकरीर करते मौलाना अनवारुल हसन जैदी।

आठवें इमाम अली रजा की पैदाइश पर महफिल

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। स्थानीय घटिया अज़मत अली स्थित मस्जिद पंजतनी इटावा में आठवें इमाम अली रज़ा अ.स. की पैदाइश के मौके पर तसलीम रज़ा की ओर से मौलाना अनवारुल हसन ज़ैदी इमामे जुमा इटावा की अध्यक्षता में महफिल का आयोजन किया गया।

तकरीर करते हुए मौलाना अनवारुल हसन ज़ैदी इमामे जुमा इटावा ने कहा इमाम रज़ा के रौजे पर साल के 365 दिन दस्तरख़्वान का इंतजाम रहता है। इमाम रज़ा के रौजे पर जाने वाले बीमार लोगों को शिफा जरूर मिलती है। अख्तर अब्बास ने फरमाया आपके दर से कोई भी खाली हाथ जाता नही, अल मदद मौला रज़ा अल मदद मौला रज़ा। तनवीर हसन ने फरमाया जमाना देख ले चौखट पे जाके शाने रज़ा हैं बेशुमार हर वक्त मेहमाने रज़ा, शहीद कितने करोगे जहर से तेग से तुम बहुत बड़ा है जमाने मे खानदाने रज़ा। अली मेहदी, अली अब्बास सलमान, आबिद रज़ा ने कलाम पेश किए। महफिल में हाजी कमर अब्बास नक़वी, राहत अक़ील, शावेज़ नक़वी, मो. अब्बास, मो. मियां, समर अब्बास नक़वी, दबीरुल हसन, राहत हुसैन रिज़वी, हसन अब्बास, मो. अहमद, ताबिश रिज़वी, राजा आदि मौजूद रहे।

वृद्धा की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, इटावा

पुलिस की गिरफ्त में वृद्धा की हत्या के दोनों आरोपी।

- हत्या में प्रयुक्त लाठी भी हुई बरामद, जेल भेजे गए आरोपी

अमृत विचार। ऊसराहार थाना क्षेत्र के गांव मामन में मकान के बंटबारे के विवाद में वृद्धा की मारपीट कर हत्या करने के दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी भी बरामद कर ली। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेज दिया।

एसएसपी संजय कुमार ने बताया कि सोमवार को गांव मामन निवासी राजबहादुर ने ऊसराहार थाना पर सूचना दी कि उसके परिवार के सोनू पुत्र अमर सिंह एवं विनोद कुमार पुत्र वंशलाल मकान बंटवारे को लेकर उसके दरवाजे पर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडो से मारपीट की । उसे बचाने आई उसकी मां समुद्री देवी के भी सिर में लाठी मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिन्हें अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मारपीट करने व गैरइरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज की थी। घटना के बाद से आरोपी फरार थे।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी सोनू पुत्र अमर सिंह व विनोद पुत्र वंश लाल निवासी ग्राम नगला मामन, थाना ऊसराहार को गांव के ही रामलीला मैदान के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लाठी भी बरामद कर ली। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

समर कैंप | नारायन कॉलेज ऑफ साइंस एंड आर्ट्स में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

तैराकी, कराटे नृत्य का प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, इटावा

समर कैंप के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार। नारायन कॉलेज ऑफ साइंस एंड आर्ट्स में समर कैंप की शुरुआत रंगारंग कार्यक्रमों के साथ की गई। कैंप में महत्वपूर्ण गतिविधियों और विभिन्न खेल और कला क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई है। छात्र-छात्राओं तैराकी, कराटे, नृत्य, आर्ट एंड क्राफ्ट, इंग्लिश स्पीकिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रधानाचार्य डॉ. धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी में समर कैंप एक ऐसा माध्यम है। जिसके द्वारा हम बच्चों के एकेडमिक विकास के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी ध्यान देते हैं। कैंप में सेंट मैरी, संत विवेकानंद, सुदिति ग्लोबल एकेडमी आदि विद्यालयों के बच्चे भी प्रतिभाग कर रह हैं। विद्यालय का अत्याधुनिक स्वीमिंग पूल वर्तमान में पूरे शहर के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सह जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. मुकेश ने कहा कैंप कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। मोहम्मद कफील कुरैशी, कराटे, चन्द्र मोहन तिवारी, कौशल किशोर, दुर्गेश कुमार, शूटिंग तथा आरचरी, मोहम्मद इफ्तिखार, तैराकी, सन्दीप कुमार, नृत्य, कृष्णकान्त, संगीत तथा टोनी सायमन, आर्ट एण्ड क्राफ्ट का प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोआर्डिनेटर उरूसा रिज़वान, ऋतु कनौजिया तथा सभी शिक्षकों का योगदान रहा।

कार में आग लगाने का लगाया आरोप

जसवंतनगर, इटावा। महिला से वाद विवाद के बाद समझौता होने के बावजूद उसके पति समेत दो लोगों ने कार तोड़कर आग लगा दी। यह आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। संदीप गुप्ता पुत्र स्व. रमेशचन्द्र निवासी गाम निलोई ने बताया कि रेखा देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार से उसकी कहासुनी हो गई थी। जिसमें सुलहनामा हो गया था। फिर भी रेखा देवी के कहने पर सूरज और सुरेंद्र ने उसकी कार में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। संदीप गुप्ता ने मामले में थाना पुलिस को तहरीर दी है। जबकि ग्रामीणों के मुताबिक कार में तोड़फोड़ तो पहले हुए वाद विवाद के दौरान ही हो चुकी थी। विवाद के पीछे क्या कारण था यह तो पुलिस की जांच-पड़ताल का विषय है।

कंधेसी ने लखना, धौरखा ने असदपुर को हराया

संवाददाता, लखना-इटावा

- ईकरी में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में खेले गए दो मैच

अमृत विचार। बजरंग क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में ईकरी में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को दो मैच खेले गए। कंधेसी की टीम ने लखना और दूसरे मैच में धौरखा की टीम ने असदपुर को पराजित किया।

पहले मैच में लखना की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। टीम के लिए लालू ने 33, भोली ने 34 और आदित्य ने 25 रन बनाए। विपक्षी टीम के खिलाड़ी आकाश ने तीन प्रियांशु और आशीष ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में कंधेसी की टीम के लिए बल्लेबाज करन ने ताबड़तोड़ 75 रनों की पारी खेली। टीम ने 13 ओवर में 177 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। करन को ऑलराउड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरे मैच में धोरखा की टीम ने असदपुर की टीम को हराया। धौरखा टीम के ऑलराउंडर रोहित को मैच का मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वरिष्ठ नागरिक कृपा शंकर शुक्ला के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अंपायर के रूप में अवनीश त्रिपाठी एवं हरिओम त्रिपाठी में अच्छे निर्णय दिए।

गांव में शराब का ठेका खोले जाने का विरोध

महेवा, इटावा। महेवा के ग्राम गौतमपुर में सड़क के किनारे प्राथमिक स्कूल और शिव मंदिर के निकट गांव में देशी ठेका की दुकान खोली जा रही है। यहां अनुसूचित जाति की आबादी सबसे ज्यादा है। बस्ती के बीच में शराब की दुकान खुलने से महिलाओ और युवतियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

इस अवसर पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुमित नारायण त्रिपाठी, बलवीर त्रिपाठी, श्याम मोहन त्रिपाठी, आदित्य त्रिपाठी, मूलचंद्र बाल्मीकि, ग्रीस बाल्मीकि, राजकुमार त्रिपाठी, मन्नू कुशवाहा, रामदास पाल, गुलाब सिंह धोबी आदि ने बस्ती के बीच ठेका न खोले जाने की मांग की।

बुद्ध पूर्णिमा के लिए सजा पार्क

इटावा। इटावा में बुद्ध पूर्णिमा को भव्य तरीके से मनाने के मद्देनजर नुमाइश पंडाल स्थित गौतम बुद्ध पार्क को सजाया संवारा जा रहा है। पार्क की न केवल रंगाई-पुताई कराई गई बल्कि साफ सफाई भी करा दी गई। पिछले एक महीने से करीब एक दर्जन से अधिक मजदूर पार्क में उगी घास को साफ करने में लगे रहे। मुख्य गेट से लेकर पार्क के भीतर बने सभी बुर्ज को कलर कर दिया गया है। बुद्ध जी की प्रतिमा को भी ढक दिया गया है। पार्क की सफाई, रंगाई-पुताई का काम शाक्य सेवा समिति के अध्यक्ष मुकेश शाक्य की देखरेख में हो रहा है। मुकेश शाक्य ने बताया कि सामाजिक सहयोग से बुद्ध पार्क को सजाया-संवारा गया है। पूर्णिमा वाले दिन अपराह्न चार बजे से बुद्ध पार्क में बौद्ध धर्म से जुड़े हुए तमाम उपासक प्रार्थना में शामिल होंगे।

विद्युत कर्मियों का अधिशाषी अभियंता के खिलाफ प्रदर्शन, दुर्व्यवहार का आरोप

मुख्य द्वार पर नारेबाजी, ताला लगाकर कार्यालय में बैठी रहीं अधिशासी अभियंता

कार्यालय संवाददाता,औरैया

- प्रदर्शन में जेई, एसडीओ के अलावा लाइनमैन व मीटर रीडर हुए शामिल
- कहा-गालीगलौज के साथ बात करना अधिकारी के लिए आम बात, यह बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार। मंगलवार देर शाम असेनी दिबियापुर स्थित विद्युत वितरण खंड कार्यालय पर विद्युत कर्मियों ने अधिशाषी अभियंता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिबियापुर डिवीजन के लाइनमैन एवं मीटर रीडर आदि विभागीय कर्मियों ने इस दौरान अधिशासी अभियंता पर आरोप लगाया कि वह अधीनस्थों के साथ बुरा बर्ताव करती हैं। मौके पर मौजूद कई कर्मियों का कहना रहा कि गालीगलौज के साथ बात करना एक्सईएन के लिए आम बात है। देर शाम से जुटे सैकड़ों कर्मी समाचार लिखे जाने तक कार्यालय के मुख्य द्वार पर नारेबाजी करते रहे। जबकि अधिशाषी अभियंता गेट में ताला लगवाकर कार्यालय में बैठी रहीं।

मंगलवार को अधिशाषी अभियंता से खफा बेला, अछल्दा, केशमपुर, लहरापुर, बिधूना, रूपपुर, सहार आदि फीडरों के जेई, एसडीओ के अलावा लाइनमैन एवं मीटर रीडर आदि कर्मी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनकी मांग थी कि अधिशासी अभियंता नेहा सिंह का स्थानान्तरण किया जाए।

असेनी कार्यालय पर प्रदर्शन करते विद्युत कर्मी। अमृत विचार

एक्सईएन का विवादों से रहता है नाता

औरैया। अधिशाषी अभियंता विद्युत नेहा सिंह का अक्सर विवादों से नाता बना रहता है। किसी उपभोक्ता से वार्ता दौरान बहस हो या फिर विभागीय कर्मी के साथ समीक्षा के समय अभद्रतापूर्ण व्यवहार। बीते कुछ माह पहले फफूंद रोड स्थित वैदिकी ग्राफिक्स से स्टेशनरी छपाई के बकाया भुगतान को लेकर पीड़ित व्यापारी सुधीर दुबे को अधिशाषी अभियंता कार्यालय पर धरना देने को मजबूर होना पड़ा था। दो दिन आमरण अनशन के बाद जब पीड़ित को भुगतान हुआ तब अनशन खत्म हुआ था। वहीं विभागीय ठेकदारों ने भी दबी जुबान अधिशाषी अभियंता की कार्यशैली पर रोष जताते हुए कहा कि इनके रहते भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है।

सीएचसी अधीक्षक का पत्नी से विवाद

बिधूना, औरैया। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना के सीएचसी अधीक्षक डॉ. बीपी शाक्य एवं उनकी पत्नी के बीच विवाद हो गया। मामला हाथापाई तक जा पहुंचा। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अपराध भूपेंद्र सिंह पहुंचे और दोनों पक्षों को थाने भी ले गए। उन्होंने दोनों पक्षों को तहरीर देने को कहा लेकिन किसी भी पक्ष ने कोई तहरीर नहीं दी।

बताया जाता है कि सीएचसी अधीक्षक की पत्नी अपने पति पर तरह तरह के मनगढ़ंत आरोप लगाती रहती है जिसके चलते आए दिन विवाद होता रहता है। वहीं कुछ दिनों पहले सीएचसी अधीक्षक की पत्नी ने डीएम, एसपी सहित सीएमओ को भी शिकायती पत्र देकर शिकायत की थी जिसकी जांच भी कराई गई थी। थोड़े दिन बाद मामला ठंडा पड़ गया। मंगलवार को पत्नी सीएचसी अधीक्षक के कार्यालय पहुंच गई और विवाद कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अपराध भूपेंद्र सिंह ने कहा कि अभी तक किसी भी पक्ष द्वारा कोई तहरीर नहीं दी गई है।

संदिग्ध हालात में बालिका ने की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। बेला थाना क्षेत्र के ग्राम पलिया में रविवार रात युवती ने आत्महत्या कर ली। थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार करा दिया। जबकि पिता किसी बात से परेशान होकर आत्महत्या की बात कहता रहा।

काजल।

सोमवार रात हत्या के लिए उकसाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ तो औरैया पुलिस हरकत में आई और सीओ ने वीडियो का खंडन किया। बेला थाना क्षेत्र के ग्राम पलिया निवासी काजल (17) पुत्री जाहर सिंह रविवार रात को अपनी बुआ रीना देवी, रागिनी, आरती व भाई आयुष के साथ छत पर सो रही थी। पिता खेत गए थे। तभी काजल ने घर के गेट के रोशनदान से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। काजल के पिता जाहर सिंह ने पोस्टमार्टम करवाकर रात में अंतिम संस्कार करवा दिया। इसके बाद परेशान पिता ने अपने सामाज के लोगो को घटना से अवगत कराया और सोशल मीडिया पर ट्वीट के माध्यम से वीडियो वायरल हुआ तो थाना प्रभारी निरीक्षक विनेश कुमार ने पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए पिता से तहरीर देने को कहा।

बालिका की मौत के बाद रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

- पिता ने आत्महत्या के लिए उकसाने का लगाया आरोप
- पुलिस को तहरीर का इंतजार

जाहर सिंह ने बताया कि उसने 2022 में पुत्री का अपहरण व दुष्कर्म का एक मुकदमा दर्ज कराने के लिए थाने में तहरीर दी थी। जिसमें पुलिस ने जांच करते हुए जबरन पुत्री के 164 के बयान दर्ज करवा एफआर लगाकर मामला खत्म कर दिया था। बाद में न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोबारा जांच के लिए कहा था। इसके बाद से विपक्षी पिता और पुत्री को मुकदमा वापस लेने के लिए दवाब बना रहे थे।

सीओ अशोक कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम पैनल व वीडियोग्राफी से कराया गया है जिसमे हैंगिंग आया है और शव का अंतिम संस्कार कराया गया। परिजनों से अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है। उन्होंने वायरल वीडियो का खंडन किया।

पीटीएम में उपस्थित शिक्षक व अभिभावक।

ब्राइट माइंड्स में शिक्षक व अभिभावकों के बीच संवाद

संवाददाता बिधूना, औरैया

अमृत विचार। नगर के ब्राइट माइंड्स स्कूल परिसर मे अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न हुई। अभिभावकों के लिए वर्ष 2024 के लिए यूनिट टेस्ट एक के परिणामों की समीक्षा की गई। सोमवार को विद्यालय की प्रिंसिपल, कल्पना वर्मा, निदेशक, अनिल कुमार सिंह ने अभिभावकों के साथ संवाद किया।

निदेशक ने कहा इस यूनिट टेस्ट में हमारे छात्रों द्वारा प्राप्त असाधारण परिणामों को उजागर करने पर उन्हें गर्व महसूस हो रहा हैं। उन्होंने प्रत्येक कक्षा के शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले छात्रों को उनकी कठिन परिश्रम और समर्पण के सम्मान में उत्कृष्टता का प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किए गए। निदेशक नें सफल छात्रों बधाई दी।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

अयाना। थाना क्षेत्र के मनसुखपुर निवासी राजेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात को वह अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी करके सोने चला गया। सुबह पांच बजे जब वह बाहर आया तो बाइक गायब थी।

घर से 20 मीटर की दूरी पर एक स्कूटी पड़ी मिली जिसमें पेट्रोल नहीं था। परिवहन एप पर स्कूटी मुरादगंज निवासी महिला की निकली। फोन करने पर महिला ने बताया उसकी स्कूटी चोरी हो गई है। सीओ राममोहन शर्मा, थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने घटना स्थल पर जांच-पड़ताल कर स्कूटी को कब्जे में लिया है। थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही चोर को पकड़ा जाएगा। पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सरमेड़ी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, कछपुरा को हराया

संवाददाता अछल्दा, औरैया

अमृत विचार। क्षेत्र के गांव कछपुरा देवराव में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। छठवें दिन देवराव गांव के भट्ठा मालिक ललई यादव ने फीता काटकर मैच शुरू कराया। मैच में सरमेड़ी टीम के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कछपुरा की टीम को पराजित किया।

शाक्य क्रिकेट क्लब के द्वारा कछपुरा देवराव में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट मंगलवार को सरमेडी और कछपुरा टीम के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। इस दौरान टॉस जीतकर सरमेडी की टीम के खिलाड़ियों ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया इसमें टीम के खिलाड़ियों ने 5 विकेट के नुकसान पर 10 ओवर में 79 रन बनाए। सरमेडी की तरफ से धर्मराज ने 15 रन,आशीष ने 15 रन,अभिषेक 19 रन, शिवकांत ने

मैच का उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

- क्रिकेट मैच देखने के लिए उमड़ रहे कछपुरा व आसपास के गांवों के लोग

17 रन बनाकर विपक्षी टीम को 10 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 78 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी कछपुरा के टीम के छोटू ने 10 रन, अजय 1,रवि 12, अनूप 29 की मदद से निर्धारित 10 ओवरों में 64 रनों पारी पर सिमट गई।

इस तरह से सरमेडी टीम ने शानदार पारी खेलते हुए कछपुरा की टीम को हराकर मैच पर कब्जा किया। इस अवसर पर मनु, सुमित, नितिन आदि लोग मौजूद रहे। क्रिकेट मैच देखने के लिए कछपुरा आसपास गांव के ग्रामीण व खिलाड़ी मैदान पर पहुंचे।

अभिमन्यु को मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी देते प्रेम सिंह। अमृत विचार

चंबल क्रिकेट लीग का आयोजन

औरैया। चंबल संग्रहालय की ओर से आयोजित चंबल क्रिकेट लीग सीजन 3 के चौथे दिन कालेश्वर गढ़िया और भिठौरा टीम के बीच मैच हुआ। भिठौरा टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कालेश्वर गढ़िया टीम ने निर्धारित 12 ओवर भी नहीं खेल पाई। 10 ओवर में पूरी टीम महज 44 रन पर सिमट गई। कालेश्वर गढ़िया के खिलाड़ी अमित ने सर्वाधिक 12 रन बनाए। जवाब में भिठौरा टीम 3 ओवर में 1 विकेट के खोकर 45 रन का लक्ष्य हासिल कर आसान जीत दर्ज की। भिठौरा के खिलाड़ी अभिमन्यू ने 42 रन बनाए और एक विकेट लिया। इसके चलते प्रेम सिंह परिहार ने उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान किया।

चेयरमैन और सभासदों के प्रयास से बहाल हुई विद्युत आपूर्ति

संवाददाता, फफूंद-औरैया

अमृत विचार। कस्बे में बीते शुक्रवार से ध्वस्त चल रही विद्युत आपूर्ति चेयरमैन, सभासदों और युवाओं के प्रयास से सोमवार शाम से बहाल हो गई। बिजली आपूर्ति सही होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और रात में लोग चैन की नींद सो पाए।

फफूंद कस्बे को केशमपुर विद्युत स्टेशन से आपूर्ति मिलती है। शुक्रवार की सुबह आठ बजे तार बदलने के नाम पर आपूर्ति बंद कर दी गई जो रात डेढ़ बजे शुरू हुई लेकिन कुछ देर रहने के बाद बिजली चली गई। इसके बाद से शनिवार और रविवार को कस्बे की आपूर्ति ध्वस्त रही। 72 घंटे में बमुश्किल आठ घंटे किश्तों में बिजली मिली जिससे भीषण गर्मी

से लोग बेहाल हो उठे और पेयजल के लिए भारी परेशानी उठानी पड़ी। रविवार दोपहर कस्बे के आक्रोशित उपभोक्ताओं ने पावर स्टेशन पहुंचकर धरने पर बैठने की चेतावनी दी। मौके पर पहुंचे अवर अभियंता नरेंद्र गौतम ने लोगों को जल्द आपूर्ति दुरुस्त करने का भरोसा देकर शांत किया। सोमवार सुबह नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद अनवर ने प्रमुख सचिव ऊर्जा को मेल करके एक पत्र भेजा और आपूर्ति दुरुस्त कराने की मांग की। इसके बाद वह कस्बे के नागरिकों और सभासदों के साथ जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे और बिजली व्यवस्था दुरुस्त कराने के लिए डीएम को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

बाद में चेयरमैन कस्बे के लोगों के साथ दिबियापुर विद्युत विभाग की एक्सईएन नेहा सिंह से भी मिले और उन्हें एक पत्र सौंपकर आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की। सोमवार शाम विभाग ने कड़ी मेहनत करके कस्बे में विद्युत आपूर्ति बहाल की। केशमपुर अवर अभियंता नरेंद्र गौतम ने बताया की लोड की अधिकता से लोकल फाल्ट होने और केबिल जलने से आपूर्ति में दिक्कत हो जाती है। कस्बे में बराबर आपूर्ति सुचारू चलती रहे इसके लिए वह बराबर प्रयास कर रहे हैं।

सीएचसी के दिव्यांग कर्मचारी को मिली व्हीलचेयर

औरैया। जायंट्स ग्रुप ऑफ दिबियापुर सहेली की अध्यक्ष संध्या अवस्थी एवं ग्रुप के सहयोग से मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक दिव्यांग कर्मचारी प्रेम कुमार पुत्र स्व. मोहन लाल निवासी ककोर बुजुर्ग को व्हीलचेयर प्रदान की गई।

व्हीलचेयर पाकर कर्मचारी के चेहरे पर खुशी दिखी। कार्यक्रम को सफल बनाने में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. विजय कुमार और उनकी पूरी टीम, कोर्डिनेटर पूनम पोरवाल, यूनिट डायरेक्टर प्रीती पोरवाल, फेडरेशन ऑफीसर रेनू सिंह, डीओए सपना गुप्ता, डीओएफ रोली गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रीती अग्रवाल रेखा गुप्ता, अर्चना पोरवाल, सुनीता त्रिपाठी, सुधा भारती राधा वर्मा एवं अन्य सभी सहेलियों का सराहनीय सहयोग रहा।

उपहार में दी गई पुस्तकों के साथ छात्र-छात्राएं।

बच्चों ने आइसक्रीम पार्टी का उठाया लुत्फ

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से गेल डीएवी मॉडल स्कूल में 18 से 21 मई तक समर कैंप का आयोजन हुआ। इनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि प्रगति महिला क्लब की अध्यक्ष सरोज पाठक का बच्चों ने गीत गाकर स्वागत किया।

इसके उपरांत बच्चों ने आइसक्रीम पार्टी का लुफ्त उठाया। समर कैंप में मुख्य रूप से ट्रेजर हंट, क्ले वर्क, गिफ्ट रैपिंग, स्पोर्ट्स, नृत्य, पेंटिंग, योग, एनवलप मेकिंग, टेबल मैनर्स आदि की जानकारी दी गई। समर कैंप के दौरान बच्चों को 3डी मूवी भी दिखाई गई। प्रधानाचार्य सौभाग्य सिंह तोमर ने बच्चों को उपहार स्वरूप पुस्तकें दीं।

सार-संक्षेप

प्राचीन आलोपा देवी मंदिर का वाटर कूलर खराब

कुदरकोट, औरैया। कुदरकोट क्षेत्र में प्राचीन आलोपा देवी का मंदिर है जो एक तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां रोज तमाम श्रद्धालु आते हैं। यहां वाटर कूलर तो लगा है लेकिन खराब पड़ा है। इसके चलते यहां श्रद्धालुओं को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मंदिर के आसपास बने घर के लोगों से बात की तो पता लगा लगभग एक साल से खराब पड़े वाटर कूलर की मशीन तक गायब है। बताया जा रहा है कि इन वाटर कूलरों को लगवाने में सरकार ने लाखों रुपये खर्च किए परंतु जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों अधिकारियों से समस्या का संज्ञाने लेने की अपील की है।

तहसील, न्यायलयों के समय में बदलाव

औरैया। प्रभारी अधिकारी (सं.का.) अमित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि ग्रीश्मकाल में 21 मई से 30 जून तक सभी अधीनस्थ माल, एकजीक्यूटिव मजिस्ट्रेटों, चकबंदी, तहसील, न्यायालयों तथा राजस्व एवं दंड अभिलेखागारों का समय सुबह 8:30 बजे से अपरान्ह 2:30 बजे तक रहने के आदेश पारित किए गए है। इस बीच लंचब्रेक 11:00 बजे से 11:30 बजे तक पूर्वान्ह में रहेगा। कलेक्ट्रेट व अधीनस्थ कार्यालयों का समय सुबह 10 बजे से अपरान्ह 5 बजे तक यथावत रहेगा। उपर्युक्त प्रातः कालीन समय का आदेश 30 जून के अपरान्ह में स्वतः समाप्त हो जायेगा।

पत्रकार को पितृ शोक

ऐरवाकटरा। कस्बा ऐरवाकटरा के एक पेपर के पत्रकार लल्ला अली के पिता साइकिल व्यवसायी इकरार अली (74) का सोमवार शाम 8 बजे निधन हो गया। शोक सभा बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज के प्रांगण में हुई, जहां दो मिनट का मौन धारण कर मृतक परिवार को सांत्वना देकर धैर्य रखने की कामना की गई। शोक सभा में राघवेंद्र प्रताप सिंह, ठाकुर पवन सिंह, अमित शुक्ला, रिक्की चौहान, राजेंद्र कुमार सक्सेना, अरुण कुमार सक्सेना, छोटे गुप्ता, रतन पोरवाल, रितिक गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष रानू पालीवाल आदि मौजूद रहे।

धर्म-अध्यात्म | गांव उमरी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन, आज होगा भंडारे का आयोजन

श्रीकृष्ण ने मित्र सुदामा को निर्धनता के अभिशाप से किया था मुक्त

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। दिबियापुर नगर के निकटस्थ गांव उमरी में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा के सातवें (अंतिम) दिन मंगलवार को सुदामा चरित्र की कथा सुनाई गई। भागवताचार्य पं. सुनील कृष्ण महाराज ने कहा कि श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के बीच कोई भेदभाव नहीं रहा। जब चोरी चुपके सुदामा ने चने खा लिये थे तब दुर्वासा ऋषि ने उन्हें निर्धनता होने का श्राप दिया था। चालीस वर्ष पश्चात सुदामा की पत्नी सुशीला ने पति सुदामा से मिलने भेजा था। तब भगवान कृष्ण ने सुदामा को श्राप मुक्ति किया था।

उन्होंने कहा कि जब सुदामा मित्र श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका पहुंचे तब द्वारपालों से सुदामा ने कहा कि

उमरी गांव में श्रीमद्भागवत कथा सुनाते पं. सुनील कृष्ण महाराज अमृत विचार

श्रीकृष्ण से कह दो कि तुम्हारा मित्र मिलने आया तब द्वारपाल सुदामा की वेशभूषा देखकर हंसे और अचंभे में पड़ गए। जब द्वारपालों ने श्रीकृष्ण को यह सूंचना दी तो वह दौड़े चले आये और दीन सुदामा की हालत देख उसे गले से लगा लिया। श्रीकृष्ण का सुदामा के प्रति मित्रता का भाव वास्तव में अद्वितीय और अनुकरणीय है। कथा विश्राम के बाद परीक्षित साधना शुक्ला एवं श्रीकृष्ण शुक्ला ने भागवत पुराण की आरती की। आयोजक अरुण शुक्ला, अमरनाथ एवं ओमप्रकाश शुक्ला आदि ने बताया कि 22 मई बुधवार को हवन एवं पूर्णाहूति के के बाद भंडारे का आयोजन होगा उन्होंने धर्मप्रेमियों से भण्डारे में प्रसाद गृहण करने की अपील की है।

उधर कलेक्ट्री रोड स्थित कैलाश रिसोर्ट में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में भागवताचार्य पं. पुनीत मिश्र ने श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुनाई। प्रभु का जन्म होते ही पांडाल में

भागवत कथा के दौरान कृष्ण जन्म पर खुशियां मनातीं श्रद्धालु। अमृत विचार

मौजूद महिलाओं ने मंगल गीत गाकर जन्मोत्सव मनाया। परीक्षित सुमनलता एवं विमल पोरवाल ने बालरूपी श्रीकृष्ण का पूजन करते हुये प्रसाद वितरित किया।

आयोजक अमित पोरवाल, संजीव पोरवाल, कमलेश एवं संजय ने बताया कि 23 मई को कथा का विश्राम होगा जबकि 24 मई को हवन पूर्णाहूति के साथ भंडारे में प्रसाद वितरित किया जाएगा।

घमंडी लोगों से दोस्ती करें न दुश्मनी : आचार्य

संवाददाता, अजीतमल-औरैया

अमृत विचार। अटसू क्षेत्र के गांव सौहरी गढ़िया पुर्वा मदन सिंह में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन मंगलवार को पंडित विमलेश तिवारी ने सती कथा व श्रीकृष्ण के बाल्यकाल के चरित्र का वर्णन किया।

पं. विमलेश तिवारी।

आचार्य बताया कि लोगों को घमंडी व अहंकारी लोगों से न ही दोस्ती और न दुश्मनी रखनी चाहिए। अभिमानी व घमंडी व्यक्ति कभी भी आपके सम्मान को ठेस पहुंचा सकता है। आचार्य ने सती कथा में बताया कि किसी भी स्थान पर किसी भी व्यक्ति को बिना निमंत्रण नहीं जाना चाहिए बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे हैं वहां आपका वह अपने इष्ट गुरु का अपमान न हो। चाहे वह स्थान स्वर्ग के समान क्यों ना हो ऐसा कथा में दर्शाया गया है।

राजा दक्ष के यहां आयोजित हवन-यज्ञ में शिवजी व पार्वती को आमंत्रण नहीं दिया गया था। इसके बावजूद माता सती बिना बुलाए ही अपने पिता के घर यज्ञ में शामिल होने चली गई,वहां उनको अपमानित किया गया जिसके कारण उन्हें यज्ञ में आहुति देनी पड़ी।

जब शिवाशंकर को इसकी जानकारी हुई तो उनको क्रोध आ गया। उन्होंने अपना तीसरा नेत्र खोलकर राजा दक्ष की समस्त नगरी का तहस-नहस कर दिया।

एक नजर

सपा विधायक मनोज पांडेय पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार, लखनऊ : ऊंचाहार के समाजवादी पार्टी विधायक मनोज कुमार पांडेय के शुक्रवार को भाजपा में शामिल होने के बाद अब उनकी विधानसभा से सदस्यता पर खतरा मंडराने लगा है। सपा अब दलबदल विरोधी कानून के तहत मनोज की विधायकी खत्म कराने की कार्रवाई करेगी। मनोज पांडेय ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की थी। भाजपा में विधिवत न शामिल होने पर भी वह पर्दे के पीछे से लगातार भाजपा के लिए ही काम कर रहे थे। मनोज के भाजपा में शामिल होते ही सपा ने उनकी नैतिकता पर सवाल उठाया। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि मनोज पांडेय को त्यागपत्र देकर ही भाजपा में जाना चाहिए था। बिना त्यागपत्र दिए दूसरी पार्टी में जाना नैतिक व कानूनी दोनों रूप से गलत है। मनोज पर अब सपा अध्यक्ष विधिक कार्रवाई करेंगे। राजेंद्र चौधरी ने कहा कि पूर्व में घोसी से सपा विधायक दारा सिंह चौहान विधायकी से इस्तीफा देकर ही भाजपा में शामिल हुए थे।

कमिश्नरेट से बेहतर जिला पुलिस, सबसे फिसड्डी राजधानी

प्रयागराज और कानपुर कमिश्नरेट दूसरे व तीसरे स्थान पर, चंदौली और महराजगंज की स्थिति संतोषजनक

विनय सिंह, लखनऊ

- जनवरी 2024 से अब तक लखनऊ कमिश्नरेट से 358 पीड़ित पहुंचे डीजीपी कार्यालय
- डीजीपी कार्यालय से शिकायतों के निस्तारण के लिए 15 दिन में मांगी जाती है आख्या

अमृत विचार। अपराध को रोकने और पीड़ितों की त्वरित सुनवाई करने के उद्देश्य से प्रदेश के कई जिलों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की गई थी। इन जिलों में पुलिस अधीक्षक के स्थान पर पुलिस कमिश्नर को अपेक्षाकृत अधिक शक्तिशाली बनाकर बैठाया गया। लेकिन पीड़ितों को संतुष्ट करने में कमिश्नरेट अभी भी जिला पुलिस से पीछे चल रहे हैं।

डीजीपी कार्यालय के लोक शिकायत विभाग में दर्ज आंकड़ों पर गौर किया जाए तो डीजीपी कार्यालय तक शिकायत लेकर पहुंचने वाले सर्वाधिक पीड़ितों वाले जिलों में टॉप पर तीन कमिश्नरेट हैं। उसमें भी सबसे बुरा हाल राजधानी यानी लखनऊ कमिश्नरेट का है। जनवरी 2024 से अब तक यहां से 358 पीड़ित फरियाद लगाने डीजीपी कार्यालय पहुंचे हैं। प्रयागराज और कानपुर कमिश्नरेट क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। संतोषजनक स्थिति चंदौली और महराजगंज जिले की है। यहां से विगत पांच महीने में कुल पांच-पांच फरियादी डीजीपी कार्यालय तक पहुंचे हैं।

जिला	पीड़ित
लखनऊ कमिश्नरेट	358
प्रयागराज कमिश्नरेट	95
कानपुर कमिश्नरेट	90
उन्नाव	80
हरदोई	70
सीतापुर	68
बाराबंकी	67
आगरा	60
गोंडा	59
प्रतापगढ़	53

जिलों में उन्नाव की स्थित सबसे बदतर

कमिश्नरेट को छोड़ दिया जाए तो पुलिस कप्तानों वाले जिले में उन्नाव जिले का हाल सबसे बदतर है। राजधानी से लगा जिला है, फिर भी यहां से सर्वाधिक फरियादी डीजीपी कार्यालय पहुंच रहे हैं। टॉप टेन फिसड्डी जनपदों पर अगर गौर किया जाए तो बाराबंकी भी कुछ कम नहीं है। सर्वाधिक फरियादी पहुंचने वालों जिलों में बाराबंकी का नाम सातवें स्थान पर है।

10 से कम शिकायत वाले जिले

जिन जिलों से सबसे कम फरियादी पहुंच रहे हैं उन जिलों में चंदौली, महराजगंज, चित्रकूट, मिर्जापुर, हापुड़, मुजफ्फरनगर, सोनभद्र, कुशीनगर, देवरिया और रामपुर हैं। इन जिलों से जनवरी 2024 से अब तक 10 से कम फरियादी पहुंचे हैं। जाहिर सी बात है कि इन जनपदों की पीड़ितों की सुनवाई जनपद स्तर पर ही हो जा रही है। सर्वाधिक अच्छी स्थित चंदौली और महराजगंज की है।

डीजीपी कार्यालय से मिलती है राहत

दूर-दराज के पीड़ित थक हार कर डीजीपी कार्यालय पहुंचते हैं, तो यहां पर पीड़ितों की सुनवाई होती है। शिकायतों को तत्काल डाक से भेजी जाती है और 15 दिनों के अंदर निस्तारित करने के निर्देश के साथ आख्या मांग ली जाती है। 15 दिन बीतने के बाद आख्या उपलब्ध न होने की स्थिति में फॉलोअप शुरू कर दिया जाता है। लगातार रिमाइंडर भेजा जाता है, ताकि जिलों में सुनवाई करते समय कोई लापरवाही न हो। ज्यादातर मामलों में उच्चाधिकारियों को जांच करने को कहा जाता है, ताकि झूठी शिकायत का भी पता लग सके। अधिकारियों के मुताबिक 90 फीसदी मामलों में फरियादियों को डीजीपी कार्यालय से संतुष्टि मिल जाती है।

पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश भाजपा में हुए शामिल

पार्टी मुख्यालय पर प्रेम प्रकाश को सदस्यता ग्रहण कराते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक। अमृत विचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्व मंत्री रीता बहुगुणा के विरोध के बावजूद भी बनाया गया था आईजी
- मुख्तार अंसारी को रोपण जेल से बांदा लाने की दी गई थी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अमृत विचारः उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चहेते आईपीएस अधिकारी कहे जाने वाले पूर्व एडीजी प्रेम प्रकाश ने आखिरकार भाजपा का सदस्यता ले ली। प्रेम प्रकाश बसपा प्रमुख मायावती के भी करीबी रहे हैं। हालांकि पूर्व की कल्याण सिंह की सरकार में भी उन्हें महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी मिलती रही है। एक समय आईजी मिर्जापुर बनते समय पूर्व कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने विरोध किया था, फिर भी प्रेम प्रकाश को आईजी बनने से कोई नहीं रोक पाया था। सेवानिवृत्त होते ही योगी आदित्यनाथ से मिलने के लिए पंचम तलब पहुंचने के कारण एक फिर प्रेम प्रकाश चर्चा में आए थे।

मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में पूर्व एडीजी प्रेम प्रकाश ने सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी एवं उप्र. के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रेमप्रकाश को पार्टी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे सकती है। प्रेम प्रकाश भाजपा की सदस्यता लेने के बाद पुलिस मुख्यालय में भी चर्चा के विषय बने रहे। अफसरों ने बताया कि पुलिस विभाग के प्रति वफादारी और समर्पण की भावना हमेशा प्रेम प्रकाश को अलग करती थी। 2017 में जब प्रेम प्रकाश को आईजी रेंज बनाया जा रहा था, तब तत्कालीन कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने विरोध किया था। रीता बहुगुणा जोशी का आरोप था कि उनके घर पर प्रेम प्रकाश के निर्देश पर ही आग लगवाई गई थी। हालांकि इस आरोप के बाद भी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और सरकार में शामिल लोगों ने प्रेमप्रकाश का साथ दिया था। बाद में प्रेम प्रकाश को एडीजी बरेली, कानपुर और इसके बाद प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंपी गई। मुख्तार अंसारी को पंजाब के रोपड़ जेल से बांदा लाने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ने प्रेम प्रकाश को दी थी। जनवरी 2023 में सेवानिवृत्त होते ही प्रेमप्रकाश मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान चर्चाएं शुरू हो गई थी कि प्रेमप्रकाश जल्द ही भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं।

कर्ज उतारने का मिला मौकाः प्रेम प्रकाश

भाजपा में शामिल होते ही पूर्व आईपीएस प्रेम प्रकाश ने कहा कि देश का जो कर्ज मुझ पर है, उसे उतारने का मौका मिला है। भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो देश के लिए पूरी तरह समर्पित है। 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में भारत को स्थापित करने के मिशन में जुटी है। अब मैं भी उसका हिस्सा हूं।

राम मंदिर के साथ दूसरे मुद्दों का भी किया परीक्षण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- अनुच्छेद 370, तीन तलाक, आरक्षण, जातीय राजनीति के साथ आवास भी बना मुद्दा

अमृत विचारः लोकसभा चुनाव में मतदान के दिन राम मंदिर संग दूसरे मुद्दे भी कदमताल में थे। अनुच्छेद-370, तीन तलाक, जातीय राजनीति तो थी ही, आरक्षण, आवास, राशन, रसोई गैस के बोल भी साथ-साथ सुनाई पड़ रहे थे।

फैजाबाद संसदीय क्षेत्र राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील है। सत्ता और विपक्ष की निगाह इस पर है। अयोध्या वाली फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में गत सोमवार को मतदान हो गया। श्रीराम मंदिर के लिए आंदोलन से निकली राजनीति और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद उपजी श्रद्धा के प्रभाव का परीक्षण भी पूरा हो गया। इसका परिणाम तो चार जून को सामने आएगा, लेकिन सोमवार को पांच विधानसभा क्षेत्र वाले लगभग 60 किमी. लंबे और 40 किमी. चौड़े फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं ने राममंदिर के साथ दूसरों मुद्दा का भी परीक्षण किया।

मतदान में राम मंदिर के साथ दूसरे मुद्दे भी चर्चा में रहे। सरकार से मिली सुविधाओं का असर दिखा। सोहावल के एक बूथ पर मतदान करने आए राम जी रावत ने कहा कि रहने के लिए घर नहीं था। किसी ने नहीं सोचा, सरकार ने घर दिया तो वोट किसको देते। रुदौली की आफरीन बानों ने कहा कि सरकार ने तीन तलाक खत्म करके महिलाओं के अस्मिता की रक्षा की। इसे भी तो सोचना होगा। रामनगरी के संतोष कुमार बोले कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ। वोट देने के पहले इस पर गौर किया जाना जरूरी था।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों नेताओं की रैली और भाषण का प्रभाव भी मतदान के दिन आंका गया। छोटे तबके पढ़े लिखे लोगों के साथ कम पढ़े लिखे मतदाताओं की जुबान पर संविधान बदलने की कम लेकिन आरक्षण समाप्ति की चर्चा सुनने को मिला। मिल्कीपुर के मनोज कुमार कहते हैं कि बहुत जोर से चर्चा है कि आरक्षण खत्म हो सकता है लेकिन राशन और सुविधा सरकार से मिल रही है। वोट देने के पहले भ्रम की स्थिति बन गई।

अनुसूचित जाति के मतदाताओं में विभाजन हुआ

जातीय राजनीति का प्रभाव भी मतदान के दिन देखने को मिला। भाजपा के साथ इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के बीच जंग में यह महत्वपूर्ण फैक्टर होगा। सपा, भाजपा और बसपा के बीच अनुसूचित जाति के मतदाताओं में विभाजन हुआ। कम-ज्यादा के आंकड़े को छोड़ दिया जाए तो इस पर वोट डाले गए। मतदाता खांचों में दिखे। बुजुर्गों को मतदान के समय भी राम मंदिर याद रहा तो युवाओं में मंदिर, योजनाओं के साथ सरकार के काम के साथ नए उभरे मुद्दे चल रहे थे।

छठे चरण में मेनका व जगदंबिका समेत कई की प्रतिष्ठा दांव पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 14 लोकसभा सीटों पर 25 को होगा मतदान

अमृत विचारः छठे चरण की 14 सीटों पर चुनाव के लिए मतदान की तैयारी शुरू हो गई है। इस चरण में 25 मई को मतदान होगा। इस चरण में पूर्व मंत्रियों मेनका गांधी व जगदंबिका पाल समेत कई नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर है।

भाजपा ने सुलतानपुर सीट से एक बार फिर पूर्व मंत्री मेनका गांधी पर दांव लगाया है। इंडी गठबंधन के तहत सपा से राम भुआल निषाद चुनाव मैदान में हैं। बसपा ने उदराज वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। प्रतापगढ़ सीट पर भाजपा से सांसद संगम लाल गुप्ता चुनाव मैदान में हैं। सपा ने शिवपाल सिंह पटेल व बसपा ने प्रथमेश मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है। इलाहाबाद सीट पर भाजपा ने नीरज त्रिपाठी व बसपा ने रमेश को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस से पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह प्रत्याशी हैं। डुमरियागंज सीट पर भाजपा से पूर्व मंत्री जगदंबिका पाल चुनाव मैदान में है। बस्ती सीट पर भाजपा से हरीश चन्द्र, बसपा से दयाशंकर मिश्र व सपा से पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी चुनाव मैदान में हैं। आजमगढ़ सीट से भाजपा से दिनेश लाल यादव निरहुआ, सपा से धर्मेन्द्र यादव व बसपा से मसूद अहमद चुनाव लड़ रहे हैं। अंबेडकरनगर सीट से सपा से पूर्व मंत्री लालजी वर्मा चुनाव मैदान में हैं।

जातीय मझधार में फंसी नैया को खेवइया की दरकार

भाजपा से मेनका गांधी, गठबंधन से सपा के रामभुआल, बसपा से उदराज वर्मा हैं प्रत्याशी

मनोज मिश्र/अशोक शुक्ल, सुलतानपुर

मेनका गांधी

राम भुआल निषाद

उदराज वर्मा

अमृत विचारः कुशनगरी में जातीय जातीय ध्रुवीकरण की मझधार में फंसे प्रत्याशियों की निगाह अब माझी पर टिक गई है। पिछले चुनाव में भाजपा की नैया पार लगाने वाले माझियों का रुख अब तक साफ नहीं है। सभी प्रत्याशी उन पर डोरे डाल रहे हैं। जातीय ध्रुवीकरण के समीकरण में जिसका पलड़ा भारी हुआ, उसके लिए दिल्ली की राह आसान हो जाएगी।

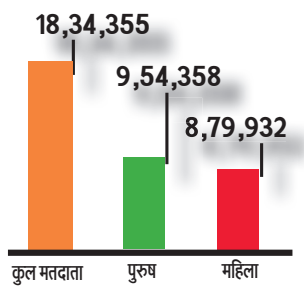

सुलतानपुर लोकसभा सीट पर पिछले दो चुनावों से भाजपा का कब्जा है। 2014 में इस सीट से वरुण गांधी चुनाव जीते थे, जबकि 2019 में उनकी मां मेनका गांधी ने यहां जीत का परचम लहराया था। यहां छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुंच चुका है। पूर्व के चुनावों की तरह इस बार भी राजनीतिक दल और प्रत्याशी जातीय समीकरण को अपने पक्ष में करने की जुगत में लगे हैं। गठबंधन से सपा प्रत्याशी राम भुआल निषाद व बसपा से उदराज वर्मा भाजपा की कद्दावर नेता सांसद मेनका संजय गांधी को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं। सांसद मेनका और उसके पहले उनके बेटे वरुण गांधी की जीत में कुर्मी और निषाद वोटों का ध्रुवीकरण उनके पक्ष में रहा था। पर, इस बार अब तक निषाद और कुर्मी मतदाताओं का रुख स्पष्ट नहीं है। सरकार की योजनाओं, खुद के कामकाज से सतह पर उनकी स्थिति मजबूत लगती है, लेकिन जातीय गणित को साधना इनके लिए चुनौती भरा है। सपा-बसपा ने भाजपा के कुर्मी व निषाद मतों में सेंधमारी की गहरी चाल चल दी है।

सपा अब तक नहीं जीती

कांग्रेस इस सीट पर नौ बार जीत दर्ज कर चुकी है तो भाजपा पांच बार जीत का स्वाद चखा है। कांग्रेस को तब कामयाबी मिलती रही, जब उसका वर्चस्व देश और प्रदेश की राजनीति में था। समाजवादी पार्टी को इस सीट पर अब तक निराशा ही हाथ लगी है, लेकिन बसपा ने दो बार बाजी मारी है।

सुलतानपुर लोकसभा

बिरादरी वोट को साधना विपक्ष की रणनीति

सुलतानपुर सीट पर करीब डेढ़ लाख निषाद वोटों को साधने के लिए सपा ने गोरखपुर निवासी पूर्व मंत्री रामभुआल निषाद को चुनाव में उतारा है। इसी तरह करीब दो लाख कुर्मी मतदाताओं को पाले में करने के लिए स्थानीय उदराज वर्मा को बसपा ने प्रत्याशी बनाया है। इन दोनों जातियों के मतों का ध्रवीकरण पिछले दोनों चुनावों में भाजपा के पक्ष में हुआ था। इसमें कितनी सेंधकारी विपक्ष कर पाएगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन अनुसूचित वर्ग के मतदाता ही निर्णायक होंगे। साथ ही विपक्ष सरकार के महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर आक्रामक है। वोटरों को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि सरकार की जिन योजनाओं का लाभ मिल रहा है, वह तो कोई भी होता देता। बीते दिनों आए सपा मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी के पक्ष में माहौल बना गए तो आज बुधवार को बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सीएम मायावती भी अपने प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा करने आ रही है।

महज 14 हजार मतों से जीती थीं मेनका गांधी

बड़े कद की नेता मानें जाने वाली मेनका संजय गांधी पिछले चुनाव में महज करीब 14 हजार वोटों से ही जीत दर्ज की थी। उन्हें चार लाख 58 हजार, 196 मत मिले थे, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी बसपा (सपा से गठबंधन) के चंद्रभद्र सिंह सोनू को चार लाख 44 हजार 670 वोट प्राप्त हुआ था। हालांकि, इस चुनाव में सपा और बसपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि इसका कितना फायदा भाजपा उठा पाएगी। भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आज बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कादीपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे।

राम लहर व मोदी लहर में भाजपा को मिली जीत

भाजपा की विजय लहरों पर टिकी रही। रामलहर (1991 से 98 तक) में हुए तीन चुनाव व मोदी लहर 2014 व 2019 में जिसको भी टिकट मिला जीत की गारंटी मिली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान सांसद मेनका गांधी के सामने सपा ने पूर्व मंत्री रामभुआल निषाद तो बसपा ने उदराज वर्मा को चुनावी समर में उतारा है। 2014 में मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी ने यहां का प्रतिनिधित्व देश की सबसे बड़ी पंचायत में किया था। मेनका गांधी का यह मजबूत पक्ष है कि उनके या पार्टी के खिलाफ कोई मूवमेंट या लहर नहीं है। राम मंदिर निर्माण भी मददगार होगा। वह सरकार की योजनाओं, खुद के काम और जनता के सुख-दुख में भागीदार होने की बात कहकर परंपरागत मतों को सहेजने की कोशिश में लगे हैं। सार्वजनिक रूप से यह बात कहती हैं कि जाति-वर्ग या धर्म पूछे बगैर सबकी मदद करती हूं।

वर्ग पहेली-77

बाएं से दाएं

2. 1. अघ अथवा पाप करने वाला 2. पातकी, पापी।
3. 1. (संगीत) अपने नियत स्वर या सुर से हटा हुआ 2. (व्यक्ति) जो सही स्वर में न गाता हो 3. ठीक समय पर न होने वाला, बेमौका।
4. 1. अतिशय रूप देने की क्रिया 2. बढ़ा-चढ़ाकर दिया गया स्पष्टीकरण 3. परम अधिकता का भाव।
6. किसी अन्य की बराबरी करने की इच्छा
8. 1. वह भूमि जिसपर सरकार का अधिकार हो, सरकारी ज़मीन 2. ऊपर से नीचे गिरने या उतरने की क्रिया या भाव 3. सामने उपस्थित होना 4. नजला नामक रोग जिसमें नाक बहती है।
9. 1. फ़सल की कटाई 2. कटे हुए फ़सल के डंठल का मुट्ठा 3. बछिया।

ऊपर से नीचे

1. कामदेव, मदन।
2. योगसाधना में सहस्रदल कमल के मध्य स्थित चंद्रबिंदु की प्रेरणा से होने वाला एक प्रकार का स्राव जिसे अमृत
4. 1. वह जो आगे बढ़कर अगवानी या स्वागत करता है 2. अगवानी 3. (परंपरा) कन्या पक्ष के वे लोग जो आगे बढ़कर बरात का स्वागत करते हैं।
5. 1. कृपालु, दयालु 2. करम करने वाला 3. उदार, नेक, क्षमाशील।
7. 1. लंबी विलायती घास जो मैदानों में लगाई जाती है 2. ब्रिटेन में प्रचलित एक प्रकार का सोने का सिक्का जो इक्कीस शिलिंग का होता है।

वर्ग पहेली -76 का हल

■	■	■	■	■	1 जा	■
■	2 दि	■	3 अं	ज	न	क
■	4 वां	टे	ड	■	का	■
5 पो	ध	■	बं	■	री	■
■	■	6 कं	ड	रा	■	7 सो
8 मू	■	गा	■	■	■	ह
ढ़ी	■	ली	■	9 बु	न	ना

सुडोकू -156

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		2						
							4	5
			4	6				
		1	3					
	8	5						
				5	1			
			5	9				
	7	6						
				7		1		8

सुडोकू -155 का हल

6	8	9	1	5	2	3	4	7
4	5	1	7	3	6	9	8	2
2	7	3	9	8	4	6	5	1
3	4	5	2	6	9	1	7	8
9	2	6	8	7	1	4	3	5
8	1	7	5	4	3	2	9	6
7	9	4	6	1	8	5	2	3
1	3	8	4	2	5	7	6	9
5	6	2	3	9	7	8	1	4

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 मई बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 18.47 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

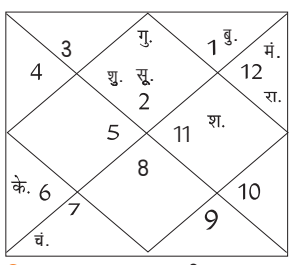

मेष: आज आप बहुत कुछ एक साथ करना चाहेंगे। इसके कारण आप सम्भवत: वह कार्य न कर पायें जिसका आपने लक्ष्य निर्धारित किया है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। अच्छे मित्रों से मिलना हो सकता है। आज आपको अपने पारिवारिक जीवन पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृष: आज व्यवसाय में बड़ा बदलाव करने से आपको बचना चाहिए। दूसरों के मामलों में आप ज्यादा व्यस्त रहने वाले हैं। नया रोजगार शुरू करने की योजना बनाने के लिए दिन शुभ है। गुप्त शत्रुओं से आपको मुक्ति मिल सकती है। जीवनशैली काफी अच्छी रहेगी।

मिथुन: आज प्रेम संबंधों के लिए दिन अच्छा नहीं है। भविष्य को लेकर लम्बी-चौड़ी योजना न बनाएं। विदेश में शिक्षा ले रहे लोगों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। मित्रों के ऊपर अति विश्वास करना उचित नहीं होगा। बोलचाल के दौरान शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें।

कर्क: आज आप दिखावे में ज्यादा धन खर्च न करें। जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों से हानि हो सकती है। जिन जातकों को स्वास्थ्य की समस्या है उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्षेत्र में किसी से ज्यादा अपेक्षा भाव न रखें।

सिंह: आज यात्राओं के लिए काफी अनुकूल दिन है। व्यवसाय में आप काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रुके हुए कार्यों में अचानक प्रगति से होने से उत्साहित रहेंगे। प्रबन्धन से जुड़े कार्यों में अच्छी सफलता मिलने की सम्भावना है।

कन्या: आज लोग आपकी बातों से काफी प्रभावित हो सकते हैं। इसीलिए आज आपको काफी संभल कर लोगों से व्यवहार करना चाहिए। धन को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। पिता की सेहत का विशेष ध्यान रखें।

तुला: आज आय के नए विकल्पों पर आप काम शुरू कर सकते हैं। बौद्धिक लोगों के बीच आपकी साख मजबूत होगी। ऐसे किसी भी कार्य की तरफ प्रवृत्त न हो जो आपको भविष्य में नुकसान पहुंचाए। गूढ़ रहस्यात्मक विषयों पर आप कुछ शोध कार्य जैसा कर सकते हैं।

वृश्चिक: आज आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। वैवाहिक जीवन में कुछ असन्तोष जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा के दौरान बाहर का भोजन करने से बचें। व्यापार में कुछ बड़े बदलाव करने से आपको बचना चाहिए।

धनु: आज आप कुछ बड़ी समस्याओं का सामना कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपने प्रतिद्वन्दियों पर भारी पड़ने वाले हैं। लोगों के बीच आप काफी लोकप्रिय हो सकते हैं। यात्राओं से लाभ होगा। दिनचर्या काफी व्यस्त हो सकती है।

मकर: आज आप कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहेंगे। जॉब में आय बढ़ने के योग बन रहे हैं। यदि आप अपने काम के लिए किसी सहयोगी पार्टनर को जोड़ना चाहते हैं तो आज का दिन शुभ है। नई योजनाओं की शुरुआत आप कर सकते हैं।

कुंभ: आज लोगों के बीच में आपके विषय में काफी चर्चा हो सकती है। फिल्म और साहित्य से जुड़े लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नए हैं तो आपको आज कुछ लोग परेशान कर सकते हैं। लेकिन आपको अपने आप विश्वास बनाये रखना चाहिये।

मीन: आज का दिन आपके लिए तनावपूर्ण हो सकता है। अपनी रहस्य की बातों को गोपनीय रखें। किसी भी बात पर एकदम से प्रतिक्रिया न दें। आपके द्वारा की हुई गलतियों पर गौर करें और तुरन्त उसे दूर कर लें। व्यवसाय में अपेक्षा के अनुसार परिणाम मिलने की सम्भावना कम है।

आज का पंचांग

दिशाशूल-उत्तर। **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-स्वाती 07.47 तक तत्पश्चात विशाखा।

आज की फिल्में

B4U Movies
- बरसात — सुबह : 11.15
- बादशाह — शाम : 05.51

&pictures
- डाक्टर जी — सुबह : 10.32
- गजनी — दोपहर : 03.48

Sony Pix
- द वॉटर हाउस — सुबह : 10.45
- दे रेड 2 — शाम : 05.05

Zee Cinema
- दिल्लगी — सुबह : 10.35
- एनेमी — शाम : 06.00

Colors Cineplex
- पद्मावत — सुबह : 09.20
- चेन्नई एक्सप्रेस — शाम : 05.58

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर दोपहर : 03.48 बजे

जोक्स ऑफ द डे

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए?
गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम।
टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं।
गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..
गोलू का बहाना सुनकर टीचर की हंसी छूट गई।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है।
बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये।
अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ।
गर्लफ्रेंड बेहोश

आधी सीटों पर सीधी, एक तिहाई में त्रिकोणीय लड़ाई

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। प्रदेश में अब जिन 27 सीटों पर अगले दो चरणों में लोकसभा चुनाव होना है, उसे पूर्वांचल का रण कहा जा रहा है। यहां जातीय गोलबंदी के बीच आधी सीटों पर सीधी तो एक तिहाई में तिकोनी लड़ाई की तस्वीर उभर रही है। 2019 के परिणाम के मुताबिक इन 27 सीटों में भाजपा ने 18, अपना दल ने दो यानी एनडीए गठबंधन ने 20 सीटें जीती थीं। आजमगढ़ की सीट भाजपा ने उपचुनाव में सपा से छीन ली थी। इस तरह एनडीए के पास वर्तमान में 21 सीटें हैं, जबकि छह सीटें बसपा के पास हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। इस बार सपा ने कांग्रेस से गठबंधन किया है, जबकि बसपा अकेले चुनाव मैदान में है। बसपा ने 2019 के चुनाव में जौनपुर, घोसी, श्रावस्ती, गाजीपुर, अंबेडकर नगर तथा लालगंज लोकसभा सीटों पर सफलता पाई थी।

अंतिम दो चरणों में मतदान वाली 27 लोकसभा सीटों में भाजपा ने 24 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। दो सीटों पर भाजपा का सहयोगी अपना दल (एस) और एक सीट पर ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा का प्रत्याशी मैदान में है। इसके मुकाबले सपा ने 22 सीटों पर उम्मीदवार उतार रखे हैं। चार सीटों पर गठबंधन के तहत कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव लड़ हैं। एक सीट भदोही से टीएमसी का उम्मीदवार मैदान में है। बसपा के प्रत्याशी सभी 27 सीटों पर ताल ठोंक रहे हैं।

भाजपा के सामने मिशन-80 की कामयाबी के लिए इन 27 सीटों पर क्लीन स्वीप करने की चुनौती है, तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने आजमगढ़ सीट भाजपा से वापस लेने के साथ अपने पीडीए फॉर्मूले की सफलता सुनिश्चित करनी है। बसपा प्रमुख मायावती की सबसे बड़ी चुनौती अपनी पार्टी का सियासी आधार कायम रखना है, तो कांग्रेस को अमेठी और रायबरेली के बाहर अपना वजूद तलाशने की चुनौती से जूझना है।

25 मई को 14 सीटों पर पड़ेंगे वोट: प्रदेश में छठे चरण में 14 सीटों सुलतानपुर, प्रतापगढ़, फूलपुर, इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, डुमरियागंज, बस्ती, संत कबीर नगर, लालगंज, आजमगढ़, जौनपुर, मछलीशहर व भदोही लोकसभा सीट पर 25 मई को वोट डाले जाएंगे। सातवें चरण का मतदान एक जून को 13 लोकसभा सीटों महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व राबर्ट्सगंज में होगा।

अगले दो चरणों में 27 लोकसभा सीटों पर पूर्वांचल का रण जीतने की जंग

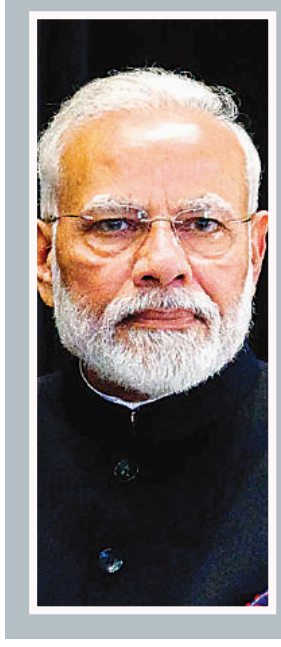

27 लोकसभा सीटों पर प्रदेश में चुनाव रह गया शेष

14 सीटों पर छठे चरण में 25 मई को होगा मतदान

13 सीटों पर अंतिम चरण में पहली जून को वोटिंग

2019 का परिणाम

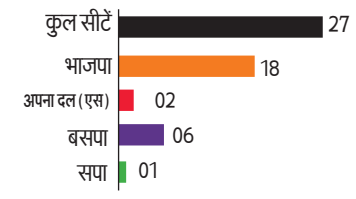

(आजमगढ़ की सीट सपा उपचुनाव में भाजपा से हार गई थी)

इंडिया ब्लॉक

- 22 – सीटों पर सपा ने उम्मीदवार उतारे
- 04 – सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी लड़ रहे चुनाव
- 01 – एक सीट भदोही से टीएमसी का उम्मीदवार
- 27 – सभी सीटों पर बसपा प्रत्याशी ठोंक रहे ताल

कौन कितनी सीट पर मुकाबले में (एनडीए)

- 24 – लोकसभा सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी
- 02 – सीटों पर अपना दल (एस) के उम्मीदवार
- 01– सीट पर सुभासपा का प्रत्याशी मैदान में

चुनावी चक्रव्यूह का छठा द्वार भाजपा पांच सीटें गई थी हार

- छठे चरण की अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, लालगंज और जौनपुर सीट साल 2019 के चुनाव में बसपा ने जीती थी तो आजमगढ़ में सपा ने जीत दर्ज की थी, हालांकि अब इस सीट पर उसका कब्जा नहीं है। ऐसे में इस बार भाजपा के लिए इन पांच सीटों पर कमल खिलाने की चुनौती है, जो आसान काम नहीं है। इसकी वजह, पूर्वांचल की ज्यादातर सीटों पर जातीय समीकरणों का मकड़जाल है। यहां आधी से ज्यादा सीटों पर पिछड़ों का प्रभाव है। वही हार जीत तय करते हैं। इसके कारण ही अपना दल, सुभासपा और निषाद पार्टी जैसे छोटे दल पिछड़े वर्ग के मतदाताओं में खास जाति के आक्सीजन पर ही चल रहे हैं। इसी तरह करीब एक तिहाई सीटों पर सवर्ण विशेष रूप से ब्राह्मण और ठाकुर मतदाता प्रभाव रखते हैं। इसे देखते हुए सभी दल अपने आधार वोट बैंक को जातीय वोटों के साथ जोड़कर प्रत्याशी उतारते रहे हैं।

पहले जाति-बिरादरी फिर पार्टी : पूर्वांचल में छठे चरण की वे छह सीटें जिन पर आर-पार का मुकाबला

लालगंज में सात चुनावों में एक बार जीती भाजपा

- लालगंज लोकसभा सुरक्षित सीट पर पिछले सात चुनावों में चार बार बसपा, दो बार सपा जबकि भाजपा ने सिर्फ एक बार 2014 में जीत दर्ज की है। इससे पहले 2009 में बसपा जीती थी और 2019 में सपा के साथ गठबंधन में जीत हासिल की थी। बसपा की संगीता आजाद को 54.01 तो भाजपा की नीलम सोनकर को 37.19 प्रतिशत मत मिले थे। कांग्रेस प्रत्याशी लगभग दो प्रतिशत वोट ही हासिल कर पाया था। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा ने लालगंज लोकसभा क्षेत्र की सभी पांच विधानसभा सीटें जीत ली थी। इस बार भाजपा ने फिर से नीलम सोनकर पर ही भरोसा जताया है। सपा ने पुराने समाजवादी दरोगा सरोज को चुनाव मैदान में उतारा है, तो बसपा ने डॉ. इंदु चौधरी को अपना प्रत्याशी बनाया है।

2019: बसपा 54.01%, भाजपा 37.19%

जौनपुर में आठ चुनावों में भाजपा तीन बार जीती

- जौनपुर सीट पर 1996 से भाजपा और बसपा को तीन-तीन बार जीत मिली है। सपा यहां दो बार जीती है। 2019 के चुनाव में बसपा के श्याम सिंह यादव ने भाजपा के सांसद कृष्ण प्रताप सिंह को 60 हजार मतों से हराया था। कांग्रेस के देवव्रत मिश्रा 27 हजार वोट पाकर तीसरे स्थान पर थे। 2014 में भाजपा के कृष्ण प्रताप सिंह वोटों के बंटवारे से जीत गए थे। उन्हें 3.67 लाख वोट मिले थे। बसपा के सुभाष पांडे को 2.20, सपा के पारसनाथ यादव को 1.80, निर्दलीय धनंजय सिंह को 64 हजार, आप पार्टी के डॉ. केपी यादव को 43 हजार और कांग्रेस के रविकिशन को भी करीब 43 हजार मतों मिले थे। इस मर्तबा यहां बसपा से सांसद श्याम सिंह यादव, भाजपा से कृपाशंकर सिंह, सपा से पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा मैदान में हैं।

2019: बसपा 50.08%, भाजपा 42.30%

आजमगढ़ में बीते नौ चुनावों में दो बार ही खिल पाया कमल

- आजमगढ़ लोकसभा पर 1996 से अब तक हुए नौ लोकसभा चुनावों में चार बार सपा, तीन बार बसपा और दो बार भाजपा को जीत मिली है। 2019 के चुनाव में समाजवादी पारेटी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ को 2.60 लाख मतों से हराया था। अखिलेश के इस्तीफा देने पर 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा से दोबारा उतरे निरहुआ आठ हजार वोटों से जीत गए थे। इस चुनाव में सपा के धर्मेंद्र यादव की हार का कारण बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली को 2.66 लाख वोट मिलना था। इस बार सपा ने धर्मेंद्र यादव, भाजपा ने दिनेश लाल यादव निरहुआ को उतारा है, तो बसपा से मशहूद सबीहा अंसारी चुनाव मैदान में हैं।

2019: सपा 60.04%, भाजपा 35.10%

पिछली बार सिर्फ 181 मतों से ही मिली थी जीत

- मछलीशहर लोकसभा सीट पर नजर डालें तो तीन दशक के चुनाव में भाजपा ने चार बार, सपा ने दो बार और बसपा ने बार जीत हासिल की है। 2019 के चुनाव में यहां दिल की धड़कनें रोक देने वाला मुकाबले में भाजपा के बीपी सरोज ने बसपा के त्रिभुवन राम को 181 मतों से हरा दिया था। 2014 में भाजपा से रामचरित्र निषाद वोटों का बंटवारा होने से जीत गए थे। राम चरित्र को 4.38 लाख, बसपा के बीपी सरोज को 2.66 लाख, सपा के तूफानी सरोज को 1.91 लाख, कांग्रेस के तूफानी निषाद को 36 हजार और भाकपा के सुभाष चंद्र को 18 हजार से ज्यादा मत मिले थे। इस बार भाजपा से सांसद बीपी सरोज, सपा ने अपने तीन बार के सांसद तूफानी सरोज की पुत्री प्रिया सरोज, बसपा ने पूर्व आईएएस अधिकारी कृपाशंकर सरोज पर दांव लगाया है।

2019: बसपा 47.17%, भाजपा 47.19%

श्रावस्ती में जीत का आधार बना ब्राह्मण कार्ड

- श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र ब्राह्मण-मुस्लिम बहुल है। 2008 में बनी इस सीट पर तीन चुनावों में कांग्रेस, भाजपा व बसपा एक-एक बार जीती है। 2019 में बसपा के रामशिरोमणि शर्मा ने भाजपा सांसद दद्दन मिश्रा को 5,320 मतों से हरा दिया था। कांग्रेस के धीरेंद्र प्रताप सिंह 58 हजार मत पाकर तीसरे स्थान पर थे। बसपा ने इस बार मुइनुद्दीन अहमद खान को मैदान में उतारा है। 2014 में जीते भाजपा के दद्दन मिश्रा को मिले 3.45 लाख मतों के मुकाबले सपा के अतीक अहमद को 2.60, बसपा के लालजी वर्मा को 1.94 लाख, पीईसीपी के रिजवान जहीर को 1.01 लाख वोट मिले थे। इस बार यहां भाजपा ने राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के पुत्र साकेत मिश्र को उतारा है। सपा से सांसद रामशिरोमणि वर्मा और बसपा से मुइनुद्दीन अहमद हैं।

2019: बसपा 44.31%, भाजपा 43.78%

अंबेडकरनगर में आठ में छह चुनाव बसपा ने जीते

- अंबेडकर नगर लोकसभा सीट से बसपा सुप्रीमो मयावती 2019 में बसपा के रितेश पांडेय ने भाजपा के मुकुट बिहारी को 96 हजार मतों से हरा दिया था। इससे पहले 2014 में भाजपा के हरिओम पांडे 4.32 लाख वोट पाकर जीते थे। लेकिन बसपा के राकेश पांडेय को 2.92 लाख, सपा के राममूर्ति वर्मा को 2.34 लाख और कांग्रेस के अशोक सिंह को 23 हजार मत मिले थे। इस बार यहां भाजपा ने बसपा से आए सांसद रितेश पांडेय को उम्मीदवार बनाया है। रितेश के पिता 2009 में बसपा से यहां से सांसद चुने गए थे, 2014 में हार गए थे। बसपा ने जलालपुर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष कमर हयात तो सपा ने छह बार के विधायक लालजी वर्मा पर भरोसा जताया है।

2019: बसपा 51.75%, भाजपा 42.95%

गुरुग्राम लोकसभा सीट पर रोचक हुआ चुनावी संग्राम

हरियाणवी खून और 'बब्बर शेर' के बीच 'कर गई चुल्ल'

राज बब्बर।

राव इंद्रजीत सिंह।

राहुल फाजिलपुरिया।

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। देश का प्रमुख आईटी व इनोवेशन केंद्र गुरुग्राम इस समय रोचक चुनावी संघर्ष का नजारा देख रहा है। यहां कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व सिने अभिनेता राज बब्बर जिन्हें कांग्रेसी 'बब्बर शेर' बता रहे हैं, का मुकाबला 2019 में जीत की हैट्रिक लगा चुके भाजपा के केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह से हो रहा है। राव इंद्रजीत सिंह ने 2009 में कांग्रेस से चुनाव जीता था और 2014 के चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा से मतभेद के चलते भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा यहां राजबब्बर को बाहरी बताकर 'हरियाणवी खून' के लिए वोट मांग रही है। लेकिन इन दोनों के मुकाबले में तीसरी कड़ी बनकर तेजी से उभरे हैं, जेजेपी के प्रत्याशी बॉलीवुड रैपर हरियाणवी गायक राहुल फाजिलपुरिया। वह 2016 में आई फिल्म 'कपूर एंड संस' के गाने 'कर गई चुल्ल' में आवाज देकर मशहूर हुए थे। इन तीनों प्रत्याशियों के बीच चौथा कोण भी है, इंडियन नेशनल लोकदल ने यहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी तादाद देखते हुए हाजी सोहराब खान को मैदान में उतार रखा है।

गुरुग्राम 25,78,523 मतदाताओं के साथ हरियाणा का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। शानदार चमक-दमक वाले इलाकों के साथ मेव मुस्लिम बहुल पिछड़ा नूंह क्षेत्र भी इस लोकसभा सीट का हिस्सा है। यहां 19% के साथ सबसे बड़ा वोट बैंक मेव मुस्लिम हैं। अहीरों की आबादी 17% है, जाट यहां आबादी का 8% हिस्सा हैं और सामान्य श्रेणी में सबसे बड़ा समुदाय हैं। इनके बाद पंजाबी करीब 7% हैं। दलित आबादी 15% है।

भाजपा प्रत्याशी इंद्रजीत सिंह अपनी चौथी जीत के लिए चुनाव को मूल बनाम बाहरी लड़ाई बता रहे हैं। उनकी बेटी आरती सभाओं में हरियाणवी खून के लिए वोट मांग रही हैं। लेकिन राव इंद्रजीत सिंह की राह इस बार आसान नहीं दिख रही है। उन्हें इस भाजपा की गुटबाजी का सामना करना पड़ रहा है। राज्य के बड़े नेता भी उनके प्रचार में सिर्फ खानापूरी के लिए ही आते-जाते नजर आ रहे हैं। ऐसे में राव इंद्रजीत ने अपने प्रचार अभियान में मोदी का गारंटी के साथ विकास पर फोकस कर रखा है। वह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और द्वारका एक्सप्रेस-वे के निर्माण, एम्स रेवाड़ी की आधारशिला रखने और कल्याणकारी योजनाओं का हवाला देकर वोट मांग रहे हैं। 2019 में राव इंद्रजीत सिंह ने लगभग चार लाख वोटों से कांग्रेस के उम्मीदवार कैप्टन अजय यादव को हराया था। इसके मुकाबले कांग्रेस के राज बब्बर अपने पंजाबी समुदाय के साथ मुस्लिम मतों पर भरोसा करते हुए स्टारडम का फायदा उठाते हुए अन्य वर्गों को साधने में मेहनत कर रहे हैं।

भोजपुरी गीत और बदलाव को कसी मुट्ठियां

चुनाव डेस्क

● दिल्ली की नॉर्थ ईस्ट लोकसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला

अमृत विचार। दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों में नॉर्थ ईस्ट लोकसभा सीट लगातार सबसे हॉट बनी हुई है। यहां भोजपुरी गीतों की धूम के बीच बदलाव के लिए कसी मुट्ठियों का जोश टकराता नजर आ रहा है। जेएनयू छात्रसंघ के अध्यक्ष रहे कन्हैया कुमार जो राहुल गांधी के साथ भारत जोड़ो यात्रा करके उनके भरोसेमंद बन चुके हैं, इस सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं, जिन्हें आम आदमी पार्टी का समर्थन मिला हुआ है। कन्हैया का मुकाबला दो बार के भाजपा सांसद भोजपुरी सिनेमा के गायक और सुपरस्टार मनोज तिवारी से हो रहा है। भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी भले ही बिहार से हैं, लेकिन इनकी राजनीति दिल्ली में ही शुरू हुई है। इस कारण मुकाबला और रोचक हो गया है। इस सीट पर अधिकतर मतदाता पूर्वांचल से जुड़े हैं। ऐसा माना जाता है कि पूर्वी यूपी और बिहार के लोग ही यहां चुनाव का नतीजा तय करते हैं। इन लोगों की मुख्य मांगों में कॉलोनियों का नियमितीकरण, नौकरी की सुरक्षा, किफायती आवास और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता शामिल है। पूर्वांचल और बिहार के इन मूल निवासियों का कहना है कि राजधानी में कई साल बिताने के बाद भी उनके साथ दोयम दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार किया जाता है। वे ज्यादातर छोटे आवासों में रहते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। लेकिन इन सारी समस्याओं के बावजूद ये मतदाता बड़ा वोट बैंक हैं, जिन्हें लुभाने के लिए मनोज तिवारी की चुनावी सभाओं में 'रिंकिया के पापा' जैसे भोजपुरी गानों की धूम सुनी जा सकती है। दिल्ली की इस लोकसभा सीट पर पूर्वांचल और बिहार के मतदाताओं के साथ ही महिला वोटर के हाथ में जीत की कुंजी मानी जाती है। इसकी वजह इस लोकसभा सीट पर महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से ज्यादा होना है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र में 10 विधानसभा सीटें हैं। इनमें अधिकतर पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है, जो कांग्रेस से गठबंधन के चलते कन्हैया कुमार के साथ खड़ी है।

जीत का भरा जोश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को धनबाद निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ढुल्लू महतो के समर्थन में बोकारो जिले में चुनाव प्रचार किया।

सुल्तानपुर सीट से दूसरी जीत दर्ज करने पर नौ बार सांसद चुने जाने का रिकार्ड बना देंगी भाजपा नेता

मेनका गांधी पिछली बार जैसे संघर्ष में ही उलझी दिख रहीं

सुल्तानपुर लोकसभा सीट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। आठ बार की सांसद मेनका गांधी सुल्तानपुर से दूसरी बार चुनाव जीतने के साथ ही डीबी राय के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। राय भी नौ बार सांसद बने थे। वैसे सबसे ज्यादा बार लोकसभा में पहुंचने का रिकार्ड इंद्रजीत गुप्ता के नाम है, जो 11 बार चुनाव जीते थे। 10 बार सांसद बनने वालों में अटल बिहारी वाजपेई, सोमनाथ चटर्जी और पीएम सईद का नाम है। 2019 का लोकसभा चुनाव जीतने के लिए सुल्तानपुर में भाजपा की प्रत्याशी मेनका गांधी को खासा संघर्ष करना पड़ा था। कांटे के मुकाबले में उन्होंने बसपा उम्मीदवार चंद्रभद्र सिंह को 14 हजार वोटों से हराया था। इस जीत के साथ ही मेनका गांधी सुल्तानपुर की पहली महिला सांसद भी बन गई थीं। उनसे पहले यहां से कोई महिला उम्मीदवार जीत नहीं हासिल कर पायी थी।

मेनका गांधी।

भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी के लिए सुल्तानपुर में इस बार का चुनाव भी आसान नहीं नजर आ रहा है। इस लोकसभा क्षेत्र में निषाद मतदाता बड़ी संख्या में हैं। सपा ने इसी जातीय समीकरण को साधने के लिए तमाम आंतरिक कलह के बाद राम भुआल निषाद को मैदान में उतारा है। वह पहले बसपा फिर भाजपा में रह चुके हैं।

2007 में बनी बसपा सरकार में मत्स्य राज्य मंत्री थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में गोरखपुर में योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़े थे। बसपा से इस बार नए और युवा चेहरे के रूप में उदराज वर्मा क्षेत्र में मेहनत करते नजर आ रहे हैं। पिछले तीन चुनावों में यहां बसपा दूसरे नंबर पर रही है, ऐसे में बसपा की चुनौती को कमजोर करके नहीं आंका जा सकता है। जानकार इस बार त्रिकोणीय संघर्ष होना मान रहे हैं। दरअसल, बसपा ने यहां कुर्मी समाज पर दांव खेला है, जिनकी मतदाता संख्या एक लाख से ज्यादा है। बसपा की रणनीति कुर्मी और करीब साढ़े तीन लाख दलित मतों के सहारे मुकाबले में आकर मुस्लिम मतों को भी अपनी झोली में डालना है। उधर, सपा ने भी लोकसभा क्षेत्र में दो लाख से अधिक गिने जाने वाले निषाद मतदताताओं के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग और एम वाई समीकरण के तहत यादव और मुस्लिम मतों के सहारे जीत की उम्मीद लगा रखी है।

अकेले ही संभाल रखी है प्रचार की कमान

- मेनका गांधी सुल्तानपुर के गांवों में लगातार प्रचार में जुटी हैं। वह प्रतिदिन सैकड़ों लोगों से संपर्क कर रही है। अभी भाजपा के किसी बड़े नेता की सभा उनके समर्थन में नहीं हुई है। सुल्तानपुर लोकसभा में सुल्तानपुर, जयसिंहपुर सदर, लम्भुआ, कादीपुर और इसौली विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें से इसौली को छोड़कर जहां से सपा के मो. ताहिर खान विधायक हैं, बाकी चार विधानसभाओं में भाजपा का कब्जा है। जिला पंचायत अध्यक्ष और नगर पालिका परिषद सुल्तानपुर के चेयरमैन पद पर भी भाजपा काबिज है। मेनका गांधी के साथ सीधे तौर पर कोई जातीय समीकरण नहीं है, लेकिन विधायकों और संगठन के माध्यम से भाजपा सभी वर्ग के मतदाताओं तक मोदी की गारंटी, विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं के साथ राष्ट्रवाद का संदेश पहुंचा रही है।

कांटे के मुकाबले में 2019 में 14,526 मतों से मिली थी जीत : 2019 के चुनाव में मेनका गांधी को 4,59,196 वोट मिले थे। बसपा के चंद्र भद्र सिंह ने 4,44,670 मत पाए थे। मेनका गांधी चुनाव 14,526 वोटों के अंतर से जीतने में सफल रही थीं। इससे पहले 2014 में मेनका गांधी के पुत्र वरुण गांधी यहां से भाजपा के सांसद चुने गए थे। वरुण ने बसपा के पवन पांडेय को 1,78,902 वोटों से हराया था। सपा के शकील अहमद तीसरे और 41 हजार वोट पाकर कांग्रेस की अमिता सिंह चौथे स्थान पर पिछड़ गई थीं। 2009 का चुनाव कांग्रेस के डॉ. संजय सिंह ने जीता था, तब बसपा के मोहम्मद ताहिर दूसरे स्थान पर थे। भाजपा से उतरे सूर्यभान सिंह 44 हजार वोटों के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए थे।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 980 फ्लैग 1095 डीएमओ 865 बोल्ड 1155, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 995 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 930।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2350-2500
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6200 -6400
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	8500 -8800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	17200-17400
अरहरस्पेशल1	14300-14400
चनादाल	7700-7800
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7250-7300
मसूरदाल	7500-7550
उड़ददाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	9500 -10500
मूँग धोवा	10000-11500

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1325-1350

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5300-5400
अलसी	4500 -4600 रुपये।

भारत 2027-28 तक एक लाख करोड़ डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था होगा

सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री चंद्रशेखर बोले-अर्थव्यवस्था सालाना 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था सालाना 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और इसके वर्ष 2027-28 तक एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। चंद्रशेखर ने एक कार्यक्रम में कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए समर्पित इंडिया एआई मिशन का मूल्य भी 10,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर 20,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार को पहले 2026-27 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद थी लेकिन कोविड-19 महामारी सहित कई वजहों से इस लक्ष्य को एक साल आगे बढ़ा दिया गया है। चंद्रशेखर ने कहा-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से डिजिटल अर्थव्यवस्था 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। वर्ष 2015 में निर्धारित यह दृष्टिकोण कारगर रहा है। हम पहले से ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हैं। हमारा लक्ष्य है कि 2027-28 तक एक लाख करोड़ डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था को हासिल करना है।

वित्त मंत्रालय पूर्ण बजट में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बढ़ा सकता है सीपीएसई लाभांश अनुमान

वित्त मंत्रालय जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीपीएसई लाभांश अनुमान को 5,000 करोड़ रुपये बढ़ाकर करीब 53,000 करोड़ रुपये कर सकता है। सरकार ने अंतरिम बजट 2024-25 में चालू वित्त वर्ष के लिए गैर-वित्तीय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) से लाभांश का अनुमान 48,000 करोड़ रुपये लगाया है। एक अधिकारी ने कहा-जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में अनुमान करीब 5,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि अंतरिम बजट अनुमान दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 के अनुमानों पर आधारित थे। पूर्ण बजट में अनुमान अधिक होंगे क्योंकि अब लाभांश की तस्वीर अधिक स्पष्ट है। किसी विशेष वित्त वर्ष में सरकार की लाभांश प्राप्तियों में वित्त वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों द्वारा घोषित अंतरिम लाभांश, साथ ही पिछले वित्त वर्ष के लिए अंतिम लाभांश शामिल होते हैं।

वैश्विक यात्रा व पर्यटन सूचकांक में भारत 39वें स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के यात्रा एवं पर्यटन विकास सूचकांक-2024 में भारत 39वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021 में जारी सूची में भारत 54वें स्थान पर था।

डब्ल्यूईएफ के अनुसार, अमेरिका इस सूची में शीर्ष पर है। भारत, दक्षिण एशिया और निम्न-मध्यम-आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में सर्वोच्च स्थान पर है। भारत 2021 में प्रकाशित सूचकांक में 54वें स्थान पर था। हालांकि, सूचकांक मापदंडों में किए गए बदलाव इसकी पिछले वर्षों से तुलना को सीमित करते हैं। अमेरिका के बाद स्पेन, जापान, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया 2024 की सूची में शीर्ष पांच में शामिल हैं। जर्मनी छठे स्थान पर और उसके बाद शीर्ष 10 में ब्रिटेन, चीन, इटली और स्विट्जरलैंड ने जगह बनाई है।

आर्थिक वृद्धि दर पहली तिमाही में 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान

मुंबई, एजेंसी

- भारतीय रिजर्व बैंक के लेख में जताई गई उम्मीद

सकल मांग और गांवों में गैर-खाद्यान्न वस्तुओं पर खर्च बढ़ने के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.5 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक के मंगलवार को जारी मई बुलेटिन में यह कहा गया है। बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करने वाली वैश्विक बाधाओं के बावजूद उल्लेखनीय मजबूती को दिखाया है।

इसमें कहा गया है कि आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) के अनुसार, अप्रैल में गतिविधियों में तेजी आई और शुरुआती अनुमान बताते हैं कि 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7.5 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है। आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) का निर्माण 'डायनेमिक फैक्टर मॉडल' का उपयोग करके, आर्थिक गतिविधियों से जुड़े 27 महत्वपूर्ण (हाई फ्रीक्वेंसी) संकेतकों के सामान्य रुख को निकालकर किया गया। फरवरी, 2020 में ईएआई को 100 रखा गया जबकि अप्रैल, 2020 में इसे शून्य कर दिया गया। इसका कारण अप्रैल महीना कोविड महामारी के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सबसे अधिक प्रभावित था।

सर्राफा

कानपुर

चाँदी 999 (प्रति किलो)	93,600
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	95,000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	76,100
गिन्नी (प्रति नग)	56,700-56,900

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	73,650
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	73,500
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	88,000
चांदी तैयार	88,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000

बरेली

सोना जेवरात पक्के	74,000
सोना जेवरात गिन्नी	73,000
चांदी पक्की	890 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	74,250
चांदी आभूषण	89,000।

मुनाफावसूली से सोने, चांदी के भाव रिकॉर्ड स्तर से नीचे फिसले

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आईं। कमजोर वैश्विक रुख और मुनाफावसूली के कारण सोने की कीमत में 550 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज हुई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, सोने की कीमतें अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सदस्यों में से एक की तीखी टिप्पणियों से प्रभावित हुईं, जिन्होंने सुझाव दिया कि मुद्रास्फीति को लक्ष्य पर वापस लाने के लिए ब्याज दरों को लंबी अवधि तक मौजूदा स्तर पर जारी रखने की आवश्यकता होगी। सोने की कीमत 550 रुपये गिरकर 74,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। पिछले सत्र में सोना 75,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतें 1,600 रुपये टूटकर 94,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गईं। पिछले सत्र में यह 96,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा-दिल्ली में हाजिर सोना (24 कैरेट) 74,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था।

इक्रा ने जीडीपी वृद्धि 6.7 प्रतिशत रहने का लगाया अनुमान

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर चार तिमाही के निचले स्तर 6.7% पर रहने का अनुमान लगाया है। इक्रा का अनुमान है समूचे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8% रहेगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि कम मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ जिंस की कीमतों से कम लाभ के साथ कुछ औद्योगिक क्षेत्रों की लाभप्रदता में गिरावट से वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में जीवीए वृद्धि में कमी आने की उम्मीद है।

6 महीने के औसत से तय होगा कंपनियों का बाजार पूंजीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मार्केट कैप की गणना के तरीकों में किया बदलाव

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सूचीबद्धता दायित्व और खुलासा आवश्यकता (एलओडीआर) नियमों के तहत सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) की गणना के तरीके को बदल दिया है। एक दिन (वर्तमान में 31 मार्च) के बाजार पूंजीकरण का उपयोग करने के बजाय सूचीबद्ध कंपनियां अब छह महीने की अवधि के लिए 'औसत बाजार पूंजीकरण' का उपयोग करेंगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि किसी सूचीबद्ध इकाई के बाजार पूंजीकरण में बाजार की गतिशीलता के आधार पर दैनिक आधार पर उतार-चढ़ाव होता रहता है। इसलिए एक उचित अवधि में बाजार पूंजीकरण के आंकड़ों का औसत उस सूचीबद्ध इकाई के बाजार आकार को अधिक सटीक ढंग से दर्शाएगा। सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य एस के मोहंती की अध्यक्षता में गठित एक विशेषज्ञ समिति ये बदलाव किए हैं।

बाजार पूंजीकरण पहली बार पांच लाख करोड़ डॉलर के हुआ पार

घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच मंगलवार को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पहली बार पांच लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया। बीएसई के मंच पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, कारोबारी सत्र के अंत में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 4,14,62,306.56 करोड़ रुपये (4.97 लाख करोड़ डॉलर) रहा। यह इसका अबतक का उच्चतम स्तर है। हालांकि, सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन ने पांच लाख करोड़ डॉलर का आंकड़ा भी पहली बार पार किया।

राष्ट्रीय

एक नजर

एक व्यक्ति ने 25 लाख रुपये में अनोखा वाहन पंजीकरण नंबर खरीदा

हैदराबाद। हैदराबाद में एक व्यक्ति ने 25 लाख रुपये में अपनी कार के लिए अनोखा पंजीकरण नंबर '9999' खरीदा है। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद के संयुक्त परिवहन आयुक्त सी. रमेश ने कहा कि अनोखे (फैंसी) पंजीकरण नंबरों की ऑनलाइन नीलामी में '9999' के लिए सबसे ऊंची बोली लगी, जिसमें कार मालिक ने 'टीजी-09 9999' नंबर के लिए विभाग को 25,50,002 रुपये का भुगतान किया। सोमवार को आयोजित अनोखे नंबर '9999' की नीलामी में 11 लोगों ने भाग लिया और यह नंबर 25.5 लाख रुपये में बिका।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व आप नेता जगबीर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता जगबीर सिंह बराड़ लोकसभा चुनाव के शेष दो चरणों से पहले मंगलवार को यहां भाजपा में शामिल हो गए। पंजाब के पूर्व विधायक बराड़ ने यहां पार्टी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। करीब एक साल पहले आप में शामिल होने से पहले बराड़ शिरोमणि अकाली दल के सदस्य थे। उन्होंने 2007 के विधानसभा चुनाव में शिअद के टिकट पर जालंधर छावनी सीट जीती थी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि वह पूर्व में कांग्रेस की जालंधर जिला इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

विमान की चपेट में आने से फ्लेमिंगो की मौत

मुंबई। मुंबई में कथित तौर पर एक विमान की चपेट में आने के बाद 30 से अधिक फ्लेमिंगो (राजहंस) की मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इसकी जांच कराने की मांग की है और साथ ही दावा किया है कि शहरी योजनाकर्ताओं ने ऐसे आपदाओं के बारे में चेतावनियों को नजरअंदाज किया है।

5 चरण के बाद भाजपा 310 सीट जीत चुकी: शाह

गृह मंत्री ने दावा करते हुए ओडिशा के लोगों से की समर्थन करने की अपील

संबलपुर/क्योंझर (ओडिशा), एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने ओडिशा के संबलपुर में मां समलेश्वरी मंदिर का दौरा किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के 5 चरण पूरे होने के बाद भाजपा को 310 सीट मिलने का दावा करते हुए मंगलवार को ओडिशा के लोगों से अपील की कि वे राज्य को बाबू-राज से आजाद कराएं और भाजपा को केंद्र एवं राज्य दोनों में सरकार बनाने के लिए समर्थन दें। शाह ने संबलपुर में दो चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार ओडिशा में कमल खिलेगा।

संबलपुर सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा-पांचवें चरण के मतदान के बाद भाजपा को 310 सीट पहले ही मिल चुकी हैं। छठे और सातवें दौर के मतदान के बाद हम 400 से अधिक सीट हासिल कर लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में मुट्ठी भर अधिकारियों का शासन है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य में मौजूदा बाबू राज को समाप्त कर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की ज्यादातर खदानें और खनिज भंडार क्योंझर जिले में स्थित होने के बावजूद यहां के आदिवासियों को कोई लाभ नहीं मिला है। शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि देश भर में कोई आतंकवाद न हो।

जीत के और निकट बढ़ रहा है इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दिल्ली के लोगों को पाकिस्तानी कहने का आरोप लगाया और कहा कि दिल्लीवासी उनका परिवार हैं और उनके लिए अपशब्द नहीं कहे जाने चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि चार जून के बाद मोदी की सरकार की विदाई होने वाली है और इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) सत्ता में आ रहा है।

बांग्लादेश के सत्तारूढ़ दल आवामी लीग के सांसद लापता

कोलकाता। इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे बांग्लादेश के सांसद अनवारूल अजीम अनार पिछले कुछ दिनों से लापता हैं। यहां बांग्लादेश उच्चायोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांग्लादेश की सत्तारूढ़ पार्टी आवामी लीग के सांसद अनार 13 मई से लापता हैं। अधिकारी ने कहा-वह इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता आये थे और शहर के उत्तरी हिस्से में बरानगर में अपने एक दोस्त के घर पर ठहरे हुए थे। वह 13 मई को किसी से मिलने गये थे लेकिन वापस नहीं आये। उनके मित्र ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि अनार पिछले 8 दिन से लापता हैं लेकिन उनके फोन से उनके परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए कि वह दिल्ली चले गए हैं।

बाबासाहब नहीं होते तो नेहरूजी एससी एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते: मोदी

मोतिहारी (बिहार), एजेंसी

- बिहार की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने लगाया आरोप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बाबासाहब भीमराव आंबेडकर नहीं होते तो पंडित जवाहरलाल नेहरू अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को आरक्षण नहीं मिलने देते। प्रधानमंत्री ने यह आरोप भी लगाया कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण की राजनीति और सनातन विरोधी सोच के साथ खड़ा है और चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के साथ ही इन सभी को बड़ा झटका लगेगा। बिहार के पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा-बाबासाहब आंबेडकर न होते तो नेहरू जी एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते। उन्होंने तो मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इसका विरोध किया था। नेहरू जी से लेकर राजीव गांधी तक इस परिवार के जितने प्रधानमंत्री हुए, सबने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया।

उन्होंने कहा-कांग्रेस के पास एक ही वोट बैंक आज बचा है और वे उसे खुश करने के लिए एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर आपसे छीनकर वोट जिहाद वालों को देना चाहते हैं। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता इसलिए ये संविधान बदलना चाहते हैं।

क्या अदालत गिरफ्तारी की वैधता की कर सकती है पड़ताल

नई दिल्ली, एजेंसी

- भूमि घोटाले को लेकर हेमंत सोरेन से न्यायालय ने पूछा

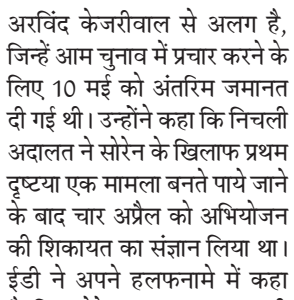

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा कि कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर निचली अदालत के संज्ञान लेने के बाद उनकी गिरफ्तारी की वैधता की क्या रिट अदालत पड़ताल कर सकती है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सोरेन के वकील से अदालत को पहले यह बताने को कहा कि नियमित जमानत के लिए उनकी अर्जी खारिज होने के बाद लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उन्हें कैसे अंतरिम जमानत दी जा सकती है। पीठ ने विषय की अगली सुनवाई बुधवार के लिए निर्धारित की है। सोरेन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी ने अदालत के सवालों का जवाब देने के लिए बुधवार तक का वक्त मांगा। ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल एस वी राजू ने सोरेन की अंतरिम जमानत अर्जी का विरोध करते हुए दलील दी कि उनका मामला दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से अलग है, जिन्हें आम चुनाव में प्रचार करने के लिए 10 मई को अंतरिम जमानत दी गई थी। उन्होंने कहा कि निचली अदालत ने सोरेन के खिलाफ प्रथम दृष्टया एक मामला बनते पाये जाने के बाद चार अप्रैल को अभियोजन की शिकायत का संज्ञान लिया था। ईडी ने अपने हलफनामे में कहा है कि सोरेन राज्य सरकार की मशीनरी का दुरूपयोग कर अपने खिलाफ धन शोधन मामले की जांच प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसने लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत के उनके विशेष अनुरोध का विरोध किया है। जांच एजेंसी ने कहा कि 31 जनवरी को सोरेन की गिरफ्तारी को झारखंड उच्च न्यायालय ने बरकरार रखा है और उनकी नियमित जमानत अर्जी निचली अदालत ने 13 मई को खारिज कर दी थी।

सीबीआई दलों ने दो से 10 लाख रुपये तक की रिश्वत ली

नई दिल्ली, एजेंसी

मध्य प्रदेश का नर्सिंग महाविद्यालय घोटाला

मध्य प्रदेश में नर्सिंग महाविद्यालय घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने खुलासा किया है कि उसके अधिकारी निरीक्षण के बाद अनुकूल रिपोर्ट देने के लिए हर शिक्षण संस्थान से कथित रूप से दो से 10 लाख रुपये तक की रिश्वत ले रहे थे। सीबीआई ने यह जानकारी दी है।

इस मामले में सीबीआई के पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रसाद, निरीक्षक राहुल राज एवं सुशील कुमार मजोका तथा ऋषिकांत असाथे एजेंसी द्वारा नामजद 22 लोगों में शामिल हैं। राहुल राज और सुशील कुमार मजोका सीबीआई में मध्य प्रदेश पुलिस से संबद्ध थे। राज को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। सीबीआई की प्राथमिकी में नर्सिंग पाठ्यक्रम चला रहे आठ महाविद्यालयों के निदेशकों, अध्यक्षों, कर्मियों एवं बिचौलियों के भी नाम हैं जिन्होंने निरीक्षण दलों की ओर से रिश्वत ली थी और उन तक रकम पहुंचायी थी। एक सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा-सीबीआई द्वारा दर्ज यह मामला भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की उसकी नीति की प्रतिपुष्टि करता है।

3.22 करोड़ का घोटाला करने वाला अमेजन कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद में आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाने में भारतीय पेरोल के एक अमेजन कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कर्मचारी ने लगभग तीन करोड़ बाईस लाख चार हजार चार रुपए से अधिक का घोटाला किया है। इस गबन को 50 बैंक खातों में धन ट्रांसफर करके अंजाम दिया गया, जो कि सहयोगियों के थे, जिससे 184 पूर्व-कर्मचारी/निष्क्रिय कर्मचारी अपने उचित बकाया से वंचित हो गए। इसको लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जांच के बाद पुलिस ने कल हैदराबाद के बाहरी इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

प्रस्तावित एकीकृत कमान से सशस्त्र बलों की सैन्य तैयारियों में आएगी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने बहु प्रतीक्षित योजना को लेकर की टिप्पणी
- बोले, देश के हमें तीनों सशस्त्र बलों से सर्वश्रेष्ठ चीजों को ही लेना चाहिए

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि प्रस्तावित एकीकृत कमान से सशस्त्र बलों की सैन्य तैयारियों में तेजी आएगी। एकीकृत कमान स्थापित करने की महात्वाकांक्षी और बहु प्रतीक्षित योजना लागू करने पर भारत के विचार करने के बीच उनकी यह टिप्पणी आई है।

सीडीएस ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) से एक संयुक्त कार्यशैली विकसित करने की भी अपील की, क्योंकि वे संयुक्त अभियानगत संरचना बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत कमान से सुधारों के अगले दौर की शुरूआत होगी।

उन्होंने कहा कि एकीकृत कमान से एकल से बहु-क्षेत्रीय अभियान, पारंपरिक क्षेत्र में अंतरिक्ष एवं साइबर जगत का इस्तेमाल, युद्ध क्षेत्र की सूचना का डिजिटाइजेशन जैसे कई सुधारों का मार्ग प्रशस्त होगा। सीडीएस ने मेजर जनरल समीर सिन्हा स्मृति व्याख्यान देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों में संयुक्त कार्यशैली का विकास दूसरे चरण का एकीकरण होगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण का एकीकरण सशस्त्र बलों के बीच बेहतर तालमेल और आम सहमति के बारे में था। जनरल चौहान ने तीनों सशस्त्र बलों की अलग-अलग कार्यशैली होने की बात स्वीकार करते हुए उल्लेख किया कि सेना के तीनों अंगों के बीच एक चौथी कार्यशैली विकसित करने की जरूरत है।

सीडीएस ने कहा-देश के हमें तीनों सशस्त्र बलों से सर्वश्रेष्ठ चीजों को लेना चाहिए। एकीकरण मॉडल के तहत सरकार थलसेना, वायुसेना और नौसेना की क्षमताओं को समन्वित करना तथा युद्ध एवं अभियानों के लिए उनके संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहती है। एकीकरण योजना के अनुसार, प्रत्येक एकीकृत कमान में थलसेना, वायुसेना और नौसेना की इकाइयां होंगी तथा वे सभी एक इकाई के रूप में काम करेंगी। वर्तमान में थलसेना, नौसेना और वायुसेना की अलग-अलग कमान हैं।

हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी के लिए मोदी को सार्वजनिक जीवन छोड़ देना चाहिए: खरगे

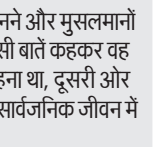

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रतिदिन हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी कर रहे हैं और समाज में नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं जिसके चलते उन्हें सार्वजनिक जीवन छोड़ देना चाहिए। खरगे ने एक साक्षात्कार में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के इरादे साफ नहीं हैं क्योंकि वह चुनाव प्रचार के दौरान हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी के साथ रोजाना नफरत भरे भाषण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भैंस छीनने और मुसलमानों को बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा देने जैसी बातें करते हैं और ऐसी बातें कहकर वह खुद समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था, दूसरी ओर उनका दावा था कि अगर वह हिंदू-मुस्लिम बात करेंगे तो उन्हें सार्वजनिक जीवन में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

राष्ट्रपति रईसी के हेलीकॉप्टर हादसे की जांच के लिए अमेरिका का इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी

● ईरान ने लगाई गुहार, अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा- रईसी के हाथ खून से सने

ईरान सरकार की ओर से हेलीकॉप्टर दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए अमेरिका से किया गया आग्रह को उसने ठुकरा दिया है। यह जानकारी अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक ने दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि ईरान में राष्ट्रपति के तौर पर रईसी का रिकॉर्ड सही नहीं था। साथ ही यह तथ्य भी नहीं बदला है कि उनके हाथ खून से सने थे। रविवार को राष्ट्रपति रईसी और विदेश मंत्री आमिर-अब्दुल्लाहियन और छह अन्य जिस हेलीकॉप्टर में सवार थे, वह कोहरे के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

मैथ्यू मिलर से सोमवार को जब प्रेस वार्ता में ईरानी सरकार की ओर से मदद का आग्रह किये जाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इस तरह की स्थितियों में विदेशी सरकारों से आग्रह आने पर मदद करता है, लेकिन अमेरिका उसकी किसी भी तरह की मदद कर पाने में सक्षम नहीं है। मिलर ने कहा कि काफी हद तक लॉजिस्टिक कारणों के चलते मदद नहीं की जा रही है।

तेहरान में दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को श्रद्धांजलि देते सदस्य।

दिवंगत राष्ट्रपति की मौत पर मातम मनाने जुटे लोग

दुबई। ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व अन्य अधिकारियों के जनाजे में शामिल होने और मातम मनाने के लिए मंगलवार को लोगों के जुटने का सिलसिला शुरू हो गया है। ईरान की सरकार ने दिवंगत राष्ट्रपति के सम्मान में कई कार्यक्रम आयोजित किये हैं। साथ ही वह इसके जरिये पश्चिम एशिया में शक्ति प्रदर्शन भी करना चाहती है। ईरान में शिया धर्म आधारित शासन में विशाल प्रदर्शन हमेशा से अहम रहे हैं।

ईरानी सेना के नेतृत्व में हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच शुरू

तेहरान। ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल मोहम्मद बाघेरी ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति की नियुक्ति की है। समिति की बागडोर ब्रिगेडियर अली अब्दुल्लाही को सौंपी गयी है, जिन्होंने दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

इन लक्षणों से समझें गंदगी से सिकुड़ रही खून की नसें, आ सकता है हार्ट अटैक

भागदौड़ से भरी और अक्सर तनावपूर्ण रहने वाली आज की जिन्दगी में एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (एएससीवीडी) का जोखिम बढ़ा हुआ है। एएससीवीडी की शुरूआत में थोड़े या न के बराबर लक्षण होते हैं और इसलिए इसे अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है। यह बीमारी गुजरते वर्षों के साथ धीरे-धीरे बढ़ती है और इससे दुनिया में लाखों लोगों को बड़ा खतरा है। आईसीएमआर के हाल के अध्ययनों ने भारत की शहरी आबादी में हाई कोलेस्ट्रॉल के 25-30% और ग्रामीण आबादी में 15-20% मामले होने की बात कही है। ज्यादा आमदनी वाले देशों की तुलना में, भारत के 83% लोगों में बड़ी कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों और मौत की दर काफी ज्यादा है। लेकिन इन अनिश्चितताओं के बीच कुछ अच्छी खबर भी है: कोलेस्ट्रॉल, और खासकर बुरे कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने से बड़ा परिवर्तन आ सकता है।

एएससीवीडी के जोखिम कारक

एएससीवीडी में कई कारकों का योगदान होता है। इनमें से कुछ में बदलाव होते हैं, जबकि कुछ ऐसे ही बने रहते हैं। जोखिम के बदलाव वाले घटकों में कोलेस्ट्रॉल, हाइपरटेंशन, डायबिटीज और धूम्रपान शामिल हैं। इनमें कोलेस्ट्रॉल के बढ़े हुए लेवल और हाई ब्लड प्रेशर खासतौर से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एएससीवीडी क्या है और इसके संकेत और लक्षण क्या हैं?

एएससीवीडी में कई तरह की स्थितियां होती हैं, जैसे कि आर्टरीज में गंदगी जमा होना, जिससे हृदय और मस्तिष्क जैसे जरूरी अंगों में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है। इस स्थिति को एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है और कोलेस्ट्रॉल जमा होने के कारण धीरे-धीरे आर्टरीज बंद होने लगती हैं। ऐसे में आर्टरीज कठोर हो जाती हैं और हार्टअटैक, स्ट्रोक तथा हृदय की अन्य समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है।

अपना टारगेट एलडीएल-सी जानना क्यों जरूरी

अलग-अलग लोगों के लिये जोखिम के कारकों और स्वास्थ्य-लक्ष्यों के आधार पर एलडीएल-सी के आदर्श स्तर में अंतर होता है। लेकिन आमतौर पर यह 100 एमजी/डीएल होना चाहिए, जबकि ज्यादा जोखिम वालों के लिये इससे भी कम। एलडीएल-सी पर नजर रखने के लिये खून की नियमित रूप से जांच हो सकती है। यह मरीज के जोखिम और उपचार के आधार पर हर 3 से 12 महीने में होती है। अपने लिपिड पर नजर रखना एएससीवीडी को मैनेज करने का आधार होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल्स को मैनेज करने के लिये दिल की सेहत को अच्छा रखने वाला आहार, नियमित व्यायाम और तनाव का प्रबंधन महत्वपूर्ण है।

दिल की सेहत के लिए कोलेस्ट्रॉल की जांच क्यों जरूरी

एलडीएल लेवल को मैनेज करने के लिये कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना महत्वपूर्ण है। 2019 में दुनिया में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) के कारण 32% मौतें हुई थीं और आकलन है कि 2030 तक हर साल ऐसी 23.6 मिलियन मौतें हो सकती हैं। ऐसे में कम उम्र से ही कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना महत्वपूर्ण है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार, प्रभाव और दिल की सेहत पर असर

कोलेस्ट्रॉल के विभिन्न प्रकार होते हैं, जिनमें से एलडीएल (लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को अक्सर बुरा कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। क्योंकि आर्टरी की दीवारों में गंदगी के जमा होने में उसकी भूमिका होती है। जबकि एचडीएल (हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को अच्छा कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है।

एससीवीडी के संकेत और लक्षण

शुरुआती अवस्था के कुछ आम लक्षण हैं एंजिना, जिसे चेस्ट पैन भी कहा जाता है। सांस छोटी होना, थकान, चक्कर आना और धड़कन बढ़ना। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कोई जानलेवा स्थिति आने तक कुछ लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। बीमारी का जल्दी पता लगाने और सही समय पर दखल देने के लिये स्वास्थ्य की नियमित जांच और पूर्व सक्रिय होकर कोलेस्ट्रॉल को जानना आवश्यक है।

एक नजर

बोको हराम के चंगुल से सैकड़ों लोगों को मुक्त कराया गया

मैदुगुरी। नाइजीरिया के उत्तरी पूर्वी हिस्से में चरमपंथी समूह बोको हराम द्वारा जंगल में महीनों तक बंधक बनाकर रखे गए सैकड़ों लोगों को मुक्त कराकर अधिकारियों को सौंप दिया गया है। सेना ने बताया कि मुक्त कराए गए लोगों में अधिकतर बच्चे और महिलाएं हैं और ये कई महीनों या सालों से बंधक थे। नाइजीरियाई सेना के वरिष्ठ अधिकारी मेजर जनरल केन चिग्बु ने सोमवार को मुक्त कराए गए लोगों को बोर्नो में असैन्य प्रशासन को सौंपने के दौरान कहा कि 350 बंधकों को बोको हराम ने सम्बिसा के जंगलों में बंधक बनाकर रखा था। उन्होंने बताया कि 209 बच्चे, 135 महिलाएं और छह पुरुष मुक्त कराए गए हैं। फटे-पुराने कपड़ों में ये लोग बहुत थके हुए नजर आए।

इजरायली हमले में हिजबुल्लाह अधिकारी की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के मंसूरी में इजरायली हमले में एक हिज़बुल्लाह अधिकारी की मौत हो गई और एक नागरिक घायल हो गया। लेबनानी सैन्य सूत्रों के अनुसार सोमवार शाम अधिकारी टायर जिले के मंसूरी में मोटरसाइकिल पर जब जा रहा था तभी इजरायल की ओर से दो मिसाइलें दागी गईं, जिसमें मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई और एक राहगीर घायल हो गया। मृतक की पहचान दक्षिणी नगरपालिका डेयर कानून एन नहर से हिजबुल्लाह के स्थानीय अधिकारी कासिम सकलावी के रूप में की गयी है।

जापान के ओगासावारा द्वीप समूह में 6.0 तीव्रता का भूकंप

टोक्यो। दक्षिण में प्रशांत महासागर में ओगासावारा द्वीप समूह के पास मंगलवार को 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह जानकारी जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने दी। एजेंसी ने कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 9:39 बजे लगभग 50 किमी की गहराई में आया, जिसकी तीव्रता हाहाजिमा द्वीप में 7 के जापानी भूकंपीय तीव्रता पैमाने पर 4 मापी गई। मौसम एजेंसी ने कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

मलेशिया के उप प्रधानमंत्री चीन की यात्रा पर आएंगे

बीजिंग। मलेशिया के उप-प्रधानमंत्री और ग्रामीण एवं क्षेत्रीय विकास मंत्री दातो सेरी डॉ. अहमद जाहिद बिन हमीदी 22 मई से एक जून तक चीन की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने मंगलवार को बताया कि डॉ अहमद जाहिद को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य और राज्य परिषद के उप प्रधानमंत्री डिंग श्यूजियांग ने आमंत्रित किया है।

बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुख जनरल पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के कारण सोमवार को प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि उनके कदमों ने बांग्लादेशी लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं में लोगों के भरोसे को कमजोर किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर बड़े भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाने की आज सार्वजनिक रूप से घोषणा की। उनके कदमों ने बांग्लादेश के लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थानों और प्रक्रियाओं में जनता के विश्वास को कम करने में योगदान दिया है।

37 हजार फीट पर एयर टर्बुलेंस एक की मौत, 30 लोग घायल

सिंगापुर एयरलाइंस का विमान झटके से 6 हजार फीट नीचे आया

सिंगापुर, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइन्स की एक फ्लाइट 21 मई को म्यांमार के आसमान में एयर टर्बुलेंस में फंस गई। अचानक लगे झटकों से 73 साल के ब्रिटिश यात्री की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। फ्लाइट एसक्यू321 लंदन से सिंगापुर जा रही थी। सिंगापुर एयरलाइन्स की बोइंग 777-300ईआर फ्लाइट ने लंदन से भारतीय समय के मुताबिक देर रात 2:45 बजे उड़ान भरी थी।

टेकऑफ के 11 घंटे बाद फ्लाइट म्यांमार के एयरस्पेस में 37 हजार फीट पर खराब मौसम की वजह एयर टर्बुलेंस में फंस गई। इस दौरान कई झटके लगे। विमान 5 मिनट के अंदर 37 हजार फीट की ऊंचाई से 31 हजार फीट की ऊंचाई पर आ गया। इस दौरान ऊंचाई कम करते वक्त यात्रियों को सीट बेल्ट पहनने की वॉर्निंग नहीं दी गई। कई यात्री अपनी सीट से ऊपर उछल गए। उनका सिर लगेज कंटेनर से टकरा गया। कई लोगों को चोट लगी। एक पैसेंजर की मौत हो गई। इसके बाद फ्लाइट को भारतीय समयानुसार दोपहर 2:15 बजे बैंकॉक डायवर्ट किया गया। यहां के स्वर्णभूमि एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट दोपहर 3:40 बजे सिंगापुर लैंड होने वाली थी।

विमान के भीतर यात्री द्वारा ली गई तस्वीर।

बैंकाक एयरपोर्ट पर खड़ा विमान।

फ्लाइट में 211 यात्री और 18 क्रू सदस्य थे

फ्लाइट में 211 यात्री और 18 क्रू सदस्य सवार थे। फ्लाइट शाम 6 बजकर 10 मिनट पर सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट उतरने वाली थी। प्लेन की लैंडिंग के तुरंत बाद एम्बुलेंस की कई गाड़ियां एयरपोर्ट पहुंची। घायलों को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिंगापुर एयरलाइन्स ने मारे गए यात्री के परिजनों के प्रति शोक जताया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के अधिकारी बैंकॉक से लगातार संपर्क में है। सभी यात्रियों को जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के डिलीवरी ब्वॉय को 30 माह की सजा

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक डिलीवरी ब्वॉय को एक होलसेलर के यहां काम करते हुए 1,70,000 सिंगापुर डॉलर से ज्यादा मूल्य के मांस उत्पाद चुराने के मामले में सोमवार को 30 महीने जेल की सजा सुनाई गयी है।

टुडे समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, शिवम करुप्पन (42) और ची सॉन्ग फूड्स विक्रेता में काम करने वाला उसका एक अन्य सहकर्मी चुराये हुए मांस उत्पादों को ग्राहक को बेचते थे और इससे प्राप्त धन को अपने पास रखते थे। करुप्पन के सहयोगी के खिलाफ अदालत में मामला फिलहाल शुरू नहीं हुआ है।

सहयोगी नेशान गुणसुंदरम (27) भी भारतीय मूल का नागरिक है, जो कंपनी ने गोदाम में सुपरवाइजर के रूप में तैनात था। गुणसुंदरम का काम गोदाम के अंदर और बाहर माल के आवागमन की निगरानी करना था। अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक, करुप्पन और गुणसुंदरम ने कुल मांस उत्पाद चुराए। उपलोक अभियोजक (डीपीपी) रोनी एंग ने करुप्पन के अपराधों के लिए 32 से 38 महीने की जेल की सजा की मांग करते हुए कहा कि उसने अपने मालिक के साथ विश्वासघात किया है। अदालत ने करुप्पन को 30 महीने जेल की सजा सुनाई।

माउंट फूजी पर्वत पर बढ़ रही गंदगी, देना होगा शुल्क

जापान के माउंट फूजी पर्वत की तस्वीर।

टोक्यो, एजेंसी

● जापान के माउंट फूजी पर्वत पर चढ़ने के लिए तय किए नए नियम

जापान के माउंट फूजी पर्वत पर चढ़ने की इच्छा रखने वाले लोगों को अब स्लाट की बुकिंग करानी होगी और इसके लिए उन्हें शुल्क का भी भुगतान करना होगा। पर्वतारोहियों की बढ़ती संख्या और वहां फैल रही गंदगी के चलते यह फैसला लिया गया है। सुरक्षा और संरक्षण भी चिंता का विषय बन चुका है।

यह नए नियम, 3,776 मीटर (लगभग 12,300 फीट) ऊंचे पर्वत के यामानाशी किनारे पर योशिदा मार्ग से जाने वाले पर्वतारोहियों पर लागू होगा। माउंट फूजी पर्वत पर एक जुलाई से 10 सितंबर तक पर्वतारोही चढ़ाई कर सकते हैं। यामानाशी प्रान्त ने सोमवार को जापान के विदेशी प्रेस केंद्र के माध्यम से बताया कि नए नियम के अनुसार केवल 4,000 पर्वतारोहियों को मार्ग में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

इसके लिए प्रति दिन 2,000 येन (लगभग 18 अमेरिकी डॉलर) का शुल्क लिया जाएगा। 3,000 स्लॉट्स ऑनलाइन बुक किए जाएंगे और शेष 1,000 को चढ़ाई के दिन व्यक्तिगत रूप से बुक किया जा सकता है। पर्वतारोही माउंट फूजी क्लाइंबिंग वेबसाइट के माध्यम से अपने स्लॉट बुक कर सकते हैं।

डेढ़ लाख का कर्ज नहीं लौटा पाया तो किसान ने की आत्महत्या

बेलगावी, एजेंसी

● किसान ने गंभीर सूखे के कारण झेला था नुकसान

कर्नाटक के बेलगावी में 55 वर्षीय किसान ने 1.50 लाख रुपये की ऋण राशि लौटाने के लिए एक महिला साहूकार द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटना बेलगावी जिले में हुक्केरी तालुक के इस्लामापुरा गांव में हुई।

पुलिस के अनुसार किसान राजू खोतागी ने रविवार को जहर खा लिया जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां अगले दिन उनकी मौत हो गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि किसान ने गंभीर सूखे के कारण नुकसान झेलने के बाद लगभग छह महीने पहले उसी गांव की 60 वर्षीय सिद्धव्वा बय्यानवारा से 1.50 लाख रुपये का ऋण लिया था। महिला ने राजू और उसके परिवार को 18 मई को अपने घर बुलाकर तुरंत ऋण वापस करने को कहा। आरोपी महिला ने किसी अन्य व्यक्ति से पैसे लिए थे और कथित तौर पर राशि वापस करने के लिए राजू पर दबाव बना रही थी। किसान ने राशि चुकाने के लिए कुछ और समय मांगा था और पैसे की व्यवस्था करने की कोशिश की, लेकिन व्यवस्था नहीं कर सका।

चीन में कोयला खदान में गैस रिसाव से पांच की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वोत्तर प्रांत हेइलोंगजियांग में एक कोयला खदान में तरल कार्बन डाई ऑक्साइट के रिसाव के कारण पांच की मौत हो गई।

चाइना सेंट्रल टीवी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से बताया कि यह दुर्घटना सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 08:38 बजे हेगांग शहर के जिंगआन कोयला खदान में हुई, जिसमें नौ लोग फंस गए। बचावकर्मियों ने इनमें से चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह दुर्घटना तरल कार्बन डाइऑक्साइड के रिसाव के कारण हुई थी।

...उफ-उफ गर्मी

समूचे भारत में इस दिनों गर्मी का प्रकोप है। कई राज्यों में तापमान 47 डिग्री पार कर चुका है। हैदराबाद में चिलचिलाती धूप से बचने के लिए खुद को स्कार्फ से ढकतीं युवतियां। ● एजेंसी

नियंत्रण रेखा पार कर आई पीओके की महिला को भेजा वापस

पुंछ/जम्मू। पीओके से भारतीय हिस्से में आई 45 वर्षीय महिला को मंगलवार को नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया गया। महिला दो दिन पहले गलती से भारत की ओर आ गई थी।

कोटली जिले की सखी नाथ गांव निवासी नसीम फातिमा को भारतीय सेना ने शनिवार रात को राजौरी जिले के नौसेना सेक्टर की सीमावर्ती गांव पुखरेनी के नजदीक हिरासत में लिया था। इसके बाद भारतीय सेना ने अपने पाकिस्तानी समकक्षों से संपर्क किया और महिला को मंगलवार की दोपहर छकन-दा-बाग के रास्ते मानवीय आधार पर वापस भेज दिया।

खगोल विज्ञान | पश्चिमी ओंटारियो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का नए शोध में दावा

निहारिका ओरियन ग्रह नक्षत्रों को देगी नई दिशा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हमारे सबसे करीबी खूबसूरत निहारिका ओरियन नेबुला वैज्ञानिकों को ग्रह नक्षत्रों के निर्माण व विकास की नई दिशा प्रदान करेगी। पश्चिमी ओंटारियो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नए शोध में यह दावा किया है। शोध में नेबुला की नवीन विचित्र तस्वीरों के जरिए इस निहारिका खाका तैयार किया है।

ओरियन नेबुला नग्न आंखों से नजर आने वाली बेहद खूबसूरत निहारिका है। इसकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में है। दुनिया में सर्वाधिक शोध व फोटोग्राफ इसी निहारिका की हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ब्रह्मांड में ग्रह नक्षत्रों के रहस्य उजागर करने के लिए इससे बेहतर कोई दूसरी निहारिका नहीं हो सकती। इसी उद्देश्य को लेकर पश्चिमी ओंटारियो विश्वविद्याल के वैज्ञानिको ने इस पर नया शोध किया। शोध के लिए जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप का सहारा लिया गया और जो परिणाम देखने को मिले, वह शोधकर्ताओं के लिए आश्चर्यजनक थे। इस आधार पर इसका नया खाका खींचने पर वैज्ञानिकों को बड़ी मदद मिली है। नए मानचित्र में ओरियन नेबुला के हृदय के साथ विकिरण, गर्म आयनित गैस व ठंडे आणविक बादल में संक्रमण को चिह्नित किया गया है। गैस के बादल का बचा हुआ हिस्सा दर्शाया गया है, जिससे तारों का निर्माण हुआ। वैज्ञानिक जानते हैं कि तारे और ग्रह निर्माण का रहस्य आज भी उलझा हुआ है। जिसे समझने के लिए यह नेबुला बेहद मददगार साबित होगी।

वेब टेलीस्कोप द्वारा ली गई ओरियन निहारिका की ताजा तस्वीर।

ग्रह नक्षत्रों की प्रक्रिया समझने में मिलेगी मदद

शोधकर्ता खगोलशास्त्री एल्स पीटर्स कहते हैं कि किसी भी ग्रह व तारे की उत्पत्ति को लेकर रासायनिक प्रक्रिया को समझना बेहद जरूरी है। इस दिशा में अधिक जानकारी अभी तक नही मिल पाई है। तारा निर्माण सैद्धांतिक प्रक्रिया में नया शोध मदद करेगा। ग्रह निर्माण व उनके अंत में होने वाली रासायनिक प्रक्रिया को समझना बेहद महत्वपूर्ण हैं। जिसे समझे बिना आगे की खोज संभव नही हो सकती।

श्रीलंका ने भारत में गिरफ्तार नागरिकों की जांच शुरू की

कोलंबो। श्रीलंका ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से संबंध रखने वाले अपने चार नागरिकों के बारे में सूचना हासिल करने के लिए जांच शुरू की है। इन लोगों को भारत में गिरफ्तार किया गया था, वे आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के एक कथित मिशन पर थे।

गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) ने एक गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को चार श्रीलंकाई नागरिकों को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डे से हिरासत में लिया था। वे कोलंबो से चेन्नई पहुंचे थे। इन लोगों ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के इशारे पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत की यात्रा की थी। वे आईएस के सदस्य हैं और उन्हें पाकिस्तान में रह रहे श्रीलंका के एक व्यक्ति ने कट्टरपंथी बनाया था।

अंतरिक्ष में हथियार नहीं भेजने वाला रूस का प्रस्ताव खारिज

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● अमेरिका ने कहा- रूस पहले ही कर चुका उपग्रह प्रक्षेपित, हथियारों की तैनाती का हिस्सा हो सकता

अंतरिक्ष में हथियार भेजने की होड़ पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने वाला रूस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने सोमवार को खारिज कर दिया। सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पर बहस के दौरान अमेरिका ने कहा कि रूस ने पिछले सप्ताह एक उपग्रह प्रक्षेपित किया था जो अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती का हिस्सा हो सकता है।

सुरक्षा परिषद के सदस्य देश भविष्य में संभावित इस वैश्विक चलन की निंदा कर रहे हैं लेकिन इसके खिलाफ कदम उठाने में विफल साबित हुए हैं। पिछले महीने रूस के प्रतिद्वंदी देश अमेरिका और जापान ने सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव रखा था जो खारिज हो गया था। अमेरिका और जापान द्वारा रखे प्रस्ताव में अलग-अलग प्रकार के हथियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो भारी तबाही का कारण बन सकते हैं।

अमेरिका ने कहा- ध्यान भटकाने की कोशिश

अमेरिकी उपराजदूत रॉबर्ट वुड ने परिषद को बताया आज हमारे सामने रखा गया प्रस्ताव और कुछ नहीं बल्कि रूस की ध्यान भटकाने की पराकाष्ठा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने इस तथ्य को खारिज किया कि उनका देश दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। इस प्रस्ताव पर मतदान हमारे पश्चिमी सहयोगियों के लिए सच सामने लाने वाला एक महत्वपूर्ण क्षण है।